जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, सोमवार 14 सितम्बर, 2026

KEDIA आरण्यम

ADDRESS. LIFESTYLE. STATUS.

RAJ/P/2026/5326

धन्यवाद राजस्थान

आपके इस ऐतिहासिक, अद्भुत और अभूतपूर्व प्रेम और विश्वास के लिए।

आज की रेट ₹18,000 प्रति वर्ग गज

दिवाली की रेट ₹20,000 प्रति वर्ग गज

भव्य लॉन्च आज है

पर प्रोजेक्ट 100% Pre-Booked है।

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

T&C Apply

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

RERA No. RAJ/P/2023/2387

केडिया का कमिटमेंट

NO MIDDLE MEN

दिसंबर तक 2 करोड़ की होगी कोठी

FIXED PRICE

₹4400/- Sq ft में फ्लैट ! दिसंबर तक 20 लाख रेट बढ़ेगी ₹5600/- Sq ft में कोठी !

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

उपदेश के बजाय कहीं ज्यादा हम करके सीखते हैं। - बर्क

डिग्री नौकरी के दरवाजे तक पहुंचा सकती है, दरवाजे के भीतर ले जाने के लिए डिग्री काफी नहीं!

बेरोजगारी हमारे देश की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। हमारी शिक्षण संस्थाओं से हर बरस बहुत बड़ी संख्या में युवा पढ़ाई करके और कोई प्रमाण पत्र, उपाधि या डिग्री लेकर निकलते हैं। स्वाभाविक ही है कि वे अपनी इस नव अर्जित उपलब्धि के आधार पर कोई उपयुक्त काम या नौकरी चाहते हैं। बहुत कम भाग्यशाली युवा ऐसे होते हैं जिन्हें पढ़ाई पूरी करते-करते ही किसी अच्छी नौकरी का प्रस्ताव मिल जाता है। बड़े, नामी और प्राय: महंगे शैक्षिक प्रतिष्ठान बड़ी कंपनियों और नियोक्ताओं को अपने यहां आमंत्रित करते हैं ताकि वे अपनी जरूरत के अनुसार कार्मिक चुन लें. जो चुन लिए जाते हैं, वे अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त हो जाते हैं और शेष अलग-अलग तरीकों से काम पाने के प्रयासों में जुट जाते हैं।

वे अपने सीवी तैयार करते हैं, आवेदन करते हैं, चयन परीक्षाओं के फॉर्म भरते हैं और अगर उनमें सफल होते हैं तो साक्षात्कार देते हैं। यह एक लम्बी प्रक्रिया होती है जिससे गुजर कर कुछेक को अपनी मंजिल पा लेने की खुशी हासिल होती है। जो सफल नहीं होते, उनमें से शायद बहुत थोड़े ऐसे होते हैं जो अपनी असफलता के कारणों पर विचार करते हैं। अधिकांश तो पक्षपात, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के माथे पर ठीकरा फोड़ कर निश्चिंत हो जाते हैं। वे बिना किसी विचार-मंथन के फिर प्रयत्न में जुट जाते हैं।

विभिन्न कारणों से मुझे ऐसे अनेक युवाओं से मिलने और बतियाने के मौके मिलते रहते हैं जिन्होंने मेरे विषय में-अर्थात हिंदी में-एम.ए. या पी-एच.डी. कर ली है और या तो वे जो नौकरी कर रहे हैं उससे बेहतर नौकरी के आकांक्षी हैं या अपनी पहली नौकरी के लिए प्रयत्नरत हैं. ऐसे युवाओं से मेरा संवाद प्राय: उनके ऐसी किसी नौकरी की आकांक्षा के सिलसिले में होता है जहां उनकी साहित्य की पढ़ाई का कोई उपयोग हो. ऐसे कामों में अध्यापन सर्वोपरि होता है।

बात शुरू करने के लिए और जिससे मैं बात कर रहा हूं उसे थोड़ा सहज कर देने के लिए मैं बहुत आसान और निजी-से लगने वाले सवाल से शुरुआत करता हूं. मसलन, उन्हें कौन-सा लेखक या कौन-सी कृति सर्वाधिक पसंद है, या अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने ऐसा क्या पढ़ा जिसकी अनुशंसा वे मुझसे भी करना चाहें. या ऐसा ही कोई दूसरा सवाल। अगर वे एक सवाल का जवाब नहीं दे पाते हैं तो मैं अनौपचारिक बातचीत के लहजे में दूसरा या तीसरा सवाल पूछता हूं, ताकि वे सहज हो जाएं और हम आगे कुछ गंभीर बातचीत कर सकें।

यह लिखते हुए बहुत अधिक दुख हो रहा है कि मुझे प्राय: निराश होना पड़ता है. मैं पाता हूं कि जब वे पढ़ाई कर रहे थे तो उनमें से अधिकांश ने मूल पुस्तकों की जगह केवल पासबुक्स पढ़ीं, किसी भी लेखक या रचना के बारे में विस्तार से कुछ नहीं जाना. कोई उनका प्रिय लेखक नहीं बना. और इन सबसे ऊपर यह कि भले ही वे पांच, दस या इससे भी अधिक बरसों से नौकरी के लिए प्रयत्नरत हैं और इस दौरान कोई खास काम नहीं कर रहे हैं, उन्होंने इन वर्षों में कुछ भी नहीं पढ़ा है।

मैं इस बात का कारण जानने का प्रयास करता हूं और उनसे ही पूछता हूं. उनसे जो जवाब मिलते हैं वे प्राय: यह होते हैं: क्या करें, टाइम ही नहीं मिलता। पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में ही लगे रहते हैं। (यह जान पाना कठिन होता है कि तैयारी से उनका आशय क्या है!) वे गांव में या किसी दूरस्थ स्थान पर रहते हैं जहां किताबें मिलती ही नहीं हैं। किताबें बहुत महंगी हैं। और ऐसे ही कुछ अन्य जवाब उनसे मिलते हैं।

मैं भी उनकी इस बात से सहमत हूं कि किताबें बहुत महंगी हैं और एक युवा जो बेरोजगार है उससे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह नियमित रूप से किताबें खरीदेगा। पुस्तकालय तो हमारे यहां शहरों तक में बहुत बुरी हालत में हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में तो उनकी कल्पना ही मत कीजिए। लेकिन फिर यह सवाल भी सामने आता है कि जब वे पढ़ाई कर रहे थे तब उन्होंने क्या पढ़ा? साहित्य में मूल किताब के बगैर पढ़ाई की कल्पना भी कैसे की जा सकती है?

> **यह समय घोर प्रतिस्पर्धा का है। आपको पूरी गंभीरता से तैयार होना होगा। और तैयारी का अर्थ केवल परीक्षा के पाठ्यक्रम को रटना नहीं है। जिस विषय को आपने अपनी पढ़ाई का विषय बनाया है, उसके प्रति जिज्ञासा और प्रेम भी आपकी तैयारी का हिस्सा होना चाहिए। किताबें पढ़ना केवल परीक्षा पास करने का साधन नहीं है।**

आप मैला आंचल न पढ़ें, गोदान न पढ़ें, कामायनी न पढ़ें, विनय पत्रिका न पढ़ें और कहें कि मैंने इनके बारे में पढ़ रखा है, अर्थात पासबुक्स या कुंजियों या कोचिंग संस्थानों द्वारा उपलब्ध कराए गए नोट्स से पढ़ रखा है, तो आपके अध्ययन के बारे में अच्छी राय कभी नहीं बनेगी। और चलिए, जब आप पढ़ाई कर रहे थे, नहीं पढ़ पाए। उसके बाद तो पढ़ सकते थे! आपने अगर पिछले कुछ बरसों में कुछ भी नहीं पढ़ा है तो मैं कैसे मान लूं कि नौकरी मिल जाने के बाद आप पढ़ेंगे? और जिसने खुद कभी नहीं पढ़ा, और जिसके बारे में यह भी नहीं लगता कि वह आगे चलकर पढ़ेगा, वह किसी भी अकादमिक काम के लिए चयन योग्य कैसे हो सकता है?

मैं इन युवाओं की इस बात से एक हद तक सहमत होता हूं कि उन्हें साहित्य की किताबें नहीं मिल पाती हैं. यह भी कि किताबें बहुत महंगी हैं. हालांकि जब आप अपनी जरूरत की अन्य मदों पर खर्च करते हैं तो कुछ खर्च किताब पर भी कर ही सकते हैं. बात इच्छा और रुचि की भी होती है. अगर कोई कहे कि उसने आज तक एक भी किताब, एक भी कविता, एक भी कहानी, एक भी उपन्यास नहीं पढ़ा तो कम से कम मुझे तो उससे कोई सहानुभूति नहीं होती. लेकिन इस बात को यहीं छोड़ता हूं. मैं उपलब्धता और महंगाई की बात का जवाब देना चाहता हूं।

मान लिया कि बेरोज़गार युवा के पास किताबें खरीदने के पैसे नहीं होते और अगर होते भी हैं तो उसके आसपास किताब की कोई दुकान नहीं होती। मैं इससे आगे की बात करता हूं। आज के समय में शायद ही ऐसा कोई युवा हो जिसके पास मोबाइल फोन न हो. इंटरनेट वाला स्मार्टफोन आज लगभग हर किसी के पास है। इस मोबाइल पर कितनी सारी साहित्यिक सामग्री निशुल्क सुलभ है. आप कहानी, कविता, उपन्यास, व्यंग्य, यात्रा-वृत्तांत, रेखाचित्र, नाटक, आलोचना, कुछ भी यहां पढ़ सकते हैं. कविता कोश, गद्य कोश और हिंदवी जैसे ठिकाने इतने समृद्ध हैं कि आपको बहुत कुछ यहां मिल सकता है. यू-ट्यूब पर विपुल सामग्री सुलभ है। अगर पढ़ने से ऊब जाएं तो अनेक श्रव्य (ऑडियो) साइट्स हैं जहां आप लम्बी-लम्बी रचनाओं का प्रभावशाली पाठ सुन सकते हैं। अगर आपके आसपास किताबों की दुकान नहीं है तो आप ई-कॉमर्स साइट्स से घर बैठे किताब मंगवा सकते हैं. अगर कोई पढ़ना चाहे तो उसके लिए सामग्री की कोई कमी नहीं है।

फिर भी अगर हमारे युवा नहीं पढ़ रहे हैं तो सम्भव है कि यह उनका दोष न हो और वे इस खजाने के होने से अपरिचित हों। यह मात्र एक संभावना है। आज का युवा इतना भी भोंदू नहीं है। वह दुनिया-जहान की खबर रखता है। और अगर नहीं रखता है तो उसे रखनी चाहिए। मैं तो यह भी सोचता हूं कि अगर वह इस तरह की सुविधाओं के अस्तित्व से अपरिचित है तो जब वह कोई नौकरी पा लेगा तब अपने विद्यार्थियों का क्या भला करेगा? जो यह कहे कि उसने बरसों से साहित्य की कोई किताब नहीं पढ़ी है, वह अपने विद्यार्थियों को कुछ पढ़ने के लिए कैसे प्रेरित करेगा? जाहिर है कि नहीं करेगा. और अगर वह नहीं करेगा तो वह किसी भी चयनकर्ता के लिए चयन योग्य कैसे हो सकता है?

यहां एक बात स्पष्ट कर देना जरूरी है. मैं यह नहीं कह रहा कि हिंदी के हर विद्यार्थी को साहित्य का अध्यापक ही बनना चाहिए या हर विद्यार्थी को साहित्य का अध्येता बन जाना चाहिए. लेकिन अगर आपने साहित्य को अपना विषय चुना है, उसमें एम.ए. या पी-एच.डी. की है और अब उसी विषय से जुड़ी नौकरी चाहते हैं तो कम से कम साहित्य के प्रति आपकी कोई रुचि, जिज्ञासा और प्रतिबद्धता तो दिखाई देनी ही चाहिए. केवल डिग्री आपकी प्रतिबद्धता का प्रमाण नहीं हो सकती।

जो लोग साहित्य, शिक्षा, कोचिंग वगैरह के काम में लगे हैं, जिनके बच्चे कोई नौकरी चाह रहे हैं और उसकी तैयारी में जुटे हैं, या जो खुद नौकरी पाने के लिए प्रयत्नशील हैं, उन सबको इन बातों पर विचार करना चाहिए. अगर आप उस नौकरी के प्रति अपनी कोई रुचि प्रदर्शित नहीं कर पाते जिसके आप आकांक्षी हैं, तो आपको चयन की उम्मीद भी क्यों करनी चाहिए?जो बातें मैंने साहित्य के संदर्भ में कही हैं उन्हें अन्य विषयों के संदर्भ में भी पढ़ा जाना चाहिए. मूल बात तो यह देखी जाती है कि आपकी अपने विषय में कितनी रुचि है और उस रुचि का पोषण करने के लिए आप क्या और कितना करते हैं।

यह समय घोर प्रतिस्पर्धा का है। आपको पूरी गंभीरता से तैयार होना होगा. और तैयारी का अर्थ केवल परीक्षा के पाठ्यक्रम को रटना नहीं है। जिस विषय को आपने अपनी पढ़ाई का विषय बनाया है, उसके प्रति जिज्ञासा और प्रेम भी आपकी तैयारी का हिस्सा होना चाहिए। किताबें पढ़ना केवल परीक्षा पास करने का साधन नहीं है। डिग्री आपको नौकरी के दरवाजे तक पहुंचा सकती है, लेकिन उस दरवाजे के भीतर ले जाने के लिए केवल डिग्री काफी नहीं होती. वहां यह भी पूछा जाता है कि आपने पढ़ा क्या है।

और इस सवाल का जवाब पासबुक, कुंजी या नोट्स नहीं दे सकते।

-अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

वैश्विक चेतना में श्री गणेशजी : आस्था और कला के शाश्वत सेतु

श्री गणेश चतुर्थी (14 सितम्बर, 2026) पर विशेष....

अब्दुल लतीफ़ उस्ता

कलाओं को यदि समस्त मानवीय बौद्धिक प्रक्रियों का सार कहा जाये तो गलत नहीं होगा। मानवीय सभ्यता के इसी बौद्धिक अनुक्रम में कला के दो प्रमुख ध्येय रहे हैं - पहला यथार्थ और दूसरा सामंजस्य। इन्हीं ध्येयों ने कला को आदर्शवादी चारित्रिक विलक्षणता, रहस्यवाद, प्रतीकवाद तथा पारलौकिकता प्रदान की है। यही कारण है कि आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों का, विभिन्न देवी-देवताओं के विविध स्वरूपों के माध्यम से कलाओं में समावेश हुआ है।

गणानां त्वा गणपतिं हवामहे... भारतीय संस्कृति में श्री गणेश केवल विघ्नहर्ता, बुद्धि, शुभारंभ के देवता और गणों के अधिपति ही नहीं, बल्कि वे भारतीय कला, लोकविश्वास और सांस्कृतिक स्मृति के संभवत: सबसे प्रभावशाली प्रतीक भी हैं। प्राचीन मंदिरों की पाषाण-मूर्तियों से लेकर तंजौर, मधुबनी, मांडणा जैसी लोक चित्रकला तक में उन्हें प्रमुखता से उकेरा गया है। शास्त्रीय कला में नृत्यरत श्री गणेश अपनी भुजाओं में मोदक और परशु धारण किए दिखाई देते हैं। आधुनिक भारतीय कलाकारों ने भी श्री गणेश के रूप को समकालीन और अमूर्त शैलियों में सुंदरता से ढाला है। शुभ अवसरों के प्रतीक के रूप में उनकी आकृतियां आज भी भारतीय घरों के मुख्य द्वारों और पांडुलिपियों की शोभा बढ़ाती हैं।

श्री गणेश की हाथी-मुखी आकृति भारतीय जनमानस में जितनी परिचित है, उतनी ही हृदयंगम उनकी सांस्कृतिक यात्रा भी है। विदेशी संस्कृतियों में भी श्री गणेश कलात्मक और धार्मिक परंपराओं के साथ संवाद करते हुए नए अर्थ प्रदान करते हैं। नेपाल, श्रीलंका, कंबोडिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया, तिब्बत, चीन और जापान की कला में श्री गणेशजी की उपस्थिति इस बात का अकाट्य्य प्रमाण है कि संस्कृति सीमाओं से बंधी नहीं रहती; वह यात्रा करती है, बदलती है और नए समुदायों में रच-बस जाती है।

कलाओं में विषय के रूप में श्री गणेशजी की लोकप्रियता और सुग्राहयता का प्रमुख कारण उनकी दृश्य पहचान भी है। भारतीय ज्ञान परंपरा में उनका टूटा हुआ दंत ज्ञान और त्याग का प्रतीक है, अंकुश मन और इच्छाओं पर नियंत्रण का, पाश आसक्ति को बांधने का और मोदक आध्यात्मिक आनंद का। मूषक उनका वाहन है, जो चंचल इच्छाओं और छोटे से छोटे जीव में निहित शक्ति का संकेत माना जाता है। जब यह प्रतीक-भाषा भारत से बाहर पहुंची, तब वहां के स्थानीय कलाकारों ने उसमें अपने समुदाय की वेश-भूषा, स्थापत्य, शिल्प और धार्मिक संवेदनाओं को सम्मिलित किया।

नेपाल की कला में श्री गणेशजी साझा आस्था और सांस्कृतिक सह-अस्तित्व के प्रतीक है, जहाँ वे हिंदू और बौद्ध परंपरा में हेरंब रूप में अत्यंत लोकप्रिय है। काठमांडू घाटी के नेवारी समुदाय द्वारा प्राचीन मंदिरों हेतु पंचमुखी हेरंब गणेश की अनेक पाषाण, कांस्य और धातु प्रतिमाएं बनाई जाती रही हैं, और ये प्रतिमाएं मंदिरों के प्रवेशद्वार पर स्थापित होकर रक्षा और शुभारंभ का प्रतीक बनती हैं। कुछ नेपाली प्रतिमाओं में श्री गणेश खड़े हुए अंकित हैं, जबकि भारतीय कला में उनका आसनस्थ रूप अधिक प्रचलन में है। उनके मुकुट, हार, बाजूबंद और अन्य अलंकरणों में स्थानीय धातु-कला का सौन्दर्य और सूक्ष्मता दिखाई देती है। बौद्ध मंदिरों के प्रवेश पर स्थापित श्री गणेश की प्रतिमा यह इंगित करने में सक्षम है कि धार्मिक अभिव्यक्ति दीवारों से विभाजित नहीं होतीं, बहुधा यह एक प्रतीक विभिन्न समुदायों के लिए अलग-अलग अर्थों के साथ साझा सांस्कृतिक धरोहर बन जाता है। इसी प्रकार नेवारी समुदाय की पारंपरिक पौभा चित्रकला में भी श्री गणेश के विविध स्वरूपों का चित्रण बहुतायत से हुआ है। यह चित्र परंपरा तिब्बती थंगका कला की जननी मानी जाती है, जिसमे सूती कपड़े पर प्राकृतिक रंगों और सोने-चांदी की भस्म से चित्र उकेरे जाते हैं।

तिब्बती बौद्ध कला में श्री गणेश महाकाल गणपति, धर्मपाल या विनायक के रूप में अंकित हुए हैं, जहाँ उनका स्वरूप भारतीय कलाओं में चित्रित श्री गणेश से काफी अलग हो सकता है। थंगका चित्रों, तांत्रिक मंडलों और अनुष्ठानिक कला में लाल, श्वेत या अन्य गहरे रंगों से उनकी पुष्ट देह, अनेक भुजाएं और विभिन्न अस्त्र-शस्त्र चित्रित किए जाते हैं। पहली दृष्टि में यह विरोधाभास प्रतीत हो सकता है, किंतु वास्तव में यह तिब्बती तांत्रिक कला की जटिल प्रतीक-व्यवस्था का हिस्सा है। यहां भी श्री गणेश की छवि को एक नए दार्शनिक और अनुष्ठानिक संदर्भ में समझा जा सकता है।

श्रीलंका में श्री गणेशजी, व्यापक लोकविश्वास और बौद्ध सांस्कृतिक परिवेश में दिखाए देते हैं। श्रीलंका की मूर्ति-कला परम्परा में श्री गणेश की प्रतिमाएं भारतीय प्रभाव और भारतीय उपमहाद्वीपीय स्थानीय शैली के समागम को दर्शाती हैं। यह समागम और समन्वय किसी एक संस्कृति की दूसरी पर विजय नहीं, बल्कि समुद्री मार्गों और ऐतिहासिक संपर्कों से विकसित हुआ सांस्कृतिक संवाद है। दक्षिण एशिया के अन्य देशों की भांति, श्रीलंका में भी धार्मिक कथाएं, शिल्प-तकनीकें और प्रतीक एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक प्रचारित-प्रसारित होते रहे हैं और स्थानीय समुदायों ने उन्हें अपनी संवेदना के अनुरूप अंगीकृत किया है।

कंबोडिया के इतिहास और प्राचीन मंदिरों की दीवारों पर उकेरी गई शिल्पकृतियों से स्पष्ट होता है कि खमेर मान्यताओं, धर्म और सांस्कृतिक कला में प्राचीन काल से ही श्री गणेश का गहरा प्रभाव रहा है। ऐतिहासिक दृष्टि से श्री गणेश की मूर्तियाँ 7वीं से 8वीं शताब्दी के पूर्व-अंगकोर काल (फनॉम दा और संबोर प्रेई कुक शैली) से लेकर अंगकोर काल तक पाई जाती हैं। अंगकोर और उससे जुड़े मंदिरों में पाषाण तथा कांस्य से निर्मित गणेश प्रतिमाएं मिलती हैं। खमेर शैली में श्री गणेश प्रतिमाएँ प्राय: शांत बैठी या खड़ी मुद्रा में बनाई जाती थी, जो असीम शक्ति, भव्यता और गहरे ज्ञान का प्रतीक हैं। कई बार मूषक का अभाव भी मिलता है, जिससे प्रकट होता है कि किसी देवता की पहचान स्थानीय कला में नए ढंग से निर्मित की जा सकती है। आज के आधुनिक कंबोडियाई समाज में भी कारोबारी, कलाकार और छात्र अपने कार्यों के सुचारू संचालन, समृद्धि और बुद्धि की प्राप्ति के लिए अपने घरों व कार्यस्थलों में श्री गणेश की प्रतिमा या चित्र स्थापित करते हैं। इस प्रकार, कंबोडियाई गणेश भारतीय और खमेर परंपराओं की साझा रचनात्मकता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

जापान में कांगितेन या शोतें के रूप में प्रसिद्ध श्री गणेश का स्वरुप, मुख्यत: गूढ़ बौद्ध परंपराओं से सम्बंधित है, जिन्हें बौद्ध धर्म की वठायान और शिंगोन परंपराओं में मुख्य रूप से पूजा जाता है। कांगितेन को आनंद-समृद्धि तथा शोतें को पवित्रता-श्रेष्ठता से संबंधित माना जाता है। जापानी कला में उनका सबसे विशिष्ट रूप द्वि-शरीरी आकृति है, जिसमें दो हाथी-मुखी आकृतियां एक-दूसरे को आलिंगन करती हुई दिखाई देती हैं। यह रूप भारतीय श्री गणेश की सामान्य प्रतिमा से बहुत अलग है, फिर भी इसमें श्री गणेश की पहचान स्पष्ट रहती है। श्री गणेश का यह जापानी स्वरुप, सांस्कृतिक सद्भाव का अत्यंत सुंदर प्रतीक है जहाँ दो अलग रूप एक-दूसरे को नष्ट नहीं करते, बल्कि साथ आकर नए आध्यात्मिक अर्थ उत्पन्न करते हैं।

थाईलैंड में श्री गणेश को फ्रा फिकानेट के रूप में सफलता, सौभाग्य, ज्ञान और विशेष रूप से कलाओं के संरक्षक माना जाता हैं। लगभग 15वीं शताब्दी की थाई आसनस्थ गणेश प्रतिमा दक्षिण-पूर्व एशियाई कला में सांस्कृतिक अनुकूलन का महत्वपूर्ण उदाहरण कहा जा सकता है। थाई कलाकारों ने श्री गणेश की भारतीय पहचान को बनाए रखते हुए उनके स्वरूप में स्थानीय राजसी सौंदर्य के भाव सम्मिल्लित किये। उनका मुकुट थाई राजकीय मुकुट जैसा, वस्त्र स्थानीय शैली के और आसनस्थ मुद्रा में कुलीन गरिमा दिखाई देती है। वे कभी शांत और ध्यानमग्न, कभी अलंकृत राजसी आसन में, और कभी अनेक भुजाओं के साथ अंकित किये जाते रहे हैं। थाईलैंड की कला में श्री गणेश का समावेश इस बात का सुंदर उदाहरण है कि कोई धार्मिक प्रतीक स्थानीय समाज के रचनात्मक जीवन का संरक्षक बन समुदाय को विकासगामी दिशा दे सकता है।

इसी प्रकार इंडोनेशिया के जावा और बाली द्वीपों में श्री गणेशजी का महती विषय के रूप में समावेश, कला सांस्कृतिक समन्वय की प्रभावशाली परिभाषाएँ रचता है। समुद्री व्यापार और धार्मिक संपर्कों के माध्यम से भारतीय शैव तथा बौद्ध विचार यहां पहुंचे। जावा में श्री गणेश की प्रतिमाएं प्राय: मंदिरों और शिवजी से संबंधित धार्मिक स्थलों के पास प्रतिष्ठित की जाती थी। यहाँ श्री गणेश प्रतिमा के मुख पर गंभीरता, देह में स्थिरता और मुद्रा में ध्यान का भाव स्पष्ट दिखाई देता है। जावा क्षेत्र की कतिपय प्रतिमाओं में तांत्रिक प्रभाव के कारण उठा अलंकरण, मुंड-मालाएं या अन्य शक्तिशाली रूपक दिखाई देते हैं। यह स्वरूप भारतीय गृहस्थ-परंपरा के आनंदमय गणेश से भिन्न है, परंतु असंबद्ध नहीं। जावा के स्थानीय कलाकारों एवं मूर्तिशिल्पियों ने श्री गणेश की मूल पहचान को अपने आध्यात्मिक अनुभव और स्थानीय शिल्प-परंपरा के साथ जोड़कर नया अर्थ एवं दिशा प्रदान की है।

बाली में गणेश मंदिरों के प्रवेशद्वार, पवित्र परिसर और प्राकृतिक स्थलों के रक्षक के रूप में दिखाई देते हैं। पत्थर, लकड़ी और धातु में उकेरी गई उनकी मूर्तियां बाली के भव्य मंदिर-शिल्प, पौराणिक मुखौटों, पुष्प-सज्जा और पारंपरिक पौराणिक कलाकृतियों के साथ सुंदर सामंजस्य स्थापित करती हैं। यहाँ के मंदिरों में उनकी उपस्थिति यह भी दर्शाती है कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान तभी समठा और स्थायी होता है जब वह स्थानीय समुदायों के दैनिक जीवन, उत्सव और स्थापत्य में स्थान प्राप्त कर लेता है।

कला विषय के रूप में श्री गणेश का यह अंतरराष्ट्रीय प्रभाव केवल धार्मिक या अध्यात्मिक मूल्यों का प्रसार नहीं, बल्कि व्यापारिक, राजनैतिक और कलात्मक आदान-प्रदान से निपजा एक जीवंत सांस्कृतिक संवाद है। भारत से लेकर नेपाल, थाईलैंड, जावा, बाली और जापान तक श्री गणेश ने कला विषय के रूप में अपनी मूल पहचान खोए बिना स्थानीय परंपराओं, कला और लोक-विश्वासों को सहजता से आत्मसात किया है। आज की विभाजित दुनिया में उनका यह वैश्विक स्वरूप एक गहरा संदेश देता है कि अपनी सांस्कृतिक पहचान को अक्षुण्ण रखते हुए भी दूसरों के साथ सह-अस्तित्व और संवाद संभव है। श्री गणेश केवल विघ्नों को दूर करने वाले देवता ही नहीं, बल्कि भौगोलिक, धार्मिक और सामाजिक सीमाओं से परे मानव समुदाय को जोड़ने वाले एक शाश्वत सांस्कृतिक प्रतीक हैं।

-अब्दुल लतीफ़ उस्ता,
कला इतिहासकार एवं
विरासत विशेषज्ञ

चमत्कारी संत बाबा रामदेवजी

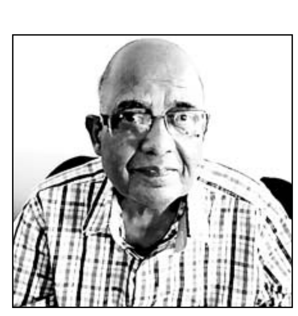

डॉ. जे. के. गर्ग

पीरों के पीर रामापीर, बाबाओं के बाबा रामदेव बाबा को सभी भक्त बाबारी कहते हैं। जहां भारत ने परमाणु विस्फोट किया था, वे वहां के शासक थे। हिन्दू उन्हें रामदेव जी और मुस्लिम उन्हें रामसा पीर कहते हैं। मध्यकाल में जब अरब, तुर्क और ईरान के मुस्लिम शासकों द्वारा भारत में हिन्दुओं पर अत्याचार कर उनका धर्मांतरण किया जा रहा था, तो उस काल में हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए सैकड़ों चमत्कारी सिद्ध, संतों और सूफी साधुओं का जन्म हुआ। उन्हीं में से एक हैं रामापीर।

बाबा रामदेव (1352-1385) बाबा रामदेव को द्वारकाधीश (श्रीकृष्ण) का अवतार माना जाता है। इन्हें पीरों का पीर रामसा पीर कहा जाता है। सबसे ज्यादा चमत्कारी और सिद्ध पुरुषों में इनकी गणना की जाती है। हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रतीक बाबा रामदेव के समाधि स्थल रुणिचा में मेला लगता है, जहां भारत और पाकिस्तान से लाखों की तादाद में लोग आते हैं।कुछ विद्वान मानते हैं कि विक्रम संवत 1409 (1352 ईस्वी सन्) को उडू काश्मीर (बाड़मेर) में बाबा का जन्म हुआ था और विक्रम संवत 1442 में उन्होंने रुणिचा में जीवित समाधि ले ली। पिता का नाम अजमाल जी तंवर, माता का नाम मैणादे, पत्नी का नाम नेतलदे, गुरु का नामबालीनाथ, घोड़े का नाम लाली रा असवार था।

बाबा रामदेव ने छुआछूत के खिलाफ कार्य कर दलित हिन्दुओं का पक्ष ही नहीं लिया बल्कि उन्होंने हिन्दू और मुस्लिमों के बीच एकता और भाईचारे को बढ़ाकर शांति से रहने की शिक्षा भी दी। बाबा रामदेव पोकरण के शासक भी रहे। उन्होंने डाली बाई नामक एक दलित कन्या को अपने घर बहन-बेटी की तरह रखकर पालन-पोषण कर समाज को यह संदेश दिया कि कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। बाबा ने अपने जीवनकाल में लोगों की रक्षा और सेवा करने के लिए उनको कई चमत्कार दिखाए। आज भी बाबा अपनी समाधि पर साक्षात विराजमान हैं। आज भी वे अपने भक्तों को चमत्कार दिखाकर उनके होने का अहसास कराते रहते हैं। बाबा द्वारा चमत्कार दिखाने का परचा देना कहते हैं।

मान्यता के मुताबिक बाबा के चमत्कार होने से लोग गांव-गांव से रुणिचा आने लगे। यह बात रुणिचा और आसपास के गांव के मौलवियों को नहीं भाई। उन्हें लगा कि इस्लाम खतरे में है। उनको लगा कि मुसलमान बने हिन्दू कहीं फिर से मुसलमान नहीं बन जाएं तो उन्होंने बाबा को नीचा दिखाने के लिए कई उपक्रम किए। जब उन पीरों और मौलवियों के प्रयास असफल हुए तब उन्होंने यह बात मक्का के मौलवियों और पीरों से कही। उन्होंने कहा कि भारत में एक ऐसा पीर पैदा हो गया है, जो अंधों की आंखें ठीक कर देता है, लंगड़े को चलना सिखा देता है और यहां तक वह मरों को जिंदा भी कर देता है।

मक्का के मौलवियों ने इस पर विचार किया और फिर उन्होंने अपने पूज्य चमत्कारिक 5 पीरों को जब बाबा की ख्याति और उनके अलौकिक चमत्कार के बारे में बताया तो वे पांचों पीर भी बाबा की शक्ति को परखने के लिए उत्सुक हो गए। कुछ दिनों में वे पीर मक्का से चलकर रुणिचा के रास्ते पर जा पहुंचे।

रास्ते में भी बाबा रामदेव से उनकी मुलाकात हुई। पांचों पीरों ने रामदेव जी से पूछा कि हे भाई! रुणिचा यहां से कितनी दूर है? तब रामदेवजी ने कहा कि यह जो गांव सामने दिखाई दे रहा है वही तो रुणिचा है। क्या मैं आपके रुणिचा आने का कारण पूछ सकता हूं? तब उन पांचों में से एक पीर बोला कि हमें यहां रामदेवजी से मिलना है और उसकी पीराई देखनी है। जब रामदेवजी बोले हे पीरजी! मैं ही रामदेव हूं और आपके सामने खड़ा हूं, कहिए मेरे योग्य क्या सेवा है? पांचों पीर बाबा की बात सुनकर कुछ देर उनकी ओर देखते रहे फिर हंसने लगे और सोचने लगे कि साधारण-सा दिखाई देना वाला व्यक्ति ये पीर है क्या?

रामदेवजी बाबा ने उनकी आवभगत की और अतिथि देवो भव की भावना से उन्हें भोजन के लिए आमंत्रित किया। बाबा के घर जब पांचों पीरों के भोजन हेतु जाजम बिछाई गई, तकिए लगाए गए, पंखे लगाए गए और सेवा-सत्कार के सभी सामान सजाए गए, तब भोजन पर बैठते ही एक पीर बोला कि अरे, हम तो अपने खाने के कटोरे मक्का ही भूल आए हैं। हम तो अपने कटोरों में ही खाना खाते हैं, दूसरे के कटोरों में नहीं, यह हमारा प्रण है। अब हम क्या कर सकते हैं? आप यदि मक्का से वे कटोरे मंगवा सकते हैं तो मंगवा दीजिए, वर्ना हम आपके यहां भोजन नहीं कर सकते। तब बाबा रामदेव ने उन्हें विनयपूर्वक कहा कि उनका भी प्रण है कि घर आए अतिथि को बिना भोजन कराए नहीं जाने देते। यदि आप अपने कटोरों में ही खाना चाहते हैं तो ऐसा ही होगा। इसके साथ ही बाबा ने अलौकिक चमत्कार दिखाया और जिस पीर का जो कटोरा था उसके सम्मुख रखा गया। इस चमत्कार (परचा) से वे पीर सकते में रह गए। जब पीरों ने पांचों कटोरे मक्का वाले देखे तो उन्हें अचंभा हुआ और मन में सोचने लगे कि मक्का कितना दूर है। ये कटोरे तो हम मक्का में छोड़कर आए थे। ये कटोरे यहां कैसे आए? तब उन पीरों ने कहा कि आप तो पीरों के पीर हैं। पांचों पीरों ने कहा कि आज से आपको दुनिया रामापीर के नाम से पूजेगी। इस तरह से पीरों ने भोजन किया और श्रीरामदेवजी को पीर की पदवी मिली और रामदेव जी, रामापीर कहलाए। बाबा रामदेव ने रानी नेतल को मेवाड़ के सेठ दलाजी को, अंधे साधु को भी परचा दिया था।

बाबा रामदेवजी के समाधि स्थल रामदेवरा से 12 किलोमीटर स्थित एक पांच पीपलों से युक्त पेड़ है। रामदेवरा से पूर्व की ओर एकां गांव के पास एक छोटी-सी नाडी के पाल पर घटित इस कार्य के दौरान पीरों ने भी परचे स्वरूप 5 पीपली लगाई थी, जो आज भी वहां पर विद्यमान है। यह रामदेवरा से 12 किलोमीटर दूर एकां गांव में स्थित है। यहां पर बाबा रामदेव का एक छोटा-सा मंदिर एवं सरोवर भी है।

पश्चिम राजस्थान में पेयजल संकट को देखते हुए रामदेव जी ने विक्रम संवत् 1439 में एक तालाब खुदवाया जिसे आज उनके नाम से राम सरोवर कहा जाता है। इसके पश्चिम छोर पर अद्भुत आश्रम व पाल के उत्तरी सिरे पर बाबा रामदेव जी की जीवित समाधि है। पाल के इसी हिस्से में भक्त शिरोमणि डाली बाई की भी जीवित समाधि है। पर्चा बावड़ी मंदिर के पास ही स्थित है। इस बावड़ी का निर्माण मिति फाल्गुन सुदी तृतीया वार बुधवार विक्रम संवत् 1897 को संपूर्ण हुआ था। माना जाता है कि इस बावड़ी का निर्माण बाबा रामदेवजी के आदेशानुसार बाणिया बोयता ने करवाया था। रामदेव जी के गुरु बालीनाथ जी का धूना या आश्रम पोकरण में स्थित है। बाबा ने बाल्यकाल में यहीं पर गुरु बालीनाथजी से शिक्षा प्राप्त की थी।

श्री बाबा रामदेव जी की समाधि संवत् 1442 को रामदेव जी ने अपने हाथ से श्रीफल लेकर सब बड़े- बूढ़ों को प्रणाम किया तथा सबने पत्र-पुष्प चढ़ाकर रामदेवजी का हार्दिक तन-मन व श्रद्धा से अंतिम पूजन किया। रामदेवजी ने समाधि में खड़े होकर सबके प्रति अपने अंतिम उपदेश देते हुए कहा कि प्रतिमाह की शुक्ल पक्ष की दूज को पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन करके पर्वोत्सव मनाना, रात्रि जागरण करना। प्रतिवर्ष मेरे जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में तथा अंतर्ध्यान समाधि होने की स्मृति में मेरे समाधि स्तर पर मेला लगेगा। मेरे समाधि पूजन में भ्रांति व भेदभाव मत रखना। मैं सदैव अपने भक्तों के साथ रहूंगा। इस प्रकार श्री रामदेवजी महाराज ने समाधि ली।

डॉ. जे. के. गर्ग
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज
शिक्षा जयपुर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 14 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत-2083, चित्रा नक्षत्र, दिन 1:55 तक, ब्रह्म योग दिन 12:47 तक, गर करण प्रात: 7:07 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग दिन 1:55 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 7:26 से आरम्भ होगा। आज हरितालिका तीज व्रत है। आज महागणपति चतुरथी, कलंक चतुरथी, जैन संवत्सरी (चतुरथी पक्ष), सौभाग्य चतुरथी, गौरी व्रत है।

आज चन्द्र दर्शन निषेध है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 8:16 पर होगा। गणेश पूजन का श्रेष्ठ समय दिन 11:09 से दिन 1:21 तक रहेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया- सूर्योदय से 7:47 तक, शुभ 9:14 से 10:51 तक, चर 1:54 से 3:26 तक, लाभ-अमृत 3:26 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल- 7:30 से 9:00 तक, सूर्योदय 6:15, सूर्यास्त 6:30

मेष
घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

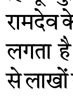

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

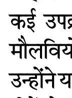

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

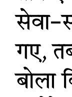

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

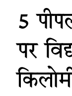

सिंह
शुभ कार्यों के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

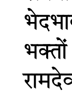

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

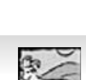

तुला
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

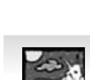

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

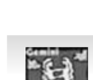

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

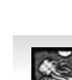

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण वार्ता हो सकती है और महत्वपूर्ण योजना बन सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

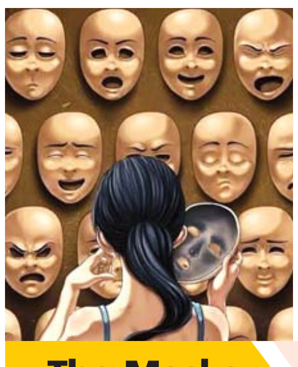

The Masks We Wear! ....So, we complied. We put ourselves inside a neat, acceptable box. We surrendered to the word 'acceptable.' And the scoreboard changed completely, it used to be made of character

The Princess Who Sealed the Deal

The Music of Repeated Sounds in Sanskrit Poetry

ब्रिक्स केवल देशों का समूह नहीं, समाधान का इकोसिस्टम है- मोदी

प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स के समापन सत्र में कहा कि ''नई दिल्ली डिक्लरेशन'' साझा विज़न को नई दिशा देगा

- **ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने चार प्राथमिकता स्तंभों में परिणामों के महत्वपूर्ण पैकेज को मंजूरी दी। विभिन्न विषयों में 50 से अधिक ठोस परिणाम सामने आए। दुर्लभ खनिजों को सहयोग का महत्वपूर्ण क्षेत्र माना गया।**

नई दिल्ली, 13 सितंबर। नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का समापन हो गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ब्रिक्स सिर्फ देशों का समूह नहीं बल्कि समाधान का इकोसिस्टम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ''नई दिल्ली डिक्लरेशन'' साझा विज़न को नई दिशा देगा। पीएम ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सदस्य देशों का आभार जताया।

पीएम मोदी ने कहा कि आपके महत्वपूर्ण विचारों और सुझावों ने हमारे सहयोग को व्यापकता भी दी है और गहराई भी दी है। आप सबकी मौजूदगी ब्रिक्स की बढ़ ती उपयुक्तता, उदारता और समावेशिता का प्रमाण है।

पीएम मोदी ने कहा, पिछले दो दिनों की हमारी चर्चाओं ने हमारा विश्वास और मजबूत किया है कि ब्रिक्स केवल देशों का समूह नहीं, समाधान का एक इकोसिस्टम है। हम आशा करते हैं नई दिल्ली डिक्लरेशन हमारे साझा विजन और भविष्य के सहयोग को स्पष्ट दिशा देगा। हमें सभी परिणाम को समयबद्ध एक्शन और अंतिम पायदान पर प्रभाव से जोड़ना होगा।

इस मौके पर पीएम मोदी ने ब्रिक्स के अगले होस्ट के तौर पर चीन को एक बार फिर बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं।

इस सम्मेलन में वैश्विक सुधार और ग्लोबल साउथ को प्रतिनिधित्व देने पर जोर रहा। इस दौरान भारत के इस केंद्रीय प्रस्ताव पर व्यापक सहमति बनी कि ब्रिक्स को केवल घोषणात्मक होने के बजाय व्यावहारिक, कार्रवाई योग्य और जन-केंद्रित होना चाहिए। इसके अलावा ब्रिक्स में स्पष्ट शब्दों में आतंकवाद की निंदा की गई और स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और आपदा से निपटने की क्षमता जैसे क्षेत्रों में सहयोग पक्का किया गया।

भारत ने अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता का उपयोग भागीदारी को सीमित करने के बजाय व्यापक बनाने के लिए किया। भारत की अध्यक्षता परिणामों पर केंद्रित रही।

शिखर सम्मेलन ने चार प्राथमिकता स्तंभों में परिणामों के महत्वपूर्ण पैकेज को मंजूरी दी। विभिन्न विषयगत क्षेत्रों में 50 से अधिक ठोस परिणाम समाने आए। ब्रिक्स में दुर्लभ खनिजों को भी सहयोग का महत्वपूर्ण क्षेत्र माना गया।

सांभर लेक थानाधिकारी 50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर, सितंबर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय की जयपुर नगर-प्रथम इकाई ने रविवार को कार्रवाई करते हुए जयपुर ग्रामीण के सांभर लेक थाने के थानाधिकारी राममिलन मीणा को 50 हजार रुपए

- **आरोपी ने सड़क निर्माण का काम नहीं रोकने की एवज में ठेकेदार से रिश्वत मांगी थी।**

रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके पिता के नाम की फर्म को पीडब्ल्यूडी से मिले सड़क निर्माण कार्य को थाना क्षेत्र में निर्बाध रूप से जारी रखने की एवज में राममिलन मीणा हर माह 20 हजार रुपए रिश्वत मांग कर परेशान कर रहा था। रिश्वत नहीं देने पर निर्माण स्थल पर लगे वाहनों और कर्मचारियों को थाने ले जाकर परेशान करने का आरोप था।

शिकायत के बाद एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र के नेतृत्व में रिश्वत मांग का सत्यापन कराया। सत्यापन में आरोपी द्वारा हर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पश्चिमी प्रभुत्व व डॉलर के दबदबे को चुनौती है, ब्रिक्स सम्मेलन- वॉशिंगटन पोस्ट

प्रशंसा हो या आलोचना, पूरे विश्व की मीडिया में छाया रहा, दिल्ली का ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

- **अमेरिकी मीडिया के अनुसार, वैश्विक संघर्ष, अमेरिकी टैरिफ के दबाब और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच अब विश्व के देश वॉशिंगटन और बीजिंग के साथ अपने रिश्तों को नए सिरे से देख रहे हैं।**

नई दिल्ली, 13 सितंबर। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर वैश्विक मीडिया की राय भले ही जुदा हो लेकिन कुल मिलाकर इसे पश्चिम के दबदबे को चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी मीडिया इस सम्मेलन को वैश्विक समीकरणों में बदलाव के तौर पर पेश कर रहा है। वैश्विक संघर्ष, अमेरिकी टैरिफ का दबाव और तेल की बढ़ ती कीमतों के बीच कई देश अब वाशिंगटन और बीजिंग के साथ अपने रिश्तों को नए सिरे से देख रहे हैं।

ब्रिटिश मीडिया बीबीसी ने लिखा है कि ब्रिक्स समूह वैश्विक राजनीति और कूटनीति में एक बहुत ही विरोधाभासों से भरा संगठन बन चुका है। इस घोषणापत्र में आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा की गई है। पहलगाम हमले का विशेष रूप से जिक्र किया गया है, जिसे भारत के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

अमेरिकी अखबार, वाशिंगटन पोस्ट ने लिखा कि ब्रिक्स की मेजबानी करना भारत के लिए कठिन संतुलन जैसा है। एक तरफ भारत के अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ मजबूत रिश्ते हैं, तो दूसरी तरफ वह रूस-ईरान के साथ भी मंच साझा कर रहा है।

ब्रिक्स एक ऐसा शक्तिशाली मंच बन चुका है जो पश्चिमी प्रभुत्व और अमेरिकी डॉलर के दबदबे को चुनौती दे रहा है। नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स भारत का क्षण है।

ब्रिक्स समूह ईरान के लिए आर्थिक अवसरों और अमेरिकी प्रतिबंधों से निपटने का एक बड़ा मंच है। ब्रिक्स को सदस्यों की सुरक्षा और रणनीतिक चिंताओं को भी साझा करना चाहिए।

पाकिस्तानी अखबार डॉन ने लिखा, ब्रिक्स एक ऐसा संगठन है जो वैश्विक मंच पर पश्चिमी देशों के दबदबे को चुनौती दे रहा है। साथ ही यह आंतरिक मतभेदों और युद्ध के गहरे संकटों से भी जूझ रहा है। ईरान पर हमलों के बाद ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच मतभेद बढ़ गए हैं।

टीएमसी के बागी गुट ने ममता को नंदीग्राम उपचुनाव लड़ने की पेशकश की

बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी ममता के खिलाफ प्रत्याशी नहीं उतारेगी

- **ममता बनर्जी ने 2011 में वामपंथी सरकार के खिलाफ कृषि भूमि अधिग्रहण का ऐतिहासिक आंदोलन नंदीग्राम से ही शुरु किया था। नंदीग्राम विधानसभा सीट के उपचुनाव 6 अक्टूबर को होने वाले हैं।**

कोलकाता, 13 सितंबर। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर सियासी गर्माहट तेज है। आरोप-प्रत्यारोप भी सातवें आसमान पर हैं। ऐसे में अब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी गुट ने पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को एक बड़ा प्रस्ताव दिया है।

बागी नेताओं का कहना है कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव लड़ने का फैसला करती हैं, तो वे उनके खिलाफ अपना कोई उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। बता दें कि नंदीग्राम सीट पर 6 अक्टूबर को विधानसभा उपचुनाव होना है।

नियमानुसार, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा इस सीट को छोड़ने के बाद यह उपचुनाव जरूरी हो गया था। ऐसे में अब टीएमसी के बागी नेताओं ने ममता बनर्जी को ऑफर दिया है कि वे नंदीग्राम से चुनाव लड़कर आसानी से विधानसभा पहुंच सकती हैं।

बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने दिल्ली में एक बयान देते हुए कहा कि वे चाहते हैं कि ममता बनर्जी विधानसभा आएं। उन्होंने साफ कहा कि हमने अपने उम्मीदवार के चयन पर सामूहिक रूप से फैसला किया है, लेकिन अभी उसका एलान नहीं किया है।

इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि 2021 के विधानसभा चुनाव में सीएम शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम सीट पर ममता बनर्जी को हरा दिया था,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ख्बाव हो तुम या कोई हकीकत.....'

नई दिल्ली, 13 सितंबर। राजधानी के भारत मंडपम में चल रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने आये मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने हिंदी के सदाबहार गीतकार एवं गायक किशोर कुमार का एक गीत अपनी सुरीली आवाज में पेश कर महफिल में रंग भर दिया। यह वीडियो वायरल होने के बाद हिंदी और

- **मलेशिया के प्रधानमंत्री ने किशोर कुमार का सदाबहार गाना गाया।**

भारतीय संगीत के प्रति उनके लगाव की जमकर तारीफ हो रही है।

भारत और मलेशिया के सदियों पुराने सांस्कृतिक रिश्ते को सुरों में पिरोता यह पल वाकई खास रहा। दिल्ली में फुरसत के कुछ पलों के दौरान उन्होंने फिल्म, तीन देवियां का मशहूर गीत ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत... गुनगुनाया। अनवर इब्राहिम ने भारतीय पियानो वादक के साथ यह गीत गाया और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी साझा किया।

अक्टूबर में बढ़ सकती है, रिज़र्व बैंक की रैपो रेट, आमजन पर भार पड़ेगा

इस बढ़ोतरी से होम लोन, कार लोन व फ्लोटिंग रेट व ऋण की ब्याज दर व ईएमआई बढ़ जाएगी

- **हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि रैपो रेट बढ़ने से बैंक व वित्तीय संस्थाओं की एफडी की ब्याज दर भी बढ़ेगी।**

नई दिल्ली, 13 सितंबर। लोन लेने वालों के लिए आने वाले महीने मुश्किल हो सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक अक्टूबर में रैपो रेट बढ़ ाने की तैयारी कर सकता है। एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अक्टूबर की बैठक में रैपो रेट में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी की जानी चाहिए। इसके बाद दिसंबर में भी इतनी ही बढ़ ोतरी की जरूरत पड़ सकती है। अगर ऐसा होता है तो होम लोन, कार लोन और दूसरे फ्लोटिंग रेट वाले कर्ज़ की ब्याज दर और ईएमआई बढ़ सकती है।

हालांकि, ब्याज दर बढ़ ने का दूसरा पहलू जमाकर्ताओं के लिए अच्छी खबर लेकर आ सकता है। रैपो रेट बढ़ ने पर बैंक और दूसरी वित्तीय संस्थाएं एफडी की ब्याज दरों में भी बढ़ ोतरी कर सकती हैं। यानी जिन लोगों के पास एफडी है या जो आने वाले महीनों में एफडी कराने की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें पहले के मुकाबले बेहतर ब्याज मिल सकता है।

एसबीआई रिसर्च के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमत में तेज बढ़ोतरी और दुनिया में बने भू-राजनीतिक तनाव से महंगाई का दबाव बढ़ रहा है। कच्चे तेल की कीमत हाल में 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। रिपोर्ट के एक अनुमान के अनुसार, अगले 15 दिनों में कीमत 123 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है। हालांकि, यह खराब स्थिति का अनुमान है, सामान्य स्थिति का नहीं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि महंगाई का दबाव अब कुछ चुनिंदा चीजों तक सीमित नहीं है। जनवरी 2026 में सीपीआई में 90 फीसदी भार वाले सामानों की संख्या 22 थी, जो जुलाई में बढ़ कर 53 हो गई। यानी महंगाई का असर ज्यादा चीजों पर दिखाई देने लगा है।

अगस्त में आरबीआई ने लगातार चौथी बैठक में रैपो रेट 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा था। अब अगली मौद्रिक नीति समिति की बैठक 5 से 7 अक्टूबर 2026 के बीच होगी। एसबीआई रिसर्च ने अक्टूबर में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ ोतरी के बाद दिसंबर में भी इतनी ही बढ़ ोतरी की वकालत की है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसका फैसला अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से ज्यादा भारत में बढ़ ते आर्थिक जोखिम और महंगाई के दबाव को देखकर किया जा सकता है। रेपो रेट बढ़ ने का फायदा एफडी कराने वालों को भी मिल सकता है। आमतौर पर बैंक अपनी जमा दरों में बदलाव करते हैं, इसलिए रेपो रेट बढ़ ने पर एफडी की ब्याज दरें भी ऊपर जा सकती हैं।

श्रीगंगानगर में सीमा पर 30 करोड़ रूपए की हेरोइन-अफीम पकड़ी

श्रीगंगानगर, 13 सितंबर। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर श्रीगंगानगर सेक्टर के रावला क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में करीब 5 किलो 600 ग्राम हेरोइन और 500 ग्राम अफीम बरामद की है। बरामद नशीले

- **पुलिस को आशंका है कि यह पाकिस्तान से ड्रोन के द्वारा भेजी गई थी।**

पदार्थों की अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 30 करोड़ रुपये आंकी गई है। प्रारंभिक जांच में यह खेप पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए भारतीय क्षेत्र में पहुंचाए जाने की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, बीएसएफ की जी ब्रांच को 14 केएनडी क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि और नशीले पदार्थों की खेप पहुंचाए जाने संबंधी खुफिया सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर बीएसएफ की 140वीं बटालियन और स्थानीय पुलिस ने क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। तलाशी के दौरान एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक बार तो पनीर पर टिके चीन-भारत के कूटनीतिक संबंध

किस्से की शुरुआत हुई, चीन के राष्ट्रपति शी, ब्रिक्स के परंपरागत औपचारिक डिनर में अनुपस्थित हुए तथा आम चर्चा थी, भारत ने शुद्ध शाकाहारी पनीर व साग सब्जी वाला खाना परोसा था तथा राष्ट्रपति शी मटन-मछली के शौकीन हैं और 2019 में मामल्लपुरम की मोदी शी की अनौपचारिक मुलाकात के दौरान भारत द्वारा दिए गए भोज में चिकन व मटन का अच्छा-खासा समावेश हुआ था

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। आमतौर पर भू-राजनीति क्षेत्र, व्यापार, टैक्नॉलजी और सैन्य शक्ति के आधार पर चलती है। लेकिन नई दिल्ली में हुए ब्रिक्स गाला डिनर में ऐसा लगा जैसे यह कुछ देर के लिए पनीर के आधार पर चल रही हो।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग डिनर में शामिल नहीं हुए। मेन्यू पूरी तरह शाकाहारी था। कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया ने दोनों घटनाओं को इस तेजी से जोड़ दिया, जितनी तेजी से कोई शैफ कड़ाही में सामग्री डालता है: मांस नहीं तो शी नहीं।

यह एक दिलचस्प कहानी थी। लेकिन इसके समर्थन में कोई सबूत नहीं था।

डिनर के मेन्यू में पनीर लबाबदार, बाजरे का पुलाव, मशरूम गलौटी और कई अन्य शाकाहारी व्यंजन शामिल थे, जिससे भारत के मोटे अनाज (मिलैट्स) और वनस्पति आधारित खान-पान की परंपराओं को कूटनीतिक स्तर पर मजबूती से पेश किया गया। दूसरी ओर, शी जिनपिंग वहाँ नहीं पहुंचे। इतना इत्तेफाक ही काफी था कि इंटरनैट ने इस कहानी में अपने हिसाब से मसाले मिलाने शुरु कर दिए।

एक वायरल पोस्ट में तो यह दावा तक किया गया कि शी का काफिला ताज पैलेस जाते हुए आधे रास्ते से ही लौट गया, क्योंकि उनको मटन करी और चपली पराठा खाना था और साथ में ''मसाला व्हिस्की'' पीनी थी। मनोरंजक? निश्चित रूप से। विश्वसनीय? बिल्कुल नहीं। इस कहानी

- **सोशल मीडिया ने ''खबर'' दी कि राष्ट्रपति शी ने मैसेज दिया है अपनी अनुपस्थिति सेः ''नो मीट, नो शी''।**
- **यह खबर रोचक तो है, पर पूर्णतया कपोल कल्पित।**
- **सोशल मीडिया के एक ''खबरनवीस'' ने तो इसी खबर में कुछ और मिर्च-मसाला डाला। अतः खबर प्रसारित हुई कि राष्ट्रपति शी औपचारिक भोज में भाग लेने ताज पैलेस के लिए रवाना हो गए थे, पर, रास्ते में उन्हें ''मीनू'' की जानकारी मिली और उन्होंने गाड़ी मोड़ने के निर्देश दिए, क्योंकि उन्हें मटन करी और चपली पराठा खाना था।**

के समर्थन में कोई भरोसेमंद सबूत नहीं है और यह सोशल मीडिया पर मज़ाक-मज़ाक में गढ़ी गई कहानी जैसी लगती है।

लेकिन इस मज़ाक ने एक बहुत गंभीर मुद्दे को छू लिया: जब दुनिया भारत को देख रही हो, तब भारत अपनी कैसी छवि पेश करता है?

भारत की खान-पान की पहचान इतनी विशाल है कि उसे केवल शाकाहारी थाली तक सीमित नहीं किया जा सकता। पनीर और बाजरा निश्चित रूप से इसका हिस्सा हैं। लेकिन अवध के कबाब, कश्मीरी रोगन जोश, बंगाली मछली, गोवा का समुद्री भोजन, चेट्टीनाड के मांसाहारी व्यंजन और केरल का तटीय भोजन भी भारतीय खान-पान का अभिन्न हिस्सा हैं। करोड़ों भारतीयों के लिए मांस और मछली भारतीय भोजन में बाहर से आए तत्व नहीं हैं, बल्कि वे उनकी क्षेत्रीय खान-पान की परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

इसीलिए ब्रिक्स के मेन्यू को लेकर बहस शी जिनपिंग के बारे में लगाई जा रही अटकलों से कहीं अधिक दिलचस्प है।

क्या किसी अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक डिनर में भारत की शाकाहारी परंपराओं को ही दिखाया जाना चाहिए, खासकर तब जब मोटे अनाज और हैल्दी ईटिंग भारत के व्यापक अंतरराष्ट्रीय संदेश का हिस्सा हैं? या फिर सोच-समझकर देश के खान-पान की विविधता को पेश किया जाना चाहिए, जिसमें उसकी शानदार मांसाहारी परंपराएं भी शामिल हों?

इसका कोई एक जवाब नहीं है। और भारत का अपना कूटनीतिक इतिहास भी यही साबित करता है।

जब 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग के बीच मामल्लपुरम में अनौपचारिक शिखर बैठक हुई थी, तब मेन्यू में चिकन और मटन भी शामिल थे। इसके चार साल बाद, भारत के जी20 डिनर में बाजरे पर विशेष जोर देते हुए विस्तृत शाकाहारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनडीए शासित राज्यों में 2029 तक यूसीसी लागू होगा- अमित शाह

मुंबई, 13 सितंबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुंबई में बड़ा बयान दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि आतंकवादी हमलों का करारा जवाब देने की नीति से भारत ने दुनिया को अपनी ताकत दिखाई है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाने, नक्सलवाद पर नियंत्रण और पूर्वोत्तर क्षेत्र की

- **उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक व ऑपरेशन सिंदूर से आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति स्थापित हुई है।**

समस्याओं के समाधान के जरिए देश को तीन बड़े संकटों से राहत मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि कई राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जा चुकी है और भाजपा-एनडीए शासित 21 राज्यों में 2029 से पहले इसे लागू करने का प्रयास किया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को मुंबई में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

अवैध खनन पर प्रागपुरा पुलिस का बड़ा एक्शन

थाना प्रागपुरा पुलिस ने सोता नदी में अवैध खनन करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई की।

- भूरी भडाज नर्सरी क्षेत्र में जेसीबी से खोदे गड्ढे, बजरी खनन माफियाओं की गतिविधियों पर लगाई रोक

पावटा। अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना प्रागपुरा पुलिस ने रविवार को प्रभावी कार्रवाई करते हुए सोता नदी में अवैध खनन के रास्तों को अवरुद्ध कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध बजरी खनन करने वालों में हड़कंप मच गया।

पुलिस के अनुसार, नगर निकाय चुनाव के दौरान मौका पाकर बैनाडी बांध के पास सोता नदी में भूरी भडाज नर्सरी क्षेत्र से अवैध खनन के लिए बंद रास्ते को फिर से चालू कर चोरी-छिपे बजरी खनन किया जा रहा था। सूचना मिलने पर प्रागपुरा पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंची।

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी मशीनों की मदद से नदी में अवैध खनन के लिए बनाए गए रास्तों पर गहरे गड्ढे खुदवाकर उन्हें अवरुद्ध करवा दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध रूप से नदी में प्रवेश कर बजरी खनन करने वालों के रास्ते बंद हो गए। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जिला कोटपूतली-बहरोड सतवीर सिंह के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय नाजिम अली खान के निर्देशन तथा विराटनगर वृत्ताधिकारी उमेश कुमार निठारवाल के सुपरविजन में की गई।

कार्रवाई प्रागपुरा थानाधिकारी भजनराम (पु.नि.) के नेतृत्व में पुलिस जाप्ते द्वारा की गई। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध खनन पर अंकुश लगाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। नदी क्षेत्र में अवैध खनन के लिए बनाए गए रास्तों को बंद किए जाने से खनन गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगने की उम्मीद है।

पर्युषण दशलक्षण पर्व 16 से

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ के सानिध्य में 16 सितंबर से दस दिवसीय दशलक्षण पर्व का शुभारंभ होगा, जिसमें दस दिनों तक संगीतमय भजनों पर दशलक्षण धर्म की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं विमल जौला ने बताया कि 16 से 25 सितंबर तक पर्युषण पर्व के तहत दशलक्षण धर्म धूमधाम से मनाया जाएगा। 14 सितंबर को जैन समुदाय द्वारा रोठ तीज त्यौहार मनाया जाएगा। 16 सितंबर को सुबह आचार्य सुन्दर सागर महाराज एवं आर्यिका चिन्तन मति माताजी व आर्यिका सुलक्ष्य मति माताजी संघ के सानिध्य में मंत्रोच्चार के साथ ध्वजारोहण करके मंगल कलश स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में दशलक्षण धर्म में 16 सितंबर से उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन एवं उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की विशेष संगीतमय पूजा अर्चना की जाएगी।

सेवा कार्य निरंतर जारी

फुलेरा। निःशुल्क भोजन वितरण सेवा समिति फुलेरा द्वारा जरूरतमंदों की सेवा के उद्देश्य से शुरू किए गए निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम को एक वर्ष पूर्ण हो गया है। समिति के कार्यकर्ताओं, महिलाओं एवं सहयोगियों के समर्पण से यह सेवा कार्य निरंतर जारी है।समिति द्वारा प्रत्येक रविवार को राजकीय उप जिला चिकित्सालय फुलेरा के गेट नंबर 1 पर सुबह 8:30 बजे निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी क्रम में रविवार को भी भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के सभी कार्यकर्ताओं, महिलाओं एवं सहयोगियों ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का संकल्प दोहराया। समिति ने सेवा कार्य में सहयोग करने के इच्छुक लोगों से समय पर पहुंचकर अपनी सेवाएं देने की अपील की। समिति के सदस्यों ने बताया कि निःशुल्क भोजन वितरण का उद्देश्य जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ समाज में सेवा, सहयोग एवं मानवता की भावना को बढावा देना है।

सार-समाचार

गणेश जन्मोत्सव पर पंचामृत अभिषेक के साथ हल्दी-मेहंदी की रस्म

फुलेरा। श्री गणेश जन्मोत्सव के पूर्व रविवार को कस्बे के विभिन्न मंदिरों में विराजमान भगवान विनायकजी का सिंजारा महोत्सव श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर न्यू कॉलोनी स्थित श्री सिद्ध गणेश मंदिर में मंदिर व्यवस्था समिति एवं उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान गणेशजी का पंचामृत से अभिषेक कर हल्दी एवं मेहंदी लगाई। भक्तों ने विधिवत पूजा-

अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी प्रकार शीतल दास बाबा की बगीची स्थित प्राचीन मंदिर में भी भगवान गणेशजी का पंचामृत अभिषेक कर हल्दी-मेहंदी की रस्म निभाई गई। मंदिरों में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। सोमवार को गणेश जन्मोत्सव के अवसर पर भंन्दे बालाजी, श्री सिद्ध गणेश मंदिर एवं श्री शीतल दास बाबा की बगीची में दिनभर मेले का आयोजन होगा। इसके अलावा विनायक भक्त बाजार से गणपति बप्पा की प्रतिमाएं लाकर विधिवत गणपति पूजन करेंगे।

'समय निकालकर बुजुर्गों के साथ बैठना जरूरी'

मनोहरपुर। मुस्लिम प्रोग्रेसिव फेडरेशन राजस्थान के कन्वीनर अब्दुल सलाम जौहर ने कहा कि आज 13 सितंबर को पूरे विश्व में दादा-दादी, नाना-नानी दिवस बड़े सम्मान और आत्मीयता के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी अब्दुल सलाम जौहर ने कहा कि दादा-दादी और नाना-नानी हमारे परिवार की धुरी हो नहीं, बल्कि हमारे संस्कारों, परम्पराओं और जीवन मूल्यों की जीवंत नींव हैं। जौहर ने कहा कि आज की तेज रफ्तार और भागदौड़ भरी जिंदगी में हम धीरे-धीरे अपने बुजुर्गों से दूर होते जा रहे हैं। मोबाइल और सोशल मीडिया के दौर में संयुक्त परिवार टूट रहे हैं और बच्चे अपने दादा-दादी, नाना-नानी के प्यार और अनुभव से वंचित हो रहे हैं। जबकि हकीकत यह है कि उनकी कहानियों में ज्ञान है, उनकी डांट में प्यार है और उनके आशीर्वाद में पूरी जिंदगी संवारने की ताकत है। उन्होंने कहा कि दादा-दादी की गोद में पली-बढ़ी पीढ़ी ही संस्कारी, मजबूत और जमीन से जुड़ी होती है। बुजुर्ग हमें जीवन के उतार-चढ़ाव में सही रास्ता दिखाते हैं। उनके अनुभव किसी किताब से कम नहीं हैं।

नगर निकाय आम चुनाव की मतगणना आज

टोंक । नगर निकाय आम चुनाव-2026 के अन्तर्गत टोंक जिले में दो चरणों में हुए मतदान की मतगणना सोमवार, 14 सितम्बर को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) टीना डाबी ने बताया कि नगर परिषद टोंक की मतगणना राजकीय स्नातोत्तर महाविद्यालय टोंक के कमरा नम्बर एन 3 व एन 4 में 15 टेबल पर 18 राउण्ड में होगी। उन्होंने बताया कि नगरपालिका टोडारायसिंह के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोडारायसिंह के कमरा नम्बर 3 में 5 टेबल पर 7 राउण्ड में, नगरपालिका पीपलू के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पीपलू के विवेकानन्द सागर में 4 टेबल पर 5 राउण्ड में, नगरपालिका निवाई के कृषि उपज मंडी समिति के कमरा नम्बर 1 के प्रथम तल पर 5 टेबल पर 9 राउण्ड में मतगणना होगी। इसी प्रकार नगरपालिका उनियारा के राजकीय महाविद्यालय उनियारा के कॉन्फ्रेंस हॉल में 4 टेबल पर 5 राउण्ड में, नगरपालिका दूनी के राजकीय कन्या महाविद्यालय दूनी के कक्षा कक्ष नम्बर 2 में 3 टेबल पर 7 राउण्ड में, नगरपालिका देवली के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देवली के कमरा नम्बर 18 में 3 टेबल पर 12 राउण्ड में मतगणना होगी।

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, महिला की मौत

दूदू । पुलिस थाना क्षेत्र के अधीन खुडियाला गांव में खेत से मूंग का चारे से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली के पलट जाने पर एक महिला की मौत हो गई तथा दो बेटियां घायल हो गई घायल बेटियों को राजकीय उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया पुलिस के अनुसार रणजीत जाट अपने खेत से ट्रैक्टर टोली में मूंग का चारा लेकर घर आ रहा था इस दौरान ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई हादसे में रंजीत की पत्नी अनीता व बेटी हेमलता अनु नीचे दब गई ग्रामीणों ने तत्काल उन्हें निकाल जाकर चिकित्सालय पहुंचाया इस दौरान अनीता जाट 40 साल की मौत हो गई मृतका केशव की बाद पोस्टमार्टम परिजनों को सौंप दिया गया घायल बेटियों का उपचार जारी है

गणेश चतुर्थी महोत्सव की तैयारियां जोरशोर से

दूदू । नगर पालिका मुख्यालय पर स्थित गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी के महोत्सव की तैयारी जोर- शोर से की जा रही है महंत महेश चंद शर्मा ने बताया कि पूर्व संध्या 13 सितंबर को भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा 14 सितंबर को सुबह 4:15 पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत और 51 किलो दूध से भगवान गणेश जी की मूर्ति का महा अभिषेक किया जाएगा पश्चात भोग लगाकर आरती की जाकर प्रसाद वितरित किया जाएगा गणेश भगवान की झांकी भी सजाई जाएगी

श्रीमद् भागवत कथा की विधि-विधान से पूर्णाहुति

निवाई। गांव अलियाबाद में श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमे श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। कथा वाचक मुकेश भारद्वाज अलियाबाद ने श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का महत्व बताते हुए कहा कि कथा के सुनने से मानव जीवन सफल होता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता की सेवा करने से बडा कोई पुण्य नहीं है। उन्होंने कहा कि यज्ञ से मन में शान्ति एवं वातावरण शुद्ध होता है। उन्होंने कहा कि गाय की सेवा करना एक महायज्ञ के समान है।

आज खुलेगा लालसोट के चुनाव का राज

- सुबह 8 बजे से मतगणना, 87.76 फीसदी मतदान ने बढ़ाई प्रत्याशियों की बेचैनी: दोपहर तक साफ होगी तस्वीर

लालसोट। नगर परिषद चुनाव में मतदान के बाद अब सोमवार को मतगणना की बारी है। सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी, जिसके साथ ही ईवीएम में बंद प्रत्याशियों की किस्मत खुलने लगेगी। प्रशासन ने मतगणना को लेकर तैयारियां पूरी कर ली हैं। सुबह 11 बजे तक शुरुआती रुझान सामने आने की उम्मीद है, जबकि दोपहर तक चुनाव परिणाम की तस्वीर साफ हो जाएगी।

लालसोट में पार्षद पद के लिए 11 सितंबर को मतदान हुआ था। इसमें 87.76 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। भारी मतदान के बाद प्रत्याशी और उनके समर्थक अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। अब सभी की नजर मतगणना पर है। लालसोट नगर परिषद सभापति का पद अनारक्षित वर्ग के लिए आरक्षित है। ऐसे में सभापति की कुर्सी को लेकर चुनावी मुकाबला खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं मंडावरी और रामगढ़ पचवारा नगर पालिका अध्यक्ष पद एसटी वर्ग के लिए आरक्षित हैं। लालसोट में मतगणना श्री अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में होगी। प्रशासन ने सुरक्षा सहित आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। मतगणना शुरू होते ही वार्डवार रुझान सामने आने लगेंगे। 11 सितंबर को मतदाताओं ने जो फैसला में बंद किया था, उसका राज आज खुलेगा। किसके पक्ष में लहर चली और किसका सियासी समीकरण ध्वस्त हुआ-कुछ घंटों में तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी।

2 अल्पसंख्यक छात्रावास में बालक की मौत के बाद बैठे परिजनों का धरना समाप्त

- प्रशासन की ओर से बताया गया कि पीड़ित परिवार को 2 लाख रुपए की सहायता 17 सितंबर को दी जाएगी। इसके अलावा अन्य सरकारी स्कीम के तहत मृतक छात्र के परिवार को लाखों रुपए का आर्थिक लाभ दिलवाया जाएगा। मामले की जांच के लिए एक प्रशासनिक अधिकारी की देखरेख में कमेटी गठित की जाएगी।

टोंक। राजकीय अल्पसंख्यक बालक आवासीय स्कूल में नाबालिग छात्र की संदिग्ध मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर छात्रावास के बाहर चल रहा परिजनों का धरना रविवार को खत्म हो गया। शनिवार की रात करीब 2 बजे टोंक तहसीलदार अजयपाल यादव और जिला अल्पसंख्यक एवं कल्याण अधिकारी नितेश कुमार जैन दोबारा धरना स्थल पहुंचे और परिजनों से बातचीत की। परिवार ने अपनी मांगों को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन दिया। बातचीत के बाद प्रशासन की ओर से 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने, सरकारी योजनाओं के तहत परिवार को लाखों रुपए का लाभ दिलाने और मामले की जांच के लिए कमेटी बनाने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद रात करीब ढाई बजे परिजनों ने प्रशासन पर भरोसा जताते हुए धरना खत्म कर दिया।

प्रशासन की ओर से बताया गया कि पीड़ित परिवार को 2 लाख रुपए की सहायता 17 सितंबर को दी जाएगी। इसके अलावा अन्य सरकारी स्कीम के तहत मृतक छात्र के परिवार को लाखों रुपए का आर्थिक लाभ दिलवाया जाएगा। मामले की जांच के लिए एक प्रशासनिक अधिकारी की देखरेख में कमेटी गठित की जाएगी। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही नियमानुसार होगी। जांच कमेटी में हॉस्टल के संचालक, गार्ड और अन्य संबंधित कार्मिकों की भूमिका की भी जांच की जाएगी। प्रशासन की ओर से इन सभी बिंदुओं पर उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया है।

मृतक की दादी दूनी निवासी शमीम बानो ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम भेजे पत्र में न्याय की गुहार लगाई थी। उन्होंने बताया था कि उनका पोता अरशद खान करीब दो साल से राजकीय अल्पसंख्यक बालक आवासीय स्कूल, टोंक में रहकर पढ़ाई कर रहा था। दादी के अनुसार, 7 सितंबर की रात अरशद की तबीयत बिगड़ गई थी। साथी स्टूडेंट्स से बातचीत में उन्हें पता चला कि अरशद ने गार्ड को तबीयत खराब होने की बात बताई थी। आरोप है कि गार्ड ने उसे एक गोली देकर सो जाने और अगले दिन डॉक्टर को दिखाने की बात कही थी। इसके बाद पीड़ित परिवार शव को गांव ले गया और रीति-रिवाज के अनुसार दफना दिया। परिजनों का आरोप है कि 3-4 दिन बीतने के बाद भी हॉस्टल के दोषी कार्मिकों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज होकर परिवार शनिवार को टोंक पहुंचा और हॉस्टल के बाहर धरने पर बैठ गया।

आज 9 चरणों में होगी मतगणना

निवाई। नगरपालिका चुनाव संपन्न होने के बाद अब जैसे-जैसे मतगणना की तय तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे चुनावी मैदान में भाग्य आजमा रहे प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों की धड़कनें तेज होती जा रही हैं। चुनावी नतीजों को लेकर कस्बे के चौक-चौराहों और राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार पूरी तरह गर्म है। इधर स्थानीय प्रशासन ने मतगणना को पारदर्शी, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से पूरा कराने के लिए सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। रिटर्निंग अधिकारी गंभीर सिंह ने बताया कि नगरपालिका चुनाव के 40 वार्डों की मतगणना 14 सितम्बर को संपन्न कराई जाएगी। मतगणना की पूरी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कुल 9 चरणों में मतगणना होगी। इसके लिए, मतगणना कक्ष में 5 टेबलें लगाई गई हैं, जिन पर मतगणना कार्य को पूरी सतर्कता व तेजी से निपटाने के लिए 15 कार्मिकों को नियुक्त किया है। जैसे-जैसे प्रत्येक चरण के नतीजे सामने आएंगे, जीतने वाले प्रत्याशियों के नामों की आधिकारिक घोषणा लाउडस्पीकर के जरिए की जाएगी। इसके साथ ही रिटर्निंग अधिकारी गंभीर सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव में जीत दर्ज करने वाले नवनिर्वाचित पार्षद 14 व 15 सितम्बर तक अपने पद की विधिवत शपथ ग्रहण कर सकेंगे।

मतगणना को लेकर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

- नगर परिषद टोंक के मतगणना स्थल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टोंक पर एसडीओ को मतगणना स्थल के भीतर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है

टोंक। जिले के नगर परिषद टोंक, नगर पालिका निवाई, पीपलू, मालपुरा, डिग्गी, लांबाहरिसिंह, टोडारायसिंह, देवली, दूनी एवं उनियारा में नगर निकाय आम चुनाव-2026 की मतगणना सोमवार को होगी। मतगणना को सुचारु रुप से संपादित करवाने एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मतगणना स्थल पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए है।

जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट टीना डाबी ने बताया कि नगर परिषद टोंक के मतगणना स्थल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टोंक पर एसडीओ को मतगणना स्थल के भीतर, उप पंजीयक ममता यादव को मतगणना स्थल के बाहर गेट नम्बर 2 पर एवं मतगणना स्थल से पटेल सर्किल तक नायब तहसीलदार पूजा अटल को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

इसी तरह नगर पालिका निवाई के मतगणना स्थल कृषि उपज मण्डी समिति पर नायब तहसीलदार दशवास रामकेश मीना को, नगर पालिका पीपलू के मतगणना स्थल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पर तहसीलदार पीपलू अभिषेक पारीक को, नगर पालिका टोडारायसिंह के मतगणना स्थल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पर नायब तहसीलदार अर्पिता चौधरी को, नगर पालिका देवली के मतगणना स्थल पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पर तहसीलदार रमेश चंद पहाड़िया को, नगर पालिका दूनी के मतगणना स्थल राजकीय कन्या महाविद्यालय पर तहसीलदार नगर फोर्ट पवन कुमार मीना को, नगर पालिका उनियारा के मतगणना स्थल राजकीय महाविद्यालय पर नायब तहसीलदार दलजीत आलोरिया को ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाया गया है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका मालपुरा, डिग्गी एवं लांबाहरिसिंह की मतगणना राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मालपुरा में होगी। जहां नायब तहसीलदार धर्मेन्द्र तसेरा एवं हंसराज जाट को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

अधिकारियों, डॉक्टरों को निशाना बना रहे ठग

साभरझील, (निसं)। सितम्बर। साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और आमजन को साइबर ठगी के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। वर्तमान समय में 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़े हैं। साइबर ठग स्वयं को सीबीआई, ईडी, कस्टम या एटीएस का अधिकारी बताकर लोगों को फर्जी वारंट, सम्मन और नोटिस भेजते हैं। इसके बाद वीडियो कॉल के जरिए पीड़ित को लगातार डराकर और निगरानी में रखकर उसकी गाढ़ी कमाई ठग लेते हैं। साइबर क्राइम के वीके सिंह ने बताया कि साइबर ठग विशेष रूप से उच्च सरकारी सेवाओं से सेवानिवृत्त व्यक्तियों, डॉक्टरों, प्रोफेसरों एवं अन्य वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। इसी गंभीर खतरे को देखते हुए नागरिकों को संदिग्ध पुलिस, न्यायालय अथवा जांच एजेंसियों के नोटिस की वास्तविकता जांचने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा 'अभय' पोर्टल शुरू किया गया है। साइबर क्राइम के अधिकारी बताते है कि साइबर ठग फोन कॉल, व्हाट्सऐप कॉल अथवा वीडियो कॉल के जरिए संपर्क करते हैं। वे खुद को एटीएस, सीबीआई आदि बताते है।

पत्रकारों से दुर्व्यवहार, ज्ञापन सौंपा

- दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग

टोंक। मतदान कवरेज के दौरान पत्रकारों के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार एवं अभद्र व्यवहार से नाराज पत्रकारों ने रविवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर टीना डाबी एवं जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में पत्रकारों ने मामले में दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी टीना डाबी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इस संबंध में तत्काल जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना से बातचीत करके दोषियों के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी को दिए गए लिखित ज्ञापन में नगर परिषद टोंक भवन स्थित मतदान केंद्र पर समाचार कवरेज के लिए पहुंचे पत्रकारों के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा अनुचित एवं अभद्र व्यवहार किया। घटना में 10 सितंबर की शाम को मतदान दलों की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे संवाददाता पवन शर्मा के साथ पुलिसकर्मी जयसिंह द्वारा बदसलूकी की गई। वहीं 11 सितंबर को सुबह नगर परिषद के मतदान केंद्र पर सुबह कवरेज करने पहुँचे वरिष्ठ पत्रकार मनोज तिवारी के साथ भी बूंदी जिले में तैनात पुलिसकर्मी एएसआई जयसिंह द्वारा बदसलूकी की गई। इसी प्रकार मतदान के दौरान नगर परिषद के वार्ड 27 पर हंगामे की सूचना के बाद कवरेज करने पहुंचे पत्रकार पुरुषोत्तम जोशी ने पुलिस अधीक्षक, जिला निवार्चन अधिकारी को सूचना देने के बाद वहां पहुंचे कोतवाली थानाधिकारी भँवर लाल वैष्णव और कोतवाली पुलिस थाने में तैनात कंप्यूटरकर्मी पुलिस जवान ओमप्रकाश द्वारा गाली गलौज करके बदसलूकी की गई। पत्रकारों ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पुलिसकर्मियों के आचरण की निष्पक्ष जांच करवाकर आवश्यक कार्यवाही किए जाने तथा भविष्य में पत्रकारों के साथ इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए संबंधित अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिए जाने की जिला निर्वाचन अधिकारी टोंक से मांग की है। बाद में पत्रकारों ने जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना से कार्यालय में मुलाकात की। जिन्होंने एसपी को भी ज्ञापन दिया।जिन्होंने जांच करके दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही का आश्वासन दिया।

भरतपुर में मतगणना की तैयारियां पूरी

- 14 सितम्बर को सुबह 8 बजे से होगी मतगणना

भरतपुर (निसं)। भरतपुर में निकाय चुनाव में नगर निगम सहित सात निकायों चुनाव मतदान के बाद मतगणना की तैयारियों में प्रशासन जुटा हुआ है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर कमर चौधरी के निर्देशन में चुनाव मतगणना को लेकर जिले में मतगणना स्थलों पर तैयारियां की जा रही है। भरतपुर नगर निगम चुनाव की मतगणना राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में होगी। वहीं पर स्ट्रांग रूम बनाया गया है।

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए पुलिस निगरानी में कड़ी सुरक्षा की जा रही है। मतगणना स्थल इस बार पहली बार शहर से तीन किलोमीटर दूर हाईवे पर स्थित महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में रखा गया है। इससे पहले मतगणना एमएसजे कॉलेज या मल्टी परपज स्कूल में होती रही है।

रिटर्निंग अधिकारी रिछपाल सिंह बुरडक ने बताया कि 14 सितम्बर को प्रातः 8 बजे से नगर निगम भरतपुर की मतगणना राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, भरतपुर में आयोजित की जाएगी। वहीं नगरपालिका नदबई, वैर, भुसावर, बयाना, उच्चैन एवं रूपवास की मतगणना के लिए संबंधित निर्धारित मतगणना स्थलों पर की जाएगी।

नगर निगम भरतपुर की मतगणना व्यवस्था- उन्होंने बताया कि नगर निगम भरतपुर के वार्डों की मतगणना के लिए राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, भरतपुर में कुल 28 टेबल निर्धारित की गई हैं। मतगणना कक्ष संख्या 1 में वार्ड संख्या 1 से 10, 29 से 38 तथा 57 से 65 तक की मतगणना के लिए 10 टेबल निर्धारित हैं।

इसी प्रकार मतगणना कक्ष संख्या 2 में वार्ड संख्या 11 से 20 एवं 39 से 48 की मतगणना के लिए 10 टेबल, जबकि मतगणना कक्ष संख्या 3 में वार्ड संख्या 21 से 28 एवं 49 से 56 की मतगणना के लिए 8 टेबल निर्धारित की गई हैं।

कलश यात्रा में उमड़े भक्त

पावटा। बाबा हीरामल बाबा मंदिर परिसर मण्डा में रविवार को नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिन निकाली गई भव्य कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कलश यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव, बम-बम भोले के जयघोष से गूंज उठा और माहौल भक्तिमय हो गया। आयोजक समस्त ठाम जनता मण्डा की ओर से आयोजित शिव महापुराण कथा 13 से 21 सितम्बर तक चलेगी। कथा का वाचन मेंहदीपुर बालाजी वाले कथा वाचक श्याम सुंदर महाराज द्वारा प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक किया जाएगा। जिसमें श्रद्धालुओं को शिव महापुराण कथा का रसपान कराया जाएगा।

कलश यात्रा में श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। धार्मिक गीतों, भजनों और जयकारों के बीच निकली यात्रा ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से कलश पूजन कर कथा आयोजन की मंगल शुरुआत की। आयोजन के तहत 20 सितम्बर को प्रातः 10.15 बजे पूर्णाहुति यज्ञ का आयोजन होगा।

कोटा मंडल के डीआरएम कालरा ने भरतपुर रेलवे स्टेशन के विकास कार्य देखे

भरतपुर (निसं)। भरतपुर में कोटा रेलवे मंडल प्रबंधक अनिल कालरा ने रेलवे अधिकारियों के साथ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। जहां पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 10 करोड़ की लागत से चल रहे निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया है।

उन्होंने इस दौरान एसी एवं उच्च श्रेणी एवं विश्राम स्तर के प्रतीक्षालयों का भी निरीक्षण किया जिसमें वातानुकूलित प्रतीक्षालय महिला प्रतीक्षालय शयन प्रतीक्षालय आदि का निरीक्षण किया है एवं साफ सफाई की व्यवस्था को भी देखा है। प्रतीक्षालयों में मौजूद स्टाफ को रेलवे रजिस्टर में नियमों के सहित सारी जानकारी इंड्राज करने सहित अन्य जानकारी दी। उन्होंने शौचालयों को भी देखा है। डीआरएम रेलवे अनिल कालरा ने स्टेशन गेट पर हो चुके अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कार्यों को देखा है इनमें कमियों को भी देखा है। इस अवसर पर उनके साथ भरतपुर रेल अधीक्षक ओ पी मीणा एसएस, ओ पी मिश्रा सीटीआई, प्रदीप तिवारी सीआई आर पी एफ, के के सिंह एसएसई रेल पथ, रमेश मीणा एसएसई वर्क सहित रेलवे के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

- इस दौरान एसी एवं उच्च श्रेणी एवं विश्राम स्तर के प्रतीक्षालयों का भी निरीक्षण किया जिसमें वातानुकूलित प्रतीक्षालय शामिल है

रेलवे कोटा मंडल के डीआरएम अनिल कालरा ने भरतपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया।

एन.एच.248 से भूरानपुरा तक जान जोखिम में

मनोहरपुर । एन.एच.-248 (चन्दवाजी) से भूरानपुरा (जाटान) तक जाने वाली सड़क के बीच में पड़ने वाली पिलवा की पहाडी की घाटी काफी ऊंचाई पर है।

चढ़ने व उतरते समय वाहन व सवारियों की जान हमेशा जोखिम में रहती थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि संकरी घाटी और टूटी-फूटी सड़क के कारण यहां कई हादसे भी हुए है, जिनमें कई लोग गंभीर रूप से घायल होकर आज भी नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हो गए हैं।

इस गंभीर समस्या को लेकर पूर्व ग्राम पंचायत चंदवाजी की सरपंच सरोज कैलाश मीणा के द्वारा बारम्बार प्रयास किए गए थे। उन्होंने लगातार विभाग और सरकार तक इस मांग को पहुंचाया।

अब विभाग ने कार्यवाही करते हुए बताया है कि उक्त सड़क का नवीनीकरण एवं पिलवा की पहाडी का चौडाईकरण बजट घोषणा 2026-27 में स्वीकृत हो चुका है और जल्द ही कार्य शुरू करवा दिया जाएगा।

1.83 करोड़ के प्लॉट को हड़पने वाला हिस्ट्रीशीटर भूमाफिया घनश्याम गिरफ्तार

पुलिस ने भूखंड हड़पने, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और डराने-धमकाने के मामले में कार्रवाई की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने भूखंड हड़पने, फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और डराने-धमकाने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाने के हिस्ट्रीशीटर और आदतन भूमाफिया घनश्याम शर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने साथियों के साथ मिलकर 1 करोड़ 83 लाख रुपए कीमत के 533 वर्ग गज के भूखंड को हड़पने की साजिश रची। इकरारनामे के स्टाम्प की पुश्त पर फर्जी लिखावट कर 1 करोड़ 50 लाख रुपए का नगद भुगतान दर्शाया और इसी आधार पर भूखंड पर कब्जे का प्रयास किया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि 40 वर्षीय आरोपी घनश्याम शर्मा निवासी सांगानेर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में मारपीट, जुआ, छेड़छाड़, गृह अतिचार, अवैध कब्जे और धोखाधड़ी सहित करीब 16 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि मोहनपुरा, मानसरोवर निवासी लता शर्मा ने 21 फरवरी 2026 को इस्तगासा के जरिए मामला दर्ज कराया था। शिकायत के अनुसार ग्राम ग्वांर ब्राह्मणान, शिकारपुरा से

आरोपी भूमाफिया घनश्याम शर्मा

दादिया रोड स्थित सचिवालय सिटी में उनके 533 वर्ग गज के आवासीय भूखंड संख्या ए-5 का सौदा घनश्याम शर्मा के साथ 1 करोड़ 83 लाख रुपए में तय हुआ था।

अनुबंध के तहत आरोपी की ओर से 20 लाख रुपए आरटीजीएस के माध्यम से और 1 लाख रुपए नकद दिए गए थे। शेष राशि का भुगतान तीन माह 21 दिन में करने के बाद

- **पुलिस का कहना है कि आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक करोड़ 83 लाख रुपए कीमत के 533 वर्ग गज के भूखंड को हड़पने की साजिश रची। इकरारनामे के स्टाम्प की पुश्त पर फर्जी लिखावट कर 1 करोड़ 50 लाख रुपए का नगद भुगतान दर्शाया और इसी आधार पर भूखंड पर कब्जे का प्रयास किया।**

भूखंड की रजिस्ट्री और कब्जा देने की बात तय हुई थी। पुलिस के अनुसार इकरारनामा तैयार करवाते समय आरोपी ने पीड़िता के हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान स्टाम्प की पुश्त पर भी करवा लिए थे। आरोप है कि इसके बाद घनश्याम ने अपने साथियों के साथ आपराधिक षड्यंत्र रचकर स्टाम्प की पुश्त पर बिना कोई वास्तविक भुगतान किए फर्जी लिखावट कर दी। इसमें 1 करोड़ 50 लाख रुपए नकद भुगतान दर्शाया गया। इसी आधार पर आरोपी ने भुगतान की समय सीमा बढ़ाते हुए पीड़िता को डराने-धमकाने और भूखंड पर कब्जा करने का प्रयास किया।

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में अनुसंधान शुरू किया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित किशोर शर्मा के निर्देशन, सहायक पुलिस आयुक्त चाकसू भवानी सिंह के मार्गदर्शन और थानाधिकारी कमलेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम में उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह, कांस्टेबल भरत सिंह, सांवलराम, पप्पूलाल और कमलेश तथा तकनीकी शाखा के हेड कांस्टेबल लोकेश और रामसिंह को शामिल किया गया। टीम ने आरोपी घनश्याम शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से कूटरचित दस्तावेजों, साजिश में शामिल अन्य लोगों और पूरे मामले से जुड़े तथ्यों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार घनश्याम शर्मा सांगानेर सदर थाने का हिस्ट्रीशीटर और आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ सांगानेर सदर, सांगानेर और बस्सी थानों में करीब 16 मामले दर्ज हैं। इनमें मारपीट, जुआ, छेड़छाड़, गृह अतिचार, अवैध कब्जे और धोखाधड़ी जैसे प्रकरण शामिल हैं।

डिजिटल अरेस्ट कर बुजुर्ग दंपती से 6 लाख रुपए ठगे

मानसरोवर इलाके में साइबर ठगों ने दिया वारदात को अंजाम

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मानसरोवर थाना इलाके में साइबर ठगों ने पुलिस और एटीएस अधिकारी बनकर 70 वर्षीय बुजुर्ग दंपती को सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और जेल भेजने व संपत्ति सीज करने की धमकी देकर करीब 6 लाख रुपए ठग लिए। रकम ट्रांसफर करवाने के बाद भी आरोपी लगातार वीडियो कॉल कर दंपती को धमकाते रहे। पीड़ित बुजुर्ग दंपती शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हैं। मानसरोवर थाना पुलिस ने शनिवार शाम जीरो नंबर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 2 सितंबर को दोपहर करीब 1.30 बजे सुनीता शर्मा नाम की महिला ने फोन कर खुद को पुलिस इंस्पेक्टर बताया। उसने मोबाइल नंबर के खिलाफ एटीएस में शिकायत और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए कमिश्नरेट लालकोठी आने को कहा। तबीयत खराब होने की बात कहने पर महिला ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जोड़ दिया। इसके बाद आरोपी ने खुद को एटीएस का वरिष्ठ अधिकारी

- **बदमाशों ने बुजुर्ग दंपती को 7 दिन तक डिजिटल अरेस्ट में रखा और जेल भेजने व संपत्ति सीज करने की धमकी देकर 6 लाख रुपए ठगे।**
- **रकम ट्रांसफर करवाने के बाद भी आरोपी लगातार वीडियो कॉल कर दंपती को धमकाते रहे, पीड़ित ने मानसरोवर थाने में मामला दर्ज कराया।**

प्रेम कुमार गौतम बताया और घर से उठवाने, संपत्ति सीज करने तथा बच्चों को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी।

ठगों ने दंपती के मोबाइल सर्विलांस पर लेने की बात कही और वॉट्सएप पर दोनों के नाम के गिरफ्तारी एवं संपत्ति सीज करने के कथित वारंट दिखाए। उन्हें 'प्रायोरिटी इन्वेस्टिगेशन' में रखने की बात कहते हुए 4 सितंबर को कथित चीफ अधिकारी से वीडियो कॉल पर बात कराई गई। इस दौरान दो-तीन घंटे तक बैंक खातों और संपत्ति से जुड़ी जानकारी पूछी गई।

6 सितंबर को फिर वीडियो कॉल कर आरोपियों ने दंपती के बैंक खाते में बड़े अमाउंट का ट्रांसफर होने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से जुड़े एक आरोपी द्वारा उनका नाम बताए जाने की बात कही। ठगों ने कथित ट्रांजेक्शन चार्ज आरबीआई में जमा कराने के नाम पर 6 लाख 3 हजार 300 रुपए एक बैंक खाते में ट्रांसफर करने को कहा। डर के कारण बुजुर्ग ने 7 सितंबर को रकम बताए गए खाते में जमा करवा दी। रकम ट्रांसफर होने के बाद भी 8 सितंबर से आरोपी लगातार वीडियो कॉल कर और रुपए जमा कराने का दबाव बनाते रहे। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत दी। पुलिस ने जीरो नंबर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों के बैंक खातों और कॉलिंग से जुड़े सुरागों की जांच कर रही है।

प्रदेश में अगले तीन दिन कई हिस्सों में बारिश के आसार

जयपुर। सक्रिय मानसून के प्रभाव से राजस्थान में अगले तीन दिन कई हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। रविवार को जयपुर सहित प्रदेश के कई शहरों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। झालावाड़ के पचपहर में 33 मिलीमीटर और बांसवाड़ा के कुशलगढ़ में 32 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को जयपुर, अलवर, माउंट आबू, डूंगरपुर, संगरिया, बांसवाड़ा, झालावाड़ और प्रतापगढ़ सहित कई स्थानों पर बारिश हुई। उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं करीब दो इंच तक पानी बरसा। जोधपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों में भी करीब एक महीने बाद हल्की बारिश हुई। जयपुर में सुबह से हल्के से मध्यम बादल छाए रहे। दोपहर बाद शहर के कुछ हिस्सों में बारिश हुई। इससे तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 33.3 और न्यूनतम 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अलवर में रविवार शाम करीब चार बजे बारिश हुई। प्रदेश में श्रीगंगानगर 39.9 डिग्री सेल्सियस के साथ दिन में सबसे गर्म रहा, जबकि बाड़मेर में रात का तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 14 और 15 सितंबर को उदयपुर संभाग और आसपास के जिलों में कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान राज्य के शेष हिस्सों में भी कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर संभाग के जिलों में 14 से 16 सितंबर तक कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

निकाय चुनाव : जयपुर निगम समेत 18 मतगणना केंद्रों पर 270 टेबल

आज सुबह 8 बजे से शुरू होगी वोटों की गिनती, तैयारियां पूरी

जयपुर (कासं)। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत नगर निगम जयपुर सहित जिले के 19 नगरीय निकायों की मतगणना के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नगर निगम जयपुर के 150 वार्डों की मतगणना श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, सीकर रोड में होगी। इसके लिए 15 मतगणना कक्षों में 150 टेबलें निर्धारित की है। सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी।

वार्ड 1 से 150 तक की मतगणना संबंधित विधानसभा क्षेत्र और वार्ड क्रमांक के अनुसार निर्धारित कक्षों में होगी। इनमें विद्याधर नगर, झोटवाड़ा, सांगानेर, बगरू, मालवीय नगर, सिविल लाइन्स, किशनपोल, आदर्श नगर, हवामहल एवं आमेर क्षेत्र के वार्ड शामिल हैं। सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती रिटर्निंग ऑफिसर की टेबल पर होगी, इसके बाद ईवीएम में डाले गए मतों की गणना की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने रविवार को भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी स्थित मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मतगणना स्थलों पर पेयजल, चिकित्सा सुविधा, गुणवत्तापूर्ण भोजन और साफ-सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि प्रत्याशियों, कार्मिकों और काउंटिंग एजेंटों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि जिले की 2 नगर परिषद 16 नगर पालिकाओं की मतगणना के लिए संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में निर्धारित विद्यालयों एवं अन्य स्थलों पर 18 मतगणना कक्षों में कुल 120 टेबल निर्धारित की गई हैं। इनमें कानोता के लिए, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कानोता में 7 टेबल, वाटिका के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय सामुदायिक केन्द्र वाटिका में 9 टेबल, जमवारामगढ़ के लिए पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जमवारामगढ़ में 9 टेबल, मनोहरपुर के लिए पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मनोहरपुर में 6 टेबल, शाहपुरा के लिए श्री कल्याण सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शाहपुरा में 10 टेबल, फागी के लिए कार्यालय पंचायत समिति फागी में 4 टेबल, दूदू के लिए राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मालपुरा रोड दूदू में 8 टेबल, सांभर के लिए राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय सांभरलेक में 5 टेबल, चाकसू के लिए राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय चाकसू में 6 टेबल तथा कालाडेरा के लिए राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूं में 5 टेबल निर्धारित हैं।

इसी प्रकार चौमूं के लिए राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूं में 9 टेबल, खेजरोली के लिए राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूं में 5 टेबल, बस्सी के लिए कॉलेज ऑफ डेयरी एण्ड फूड टेक्नोलॉजी, बस्सी में 7 टेबल, नरायना के लिए राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय नरायना में 5 टेबल, जोबनेर के लिए श्री कर्ण नरेन्द्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जोबनेर में 5 टेबल, किशनगढ़-रेनवाल के लिए मा. रि. सो. रा. उ.मा. वि. किशनगढ़ रेनवाल में 5 टेबल, बगरू के लिए महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बगरू में 7 तथा फुलेरा के लिए कार्यालय नगर पालिका फुलेरा में 8 टेबल निर्धारित की गई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने रविवार को भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी स्थित मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया।

मोती डूंगरी के आसपास बदलेगी यातायात व्यवस्था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। गणेश चतुर्थी और मोती डूंगरी गणेश मंदिर मेले को देखते हुए जयपुर यातायात पुलिस ने शहर में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। श्रद्धालुओं को ट्रैफिक जाम से राहत और पार्किंग की जानकारी देने के लिए पहली बार विशेष क्यूआर कोड जारी किया गया है। इसे स्कैन कर निकटतम पार्किंग, यातायात डायवर्जन और लाइव ट्रैफिक की जानकारी ली जा सकेगी।

पुलिस उपायुक्त यातायात योगेश गोयल ने श्रद्धालुओं से राजस्थान विश्वविद्यालय और रामनिवास बाग भूमिगत पार्किंग का अधिकतम उपयोग करने की अपील की है।

त्रिमूर्ति सर्किल से जेडीए चौराहा तक, आरबीआई तिराहा से गणेश मंदिर के बीच तख्तेशाही रोड और धर्म सिंह सर्किल से गणेश मंदिर तक नो-व्हीकल जोन रहेंगे।

पुलिस उपायुक्त (यातायात) योगेश गोयल ने बताया कि शांति पथ से आने वाला यातायात जेडीए चौराहा स्लिप लेन से जेएलएन मार्ग और गांधी सर्किल की ओर भेजा जाएगा। मालवीय नगर से आने वाले वाहनों को गांधी सर्किल से गांधी नगर मोड और रॉयल्टी तिराहा की ओर डायवर्ट किया जाएगा। जनता स्टोर से यूनिवर्सिटी की ओर यातायात नहीं आ सकेगा। गोपालपुरा से अजमेरी गेट जाने वाले वाहनों को लक्ष्मीमंदिर तिराहा से सहकार मार्ग की ओर भेजा जाएगा। रामबाग से जेडीए चौराहा जाने वाला यातायात टोंक रोड की ओर डायवर्ट रहेगा।

यातायात दबाव बढ़ने पर टीला नंबर-7 से जवाहर नगर बाईपास, पोलो सर्किल से स्टैच्यू सर्किल व 22 गोदाम, पृथ्वीराज टी-पॉइंट से पृथ्वीराज रोड और त्रिमूर्ति सर्किल से गोविंद मार्ग की ओर भी डायवर्जन किया जाएगा।

सांगानेर के वार्ड 62 में पुनर्मतदान शांतिपूर्ण संपन्न

76.32 प्रतिशत मतदाताओं ने डाले वोट

नगर निगम जयपुर के वार्ड संख्या 62 के भाग संख्या 23 में रविवार को पुनर्मतदान में वोटर्स ने उत्साह से हिस्सा लिया।

जयपुर। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत नगर निगम जयपुर के वार्ड संख्या 62 के भाग संख्या 23 में रविवार को पुनर्मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। मतदान केंद्र राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, कमरा नंबर 4, टीलावाला, सांगानेर पर कुल 587 मतदाताओं में से 448 ने मतदान किया। इनमें 230 पुरुष और 218 महिला मतदाता शामिल हैं। इस तरह मतदान प्रतिशत 76.32 रहा।

जिला निर्वाचन अधिकारी (निकाय) एवं कलक्टर संदेश नायक ने बताया कि 11 सितंबर को उक्त मतदान केंद्र पर हुई घटना के कारण मतदान प्रक्रिया प्रभावित हुई थी और चुनाव की स्वतंत्रता एवं निष्पक्षता प्रभावित होने के मद्देनजर राज्य निर्वाचन आयोग ने पूर्व में हुए मतदान को शून्य घोषित कर पुनर्मतदान के निर्देश दिए थे। निर्देशों की पालना में रविवार को पुनर्मतदान कराया गया। उपखण्ड अधिकारी सांगानेर विकास प्रजापत और तहसीलदार सांगानेर स्नेहदीप सहित अधिकारियों ने सघन निगरानी में पूरी मतदान प्रक्रिया संपन्न करवाई। मतदान के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई।

सार-समाचार

विद्यार्थियों ने वैश्विक मुद्दों पर विचार रखे

सिटी वन इनिशिएटिव और जूनियर जर्नलिस्ट्स की ओर से 12-13 सितंबर को जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में जूनियर मॉडल यूनाइटेड नेशंस सम्मेलन आयोजित हुआ।

जयपुर। सिटी वन इनिशिएटिव और जूनियर जर्नलिस्ट्स की ओर से 12-13 सितंबर को राजस्थान के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में जूनियर मॉडल यूनाइटेड नेशंस सम्मेलन आयोजित किया गया। कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के रूप में भाग लिया और 'अच्छा स्वास्थ्य एवं पोषण' तथा 'कक्षाओं में एआई से लर्निंग गैप कम करना' जैसे विषयों पर विचार रखे। जूनियर जर्नलिस्ट्स की संस्थापक वर्णिका अग्रवाल और सिटी वन इनिशिएटिव के संस्थापक एवं सीईओ शिवांश आहूजा ने बच्चों में सार्वजनिक वक्तृत्व, आलोचनात्मक सोच और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में ऐसे आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में आदित्य सोलंकी, राधिका दास, मनस्वी सिंह, काशिश परवानी, मानसी माथुर और आदित्य सिंह सहित निर्णायकों व अतिथियों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

राज्यपाल बागड़े ने शोक जताया

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की धर्मपत्नी सत्यवती मिश्रा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल ने ईश्वर से पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गणेश चतुर्थी पर्व (14 सितम्बर) पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। बागडे ने कहा है कि भगवान गणेश प्रथम पूज्य है। वह सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करने वाले और मंगल करने वाले हैं। ऐसे भगवान गणेश का हम वंदन, अभिनंदन करते हैं। उन्होंने गणेश चतुर्थी उमंग और उत्साह से मनाने के साथ गणेशोत्सव पर भगवान श्री गणेश से सभी के लिए समृद्धि, सम्पन्नता और खुशहाली की कामना की है।

गणेश चतुर्थी आज : छोटी काशी में घर-घर होगी सिद्धिविनायक की मनुहार

- **मंदिरों में सजेगा गणेश दरबार, अभिषेक के बाद नई पोशाक व विशेष श्रृंगार होगा**

जयपुर (कासं)। गुलाबी नगरी छोटी काशी में प्रथम पूज्य भगवान गणेश का जन्मोत्सव सोमवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसी के साथ दस दिवसीय गणेशोत्सव का आगाज होगा। जिसका समापन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर गणपति विसर्जन के साथ होगा। गणेश जन्मोत्सव को लेकर शहर के प्रमुख गणेश मंदिरों में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मंदिरों को रंगीन रोशनी, बंदनवार और पत्तियों से सजाया गया है। घर-घर भी गणेश प्रतिमाओं की स्थापना कर अभिषेक, नया चोला, पूजन और आरती की जाएगी।

मोतीडूंगरी गणेशजी मंदिर, गढ गणेश, नहर के गणेशजी, परकोटा गणेश मंदिर, ध्वजाधीश गणेश, लाल डूंगरी गणेश, सिद्धिविनायक मंदिर, सूरजपोल स्थित श्री श्वेत सिद्धि विनायक मंदिर, बंगाली बाबा आश्रम दिल्ली रोड स्थित गणेश मंदिर, कुंदीगर भैरूजी के रास्ते स्थित सिद्ध गणेश मंदिर सहित ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित दक्षिणावर्ती सूंड एवं दक्षिणाभिमुख श्री नहर के गणेशजी मंदिर समेत शहर के अन्य मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। इस बार गणेश चतुर्थी और हरतालिका तीज का एक ही दिन पड़ना विशेष संयोग है। तृतीया तिथि सुबह 7:06 बजे समाप्त होने के बाद चतुर्थी शुरू होगी। महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा कर हरतालिका तीज का व्रत रखेंगी। इसके साथ ही शुभ मुहूर्त में घरों और सार्वजनिक पंडालों में रिद्धि-सिद्धि के दाता भगवान गणेश की स्थापना की जाएगी। सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होने और इसी दिन उनके पुत्र गणेश की चतुर्थी होने से पर्व का धार्मिक महत्व और बढ़ गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार गणपति को प्रथम पूज्य और द्वारपाल के रूप में स्थापित कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की जाएगी। गणेश चतुर्थी पर श्री गणेश पूजन समिति की ओर से चारदीवारी के सभी प्रमुख द्वारों पर विराजित गणेशजी की विधि-विधान से पूजा की जाएगी। शहर के विभिन्न मंदिरों में महाआरती, जागरण और शोभायात्राओं के आयोजन भी होंगे। गणेश जन्मोत्सव को लेकर मंदिरों और घरों में विशेष सजावट के साथ श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है।

मंडी में मूंग की आवक शुरू, एमएसपी पर खरीद का इंतजार : रामपाल जाट

किसान महापंचायत का कहना है कि ''किसानों को प्रति क्विंटल पर 1280 से 3200 रुपए तक का घाटा हो रहा, सरकार तत्काल खरीद शुरू करे''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मूंग की नई फसल मंडियों में पहुंचना शुरू हो गई है, लेकिन न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरकारी खरीद शुरू होने की कोई स्पष्ट पहल नजर नहीं आ रही है। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने सरकार से मूंग की खरीद तत्काल शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि घोषित एमएसपी किसानों को दिलाना सरकारों का पवित्र धर्म है। इसके बावजूद किसान अपनी उपज एमएसपी से काफी कम कीमत पर बेचने को मजबूर हैं।

रामपाल जाट के अनुसार किशनगढ़, केकड़ी और मेड़ता मंडियों में ही अब तक करीब 45 हजार क्विंटल मूंग की आवक हो चुकी है। सरकार ने मूंग का एमएसपी 8780 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया है, जबकि मंडियों में किसानों को करीब 5500 से 7500 रुपए प्रति क्विंटल तक ही भाव मिल रहा है। इससे किसानों को प्रति क्विंटल 1280 से लेकर 3280 रुपए तक कम कीमत मिल रही है।

किसान महापंचायत का कहना है कि मंडियों में पहुंची 45 हजार

- **रामपाल जाट के अनुसार किशनगढ़, केकड़ी और मेड़ता मंडियों में ही अब तक करीब 45 हजार क्विंटल मूंग की आवक हो चुकी है। सरकार ने मूंग का एमएसपी 8780 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया है, जबकि मंडियों में किसानों को करीब 5500 से 7500 रुपए प्रति क्विंटल तक ही भाव मिल रहा है।**

क्विंटल मूंग पर ही किसानों को करोड़ों रुपए का नुकसान हो चुका है। यदि एमएसपी और मंडी भाव के बीच अधिकतम अंतर को आधार माना जाए तो नुकसान करीब 14 करोड़ 40 लाख रुपए तक पहुंचता है। वहीं न्यूनतम अंतर माना जाए तो भी यह नुकसान करीब 5 करोड़ 76 लाख रुपए बैठता है।

जाट ने कहा कि मूंग की आवक लगातार बढ़ने के साथ यदि सरकारी खरीद शुरू नहीं हुई तो किसानों का नुकसान और बढ़ेगा। ऐसे में सरकार को घोषणा और कागजी प्रावधानों से आगे बढ़कर मंडियों में वास्तविक खरीद व्यवस्था शुरू करनी चाहिए।

1 सितंबर से खरीद करने की मांग पुरानी

किसान महापंचायत के अनुसार किसान पिछले कई वर्षों से मूंग की सरकारी खरीद 1 सितंबर से शुरू करने की मांग करते आ रहे हैं। इस संबंध में केंद्र और राज्य सरकार को कई बार ज्ञापन दिए गए हैं। सरकार के साथ हुई वार्ताओं में भी खरीद समय पर शुरू करने का आग्रह किया गया, लेकिन इसके बावजूद इस बार भी फसल मंडियों में पहुंचने के बाद किसान एमएसपी का इंतजार कर रहे हैं।

नेफेड की बिक्री पर भी उठाए सवाल

रामपाल जाट ने नेफेड द्वारा पिछले वर्षों के मूंग के भंडारण को करीब 6,500 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर बेचे जाने पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि यह कीमत घोषित एमएसपी से 2,280 रुपए कम है।

किसान महापंचायत का आरोप है कि इस तरह कम कीमत पर मूंग की बिक्री से बाजार भाव पर दबाव पड़ता है और इसका सीधा असर नई फसल बेचने वाले किसानों पर पड़ता है।

'घोषणा नहीं, खरीद की गारंटी चाहिए'

किसान महापंचायत ने कहा कि किसान लंबे समय से एमएसपी की सुनिश्चितता के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वर्ष 2010 से ही देशभर के किसान एमएसपी पर खरीद की गारंटी का कानून बनाने की मांग उठा रहे हैं।

जाट ने सरकार से मांग की कि मूंग की सरकारी खरीद बिना देरी शुरू की जाए और किसानों को घोषित एमएसपी दिलाने के साथ मंडियों में प्रभावी खरीद व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेताया कि केवल एमएसपी घोषित करना पर्याप्त नहीं है, किसान को उसकी उपज का घोषित मूल्य वास्तव में मिलना भी सुनिश्चित करना होगा।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
MONDAY
14 September 2026
A-B

Marking Hindi Diwas: Language That Connects Millions

Hindi Diwas is celebrated every year on September 14 to commemorate the day in 1949 when Hindi, written in the Devanagari script, was adopted as one of the official languages of India. The observance highlights the cultural and linguistic significance of Hindi, spoken by over 40% of the population. Schools, colleges, and government institutions organize debates, poetry recitals, and awareness campaigns to promote the language. More than just a reminder of heritage, Hindi Diwas underscores India's linguistic diversity and the effort to preserve and strengthen a language that connects millions across regions.

#ANUPRASA

The Music of Repeated Sounds in Sanskrit Poetry

उत्तप्तात्युत्कटत्विट् प्रकट-कटकट-ध्वान-संघट्टनोद्यद् विद्युद्व्यूढ-स्फुलिङ्ग-प्रकर-विकिरणोत्क्वथिते बाधिताङ्गम्। उद्गाढं पात्यमानं तमसि तत इत एतकीकीरिणां पङ्किले ते, पङ्क्तिं ग्राव्णां गरिम्णां ग्लपयति हि भवद्-द्वेषिणो विश्वदद्य।

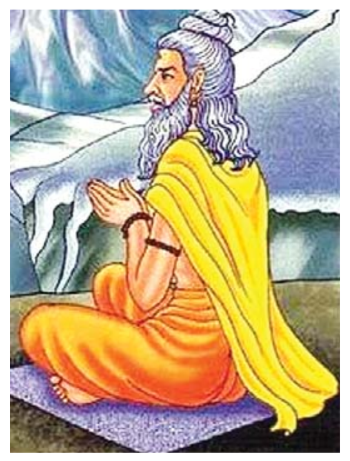

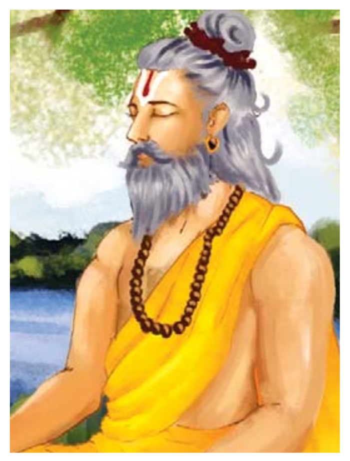

Poetry is not made beautiful by meaning alone. The sound of words, their rhythm, movement, repetition, and musicality, can itself create an aesthetic experience. Poets often repeat particular sounds to produce rhythm, emphasis, harmony, or even to imitate the mood and action described in the poem. In Sanskrit poetics, this artistic use of repeated sounds is called Anuprasa (अनुप्रास).

Anuprasa may be understood as a figure of sound in which particular consonants or syllabic sounds are repeated in a pleasing or aesthetically effective manner. The repetition may occur at the beginning, within, or towards the end of words. The important point is that the sound itself contributes to the poetic experience. We do not merely understand what the verse says; we also hear and feel its meaning through its sound.

Anuprasa and English Figures of Speech

English poetry has several figures of speech that make use of the repetition of sounds. These include alliteration, consonance, and assonance.

Alliteration involves the repetition of similar sounds, especially at the beginnings of words. A familiar example is:

"The fair breeze blew,
The white foam flew,
The furrow followed free."

The repeated *f* sound creates a sense of movement and flow, appropriate to the movement of the ship and the breeze.

Another famous example comes from Shakespeare:

"Double, double toil and trouble,
Fire burn and cauldron bubble."

Here, the repetition of sounds contributes to the incantatory and magical atmosphere of the lines.

These English examples illustrate a principle that is central to Sanskrit poetry as well: repetition of sound can create an aesthetic effect independent of, and in harmony with, the literal meaning of the words. In Sanskrit poetics, this principle is discussed under Anuprasa.

Anuprasa in Sanskrit Poetics

Anuprasa belongs to the tradition of sabdalankara, or figures of sound. Sanskrit poets were highly sensitive to the relationship between sound and meaning. A skilful poet could select and arrange sounds so that the very texture of a verse suggested the action, emotion, or atmosphere being described. The effect can be gentle and melodious, but it can also be harsh, violent, rapid, or disturbing. Thus, repeated sounds are not merely ornamental. They can reinforce the rasa, mood, or emotional force of the poem.

A striking example occurs in the description of the tortures of hell in Trivikrama Pandita's Vyasastuti. The verse describes the terrifying sufferings of sinners in hell:

उत्तप्तात्युत्कटत्विट् प्रकट-
कटकट-ध्वान-संघट्टनोद्यद्
विद्युद्व्यूढ-स्फुलिङ्ग-प्रकर-
विकिरणोत्क्वथिते बाधिताङ्गम्।
उद्गाढं पात्यमानं तमसि तत इत
एतकीकीरिणां पङ्किले ते,
पङ्क्तिं ग्राव्णां गरिम्णां ग्लपयति
हि भवद्-द्वेषिणो विश्वदद्य।

The verse presents a colourful and horrifying picture of the torments of hell. But the description becomes even more powerful when it is heard aloud.

The repeated hard consonantal sounds, particularly the t, th, k, t, ta, katata-like clusters, create a harsh, pounding, crackling effect. The sound seems to echo the violence of the scene: the clash, heat, sparks, blows, and suffering experienced by those undergoing punishment.

Words such as katakata themselves have an almost onomatopoetic quality. We seem to hear the terrible sounds of collision and destruction. The verse therefore does not merely tell us about hell; through its sound pattern, it allows us to experience something of its terrifying atmosphere.

This is one of the great strengths of Anuprasa. The ear participates in the imagination. The repeated sounds make the physical and emotional character of the scene audible.

Anuprasa in Jagannatha Pandita's Rasagangadhara

A similar use of sound can be seen in Jagannatha Pandita's Rasagangadhara, one of the seminal works of Sanskrit poetics. Consider the celebrated verse describing the prowess of Arjuna on the battlefield:

दोर्दण्डद्वयकुण्डलीकृतलसत्कोदण्डचण्डध्वनद्-
ध्वस्तोदण्डविपक्षमण्डलमथ
त्वां वीक्ष्य मध्ये रणम्।
वल्गद्गाण्डीवमुक्तकाण्डवलयज्-
ज्वालावलीताण्डव-
भ्रश्यत्खाण्डवरुष्टपाण्डवमहो को
नः क्षितीशः समरः।।

The verse recalls the extraordinary prowess of Arjuna in battle. The image is one of tremendous physical power and violent movement: his two mighty arms draw the great Gandiva bow into a circle; arrows are released with force; flames seem to dance; enemies are destroyed; and the battlefield becomes a scene of chaos and devastation.

But once again, the effect is not produced by meaning alone.

The verse is filled with repeated d, t, k, g, and related consonantal sounds. The density of these sounds creates a hard, energetic rhythm. As we recite the verse, we can almost hear the clash and commotion of war.

The repeated sounds suggest the movement of Arjuna's powerful arms as he draws his bow, the sharp release of arrows, and the violent collision of weapons. The consonantal texture gives the verse a sense of speed, aggression, and force. In this way, the sound pattern mirrors the action being described. Arjuna's prowess is not simply narrated; it is performed through the sound of the verse itself.

Anuprasa demonstrates that in poetry, sound is not merely a vehicle for meaning; it can itself become a source of meaning and aesthetic experience. The deliberate repetition of particular sounds gives a verse rhythm, musicality, emphasis, and emotional force. When skilfully employed, the sounds seem to reproduce the very action or atmosphere that the poet describes.

The Masks We Wear !

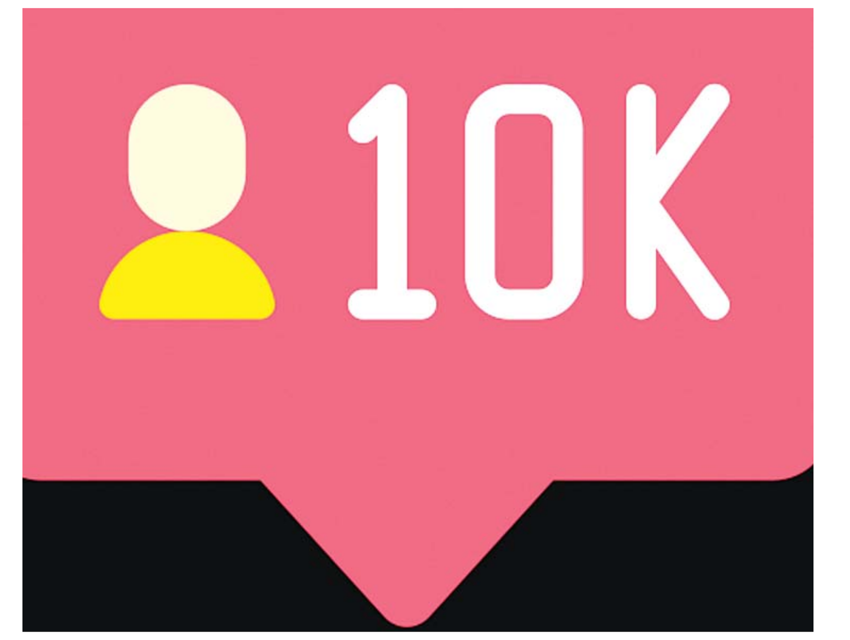

It was simple. Almost innocent. You were a hero if you could climb the tallest tree in the colony and drop a bagful of sour imlis for everyone. You were celebrated if you could run the fastest, or score the highest runs in the gully cricket match. You were respected if you were the one who would sit after school and help everyone pass that dreaded math exam. And then there were those few, those incredibly large-hearted ones who would always pay in the canteen, who would make every outing warmer just by being there.

Shashank Kaurani

Confined to bed after a surgery, I had time to ask a question we keep postponing, where did the good guys go?

It is difficult to pen down one's experiences.

You sit with a blank page and you wonder what to reveal and what to hide. Because for years, we have worked very hard to create an image. An image that is often false, but carefully maintained.

We all suffer from it. A faux external validation syndrome.

A few days ago, I was forced to be confined to bed after a surgery. No meetings. No calls to make. No place to be. Just four walls and a lot of time. And when the body is forced to stop, the mind finally starts. It went back to our growing up years. Do you remember what it took to be adored then? It was simple. Almost innocent.

You were a hero if you could climb the tallest tree in the colony and drop a bagful of sour imlis for everyone. You were celebrated if you could run the fastest, or score the highest runs in the gully cricket match. You were respected if you were the one who would sit after school and help everyone pass that dreaded math exam. And then there were those few, those incredibly large-hearted ones who would always pay in the canteen, who would make every outing warmer just by being there.

The scoreboard was made of character. We have grown up since then. And adulthood came with a new rulebook. No one handed it to us, but we all learned it very quickly. Follow the rules, or be labelled a recluse, a misfit, someone who could not keep up. So, we complied. We put ourselves inside a neat, acceptable box. We surrendered to the word 'acceptable.' And the scoreboard changed completely. Now, people are

#VALIDATION

judged by their financial success. By the number of followers they have. By the contacts they can name-drop. By the car they drive and the holiday they post. It is a loud, noisy world. And somewhere in all this noise, the good guy and the good girl have quietly lost out. We have all put on masks. Well-fitted, well-practiced masks. And behind those masks, we have grown fangs of ego. Fangs that we use to protect ourselves, to compete, to compare, to stay ahead.

Lying on that hospital bed, I kept thinking, where am I going wrong? Or are we all going wrong together?

We have all developed a selfish streak. And we have found a perfect alibi for it. We say, "Life is tough these days." Trust me, it was tough back in the yore too.

Money was tighter. Jobs were fewer. Futures were less certain. The world was not easier then. But people still found time for one another. They spared a thought. They remembered birthdays without a reminder. They dropped by unannounced. They picked up the landline and dialled a number, just to hear a familiar voice.

There was less convenience, but there was more connection.

Today, we have a hundred ways to reach someone, and we find a hundred reasons not to. We forward memes, we like stories, we send a quick emoji. But we rarely call. Rarely ask, "How are you, really?"

We have mistaken being in touch with being connected.

I am not writing this as a judgment. I am writing this as a confession. I am part of this same rush. I have also worn the mask. I have also chased the wrong validations.

But this pause has been a mirror. And mirrors are important, even if what they show is uncomfortable.

So maybe, the question is not how to go back to climbing trees for imlis. We cannot. But we can bring back that spirit. The spirit of being large-hearted in the canteen of life.

Maybe, we can start small.

So, let me leave you with the same question that has been sitting with me for the last few days.

'When was the last time you called someone just to say hi?'

Not to ask for a favour. Not to sell something. Not to forward a message. Just to say, "I was thinking of you today."

If you can remember one name as you read this, call them. Today.

That one call might be the first crack in the mask.

rajeshsharma1049@gmail.com

#MONUMENTS

Sheesh Mahal Reopens After 370 Years

Delhi's Hidden Jewel in Shalimar Bagh Now Welcoming Visitors

Sheesh Mahal is in Shalimar Bagh, a historic Mughal garden modeled on the classic Charbagh layout, with fountains, shaded pavilions, and water channels

After being hidden from public view for nearly four centuries, Delhi's Sheesh Mahal has finally reopened its doors. Tucked inside the historic Shalimar Bagh, this 17th-century Mughal marvel, once a glittering retreat for royalty, is now ready to welcome visitors into its world of mirror-lined elegance and architectural grandeur.

Location: Shalimar Bagh, Delhi
Timings: 11 AM - 7 PM

Commissioned in 1653 by Emperor Shah Jahan, the Sheesh Mahal (meaning Palace of Mirrors) was designed as a summer pavilion, reflecting the opulence of Mughal leisure life. With its delicate mirror inlays, carved arches, and intricate frescoes, the structure was once the heart of royal garden parties and quiet regal escapes.

Over time, the monument fell into obscurity, lost beneath layers of dust, neglect, and Delhi's rapid urban sprawl. For decades, it remained closed, locked away and largely forgotten, even by many locals. But now, following extensive conservation efforts by the Archaeological Survey of India (ASI) and the Delhi Department of Archaeology, the Sheesh Mahal has been carefully restored and

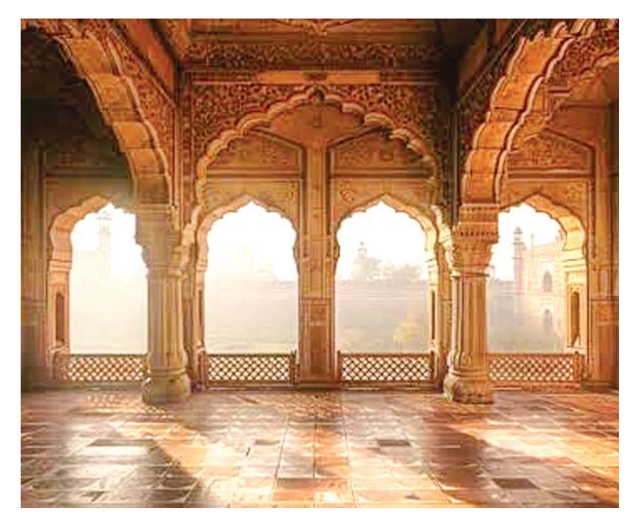

opened to the public for the first time in 370 years. The restoration has focused on preserving as much of the original structure and craftsmanship as possible. Though some parts were too weathered to fully repair, visitors can still admire the restored mirror work, elegant Mughal floral patterns, and beautifully carved jharokhas (windows) that catch the sunlight in magical ways.

"It's more than just opening a monument," said an ASI official involved in the project. "It's about reviving a cultural memory that had nearly faded and making it accessible to the public."

The Sheesh Mahal sits within Shalimar Bagh, itself a historic Mughal garden modeled on the classic Charbagh layout, complete with fountains, shaded pavilions, and water channels. Together, the garden and the palace offer a peaceful escape from the city's chaos and a tangible connection to Delhi's royal past.

Entry is currently free, with visiting hours set from 11 AM to 7 PM daily. Heritage enthusiasts, photographers, and curious wanderers alike are encouraged to explore this newly revived site.

After 370 years in silence, the Sheesh Mahal is ready to dazzle once more. Whether you're drawn by history, architecture, or simply the chance to step into a forgotten world of mirrors and marble, now's your chance to experience it.

History just got a little shinier.

#BILHANA

The Princess Who Sealed the Deal

She Saw, She Liked, and She Made the First Move

There are love stories in which the man pursues the woman. There are stories in which the woman waits to be pursued. And then there are stories in which a woman sees what she wants, understands the moment, and simply makes the first move.

This is one such legend.

More than a thousand years ago, in the 11th century, a Kashmiri poet named Bilhana travelled far from his homeland. A gifted poet and scholar, he eventually arrived at the court of a king who was deeply impressed by his literary talent. The king, recognizing Bilhana's brilliance, asked him to teach his daughter.

But there was one problem.

Bilhana was young, handsome, and, by all accounts, charming. The king feared that if his daughter and her handsome new tutor ever saw each other, affection might grow between them. So, he devised a clever arrangement.

He told his daughter that Bilhana was blind.

At the same time, he told Bilhana that the princess suffered from leprosy.

The lessons would therefore take place with the two seated on opposite sides of a curtain. They could hear one another, but they could never see one another.

Day after day, the lessons continued. The curtain remained between them. Neither knew the other's true appearance. And yet, something else was beginning to develop, an intimacy created not by sight, but by words. Then came one extraordinary night.

The moon had risen. The sky was clear. Somewhere beyond the curtain, Bilhana looked up at the moon. Its light inspired him, and the poet began composing verses.

He recited:

निरर्थकं जन्म गतं नलिन्या
यया न दृष्टं तुहिनांशुबिम्बम्।

The thought was simple and beautiful:

A lotus has wasted its life if it has never seen the face of the moon.

But the princess was startled.

How could a blind man know that the moon was shining?

She listened carefully.

Then curiosity overcame caution.

She pushed aside the curtain.

And there he was.

Bilhana was not blind.

He was sitting there, gazing at the moon.

The princess suddenly discovered that everything her father had told her was a lie. The man she had been speaking to every day was not blind. And, more importantly, he was not merely her tutor. He was young. He was handsome. He was a poet. And she was looking directly at him. Something changed in that instant.

Perhaps, she had already fallen for his voice, his intelligence, his poetry, the intimacy of their conversations. Perhaps, the sight of him simply gave a face to feelings that had already begun to grow.

But the most remarkable part of the story comes next.

She did not retreat behind the curtain.

She answered his verse.

Bilhana's first line had spoken of a lotus that had wasted its life without seeing the moon. The princess completed the thought:

उत्पत्तिरिन्दोरपि निष्फलैव
कृता विनिद्रा नलिनी न येन।

The meaning transformed the entire verse: Even the moon's existence is fruitless if it does not awaken the sleeping lotus. Suddenly, this was no longer merely poetry about the moon and a lotus. It was a conversation between two lovers.

Bilhana's lotus could be understood as his own eyes, longing to see a beautiful, moon-like face. And the princess's response was almost a confession: The moon-like face you are searching for is here. But she took it one step further.

The moon itself would have lived in vain if it could not awaken the sleeping lotus, the lotus that had not yet realized that the moon was right before it. In a single poetic exchange, two people who had been separated by a curtain revealed themselves to one another. He had been looking for his moon. She had just told him where to find it. And she had done something wonderfully bold: she made the first move. The beauty of the story lies not merely in the romance, but in the intelligence of the princess. She did not simply discover that Bilhana was not blind. She understood what his poetry was saying. She recognized the meaning hidden inside his words and answered him on precisely the same poetic ground.

He spoke.

She understood.

He hinted.

She responded.

And in that response, the curtain between them ceased to matter.

Their love was sealed through a verse.

The story of Bilhana and the princess has survived through the centuries because it captures something timeless about attraction: sometimes, love begins long before two people ever see each other. It can begin in conversation, in wit, in admiration, in the sound of someone's voice, or in the way another person's mind works.

And sometimes, when the moment finally arrives, someone has to be brave enough to cross the distance.

In this legend, it was the princess.

She saw him.

She liked what she saw.

She understood what he meant.

And she made the first move.

Perhaps, that is what makes her the real heroine of the story.

Not because she waited for the poet to declare his love, but because she recognized the moment, and answered it.

The curtain was meant to keep them apart.

Instead, it made their eventual meeting unforgettable.

And with a single verse, the princess did something that poets spend their entire lives trying to do: She turned a moment into a legend.

THE WALL

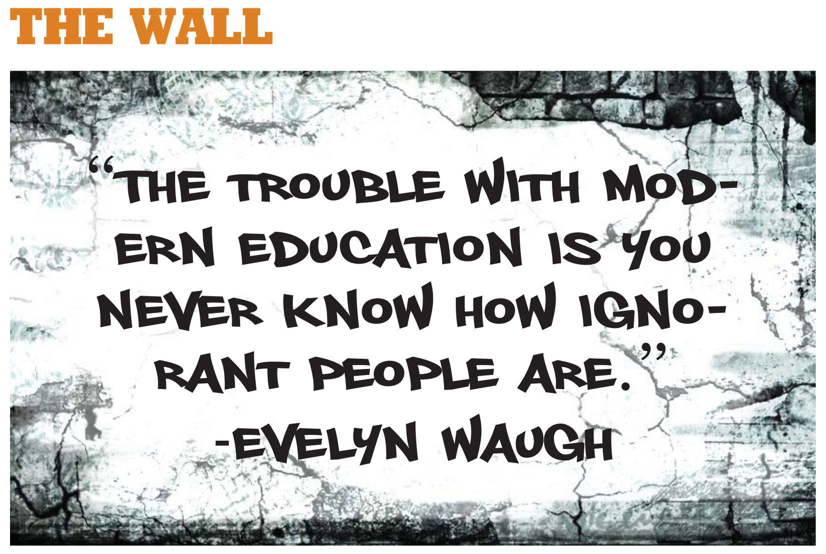

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

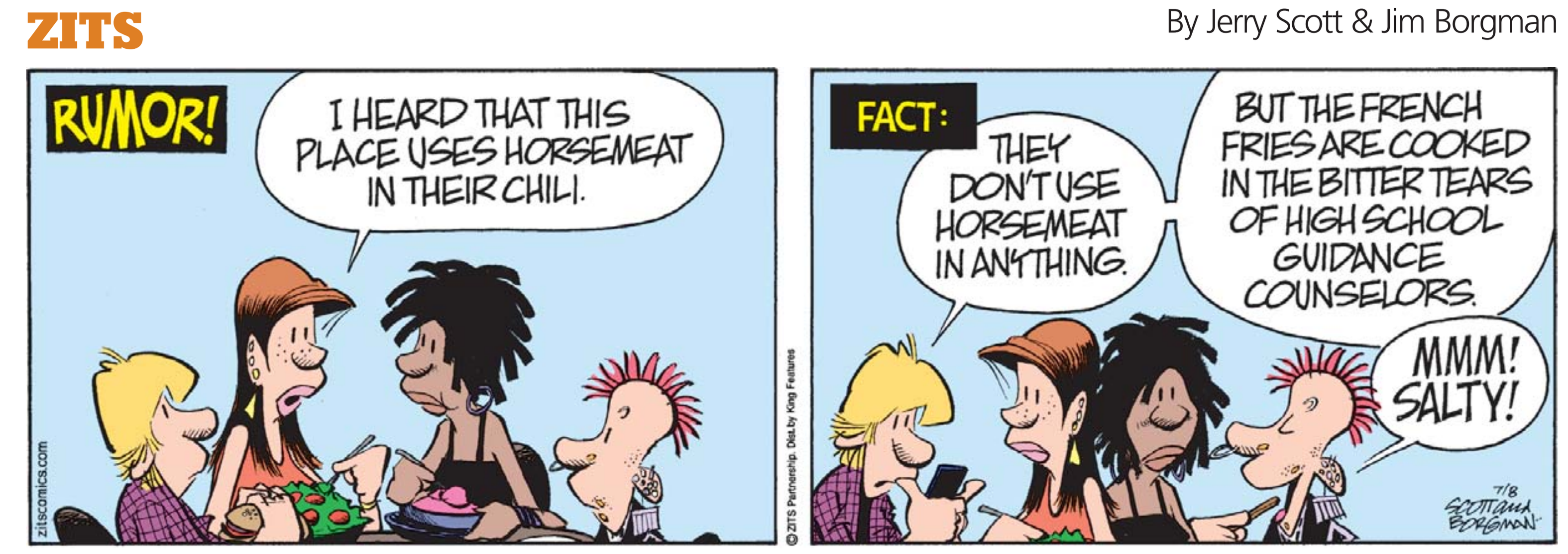

धौलपुर-करौली टाइगर रिज़र्व के खिलाफ सरमथुरा में चल रहा आंदोलन तेज

सपोटरा विधानसभा क्षेत्र से 411 गांवो के हजारों किसान धरने में शामिल हुए

मासलपुर/करौली, (निसं)। धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व के विरोध में सरमथुरा में चल रहा आंदोलन शुक्रवार से और तेज हो गया है। सपोटरा विधानसभा क्षेत्र से 411 गांवो के हजारों किसान अनिश्चितकालीन धरने में शामिल हुए। धरने को समर्थन देने करौली के बसपा के पूर्व विधायक सुरेश मीणा भी पहुंचे। पूर्व विधायक ने 20 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे राजकुमार मीणा को ज्यूस पिलाकर अनशन तुड़वाया।

पूर्व विधायक सुरेश मीणा ने बताया टाइगर रिजर्व कमेटी और कामड़ एरिया के पंच पटल, चौरासी गांवों के पंच पटल, 28 सा के पंच पटेल और डूंगरी बांध संघर्ष समिति के व्यक्तियों द्वारा निर्णय लिया गया है कि 22 तारीख तक गांधीवादी तरीके से धरना चलना है और 22 तारीख तक अगर सरकार हमारी बात मानती है तो ठीक है, नहीं तो 23 तारीख राजस्थान सरकार के सीएम हाउस का घेराव किया जायेगा, जिसमें लाखों लोग शामिल होंगे। रिटायर्ड आईएएस पी आर मीणा ने आंदोलकारियों से कहा कि अब हमको जयपुर की और कूच करना चाहिए। इधर धरने पर बैठे ग्रामीणों का कहना है कि टाइगर रिजर्व बनने से क्षेत्र में बेरोजगारी और पलायन बढ़ रहा है। विकास के काम ठप हो गए हैं। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है, जिससे उन्हें मजबूरन दिल्ली, मुंबई और जयपुर पलायन करना पड़ रहा है। खेती पर भी संकट खड़ा हो गया है। जंगली जानवर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। टाइगर और लेपर्ड के डर से लोगों में दहशत है। बच्चे स्कूल जाने से भी डरते हैं।

सर्वसमाज ने मांग की है कि धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व का विस्तार रोका जाए, रिजर्व के कारण हो रही बेरोजगारी और पलायन पर रोक लगाई जाए, क्षेत्र में रोजगार के साधन विकसित किए जाएं, स्थानीय युवाओं को रोजगार और नौकरी में प्राथमिकता दी जाए, क्षेत्र के साथ हो रहा भेदभाव और अन्याय बंद किया जाए और स्थानीय जनता की सहमति के बिना कोई निर्णय न लिया जाए। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना जनसुनवाई के ही रिजर्व का दायरा बढ़ाया जा रहा है, जिससे सैकड़ों गांव प्रभावित होंगे।धरने में शामिल किसानों ने खाद का मुद्दा भी उठाया है। किसानों का कहना है कि उन्हें समय पर और उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराई जाए। यूरिया और डीएपी समय पर नहीं मिलने से खेती करना मुश्किल हो रहा है। कालाबाजारी के कारण महंगे दामों पर खाद खरीदनी पड़ रही है।

पूर्व विधायक ने 20 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे राजकुमार मीणा को ज्यूस पिलाकर अनशन तुड़वाया।

- **ग्रामीणों का कहना है कि टाइगर रिजर्व बनने से क्षेत्र में बेरोजगारी और पलायन बढ़ रहा है। विकास के काम ठप हो गए हैं**
- **सर्वसमाज ने मांग की है कि धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व का विस्तार रोका जाए**

कोटा में कार से 340 किलो डोडा-चूरा बरामद, तस्कर फरार

कोटा, (निसं)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत नारकोटिक्स टीम ने सूचना पर एक बाड़े पर छापामार कर कार में तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 340.320 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि सांगा खेड़ा गांव के एक व्यक्ति ने अपने बाड़े में अवैध डोडा-चूरा छिपाकर रखा हुआ है। सूचना पर सीबीएन कोटा के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके पर रवाना किया गया। गठित सीबीएन टीम के अधिकारियों ने बाड़े की पहचान के बाद छापा मारा।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि सीबीएन टीम की गाड़ी की लाईटें देखकर तस्कर मौके से भाग गए, मौके पर एक कार बरामद की गई।

नारकोटिक्स टीम के अधिकारियों ने मौके पर मिली कार की तलाशी ली तो कार में अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा के बरामद किये गये 23 बैगो में 340.320 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद किया गया। कानूनी औपचारिकताएं के बाद, नारकोटिक्स टीम ने बरामद अवैध डोडा-चूरा और टाटा हैरियर कार को जब्त कर लिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

नारकोटिक्स टीम ने बाड़े में छापा मार कर कार से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया।

पार्षद प्रत्याशी से मारपीट के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

गंगापुर सिटी, (निसं)। दलित अधिकारों के लिए एवं दलित उत्पीड़न के खिलाफ संघर्षरत साझा मंच दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री, अध्यक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, मुख्य राज्य चुनाव अधिकारी, मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग, पुलिस महानिदेशक, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजिलेंस, पुलिस महानिरीक्षक भरतपुर, जिला कलैक्टर सवाई माधोपुर, पुलिस अधीक्षक सवाई माधोपुर को ज्ञापन भेजकर गंगापुर सिटी नगर परिषद चुनाव में वाल्मीकि समुदाय के पार्षद प्रत्याशी एवं इनके समर्थकों के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर कड़ी कानूनी कार्यवाही करवाने की मांग की है। साथ ही घटना के प्रति उदासीन अधिकारियों के खिलाफ भी अनुशासनिक कार्यवाही की मांग की है।

- **दलित शोषण मुक्ति मंच ने उच्च अधिकारियों को ज्ञापन भेजा**

मंच प्रदेश सह संयोजक डॉ. रमेश बैरवा ने भेजे ज्ञापन में लिखा है कि 11 सितंबर को नगर परिषद गंगापुर सिटी के वार्ड 4 के चुनाव हेतु मतदान के दौरान हुई गड़बड़ी का विरोध करने पर अनुसूचित जाति के वाल्मीकि समुदाय के पार्षद प्रत्याशी जगमोहन हरिजन पर कुछ लोगों ने हमला कर मारपीट की है। लोगों के बीच जातिसूचक गालियाँ भी देकर अपमानित किया है, धमकियां दी हैं जिसका जिक्र थाना सदर गंगापुर सिटी में एससी एसटी एक्ट में दर्ज मुकदमे में भी है। पीड़ित जगमोहन को गंभीर चोट आई हैं जिसका मेडिकल भी हो चुका है। पीड़ित के परिवारजन, रिश्तेदारों एवं जागरूक दलित कार्यकर्ताओं में भी गहरा आक्रोश है। जगमोहन पूर्व में पार्षद रह चुके हैं। दलितों में भी दलित वाल्मीकि समुदाय के प्रत्याशी और वह भी शासक राजनीतिक दल का के साथ यह घटना नागरिक समाज को शर्मसार करने वाली है। पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही है। आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं।

रेलवे ने 130 अवैध वेंडर्स पकड़े

जोधपुर, (कासं)। ट्रेनों और स्टेशनों पर बिना अनुमति सामान बेचने वाले अनधिकृत वेंडर्स के खिलाफ रेलवे ने सख्ती बढ़ा दी है। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में सितंबर में अब तक 130 अनधिकृत वेंडर्स के खिलाफ कार्रवाई कर 1.13 लाख रुपए जुर्माना वसूला गया। वाणिज्य विभाग और रेलवे सुरक्षा बल की टीमें ट्रेनों व स्टेशन परिसरों में लगातार सघन जांच कर रही हैं।

जोधपुर मंडल पर आरपीएफ और वाणिज्य विभाग की ओर से 1 से 12 सितंबर के दौरान ट्रेनों और स्टेशन परिसरों में अनधिकृत वेंडिंग पर विशेष नजर रखी गई। इन 12 दिनों में 130 वेंडर्स के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1.13 लाख रुपए का जुर्माना वसूला गया। अभियान के तहत मेड़ता रोड स्टेशन पर शनिवार को एक ही दिन में छह अनधिकृत वेंडर्स पकड़े गए। इनके खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 144 के तहत मामले दर्ज किए गए।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के निर्देशन में अनधिकृत वेंडर्स के खिलाफ सघन धरपकड़ अभियान चलाया जा रहा है। सभी प्रमुख ट्रेनों और स्टेशनों पर निगरानी बढ़ाई गई है तथा आरपीएफ के साथ वाणिज्य विभाग की टीमें कार्रवाई कर रही हैं।

निर्माणाधीन बालिका सैनिक स्कूल का अधीक्षण अभियन्ता ने निरीक्षण किया

हलैना/भरतपुर, (निसं)। उप तहसील हलैना क्षेत्र के गांव खेरली गूर्जर निकट निर्माणाधीन बालिका सैनिक स्कूल का राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के अधीक्षण अभियन्ता जयप्रकाश दूबे ने निरीक्षण किया और निर्माण कार्य की सामग्री, कार्य की गुणवता, मापदंड, नक्शा आदि की जांच की। साथ ही गुण नियन्त्रण प्रयोगशाला में निर्माण कार्य में उपयोग लिए जा रही निर्माण सामग्री की जांच की। उन्होंने निर्माण करा रही कम्पनी और उसके अभियन्ता, कर्मचारी सहित समसा के सहायक अभियन्ता, कनिष्ठ अभियन्ता को विभागीय नियम की पालना करते हुए निर्माण कार्य में गुणवता एवं मापदंड का ध्यान रखने के निर्देश दिए।

अधीक्षण अभियन्ता दूबे ने बताया कि सरकार के द्वारा वर्ष 2025 के वजट में उपखण्ड वैर के कस्बा हलैना से करीब 3-4 किमी दूर गांव खेरली गूर्जर के पास बालिका सैनिक स्कूल की घोषणा कर करीब 21 करोड़ की राशि स्वीकृत की। जिसका 29 जुलाई को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, शिक्षा मंत्री डॉ. मदन दिलावर, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, वैर के विधायक बहादुर सिंह कोली, डीग-कुम्हेर के विधायक डॉ. शैलेश सिंह, बयाना के विधायक ऋतु बनावत, पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली आदि ने शिलान्यास किया था। उन्होंने बताया कि बजट के तहत बालिका सैनिक स्कूल की चार दीवारी, छात्रावास, इनडोर स्टेडियम, स्टाफ आवास, भोजनालय, सड़क, विद्यालय कक्षा कक्ष भवन, कार्यालय आदि निर्माण होगा, जो प्रगतिशील है। अधीक्षण अभियन्ता जयप्रकाश दूबे के साथ समसा के सहायक अभियन्ता विद्यासागर, कनिष्ठ अभियन्ता मनोज मित्तल, कम्पनी के परियोजना प्रभारी सद्दाम हुसैन खान आदि मौजूद थे।

समसा के अधीक्षण अभियन्ता जयप्रकाश दूबे ने बताया कि बालिका सैनिक स्कूल का ढाचा कुल 251 पिलरों पर खड़ा होगा। इनडोर स्पोर्टस ब्लॉक में 30 पिलर, छात्रावास ब्लॉक में 112 पिलर तथा एकेडमिक ब्लॉक में 109 पिलर होंगे। पहले चरण में छात्रावास एवं एकेडमिक ब्लॉक में सभी पिलरों का कार्य जारी है, अब इनडोर स्पोटर्स ब्लॉक के पिलर एक सप्ताह के अन्दर बनने शुरू हो जायेंगे।

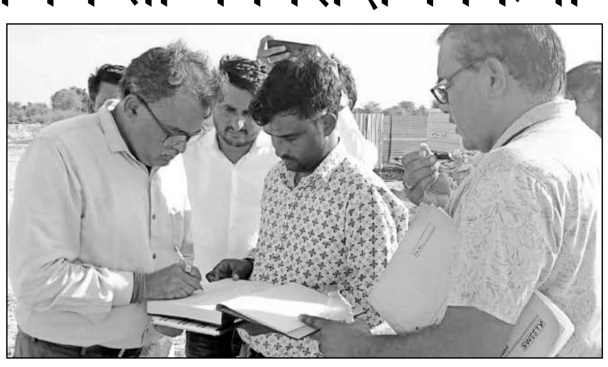

राज. स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के अधीक्षण अभियन्ता जयप्रकाश दूबे ने निर्माणाधीन बालिका सैनिक स्कूल का निरीक्षण किया।

सतीश पूनियां का शेरगढ़ में स्वागत

जोधपुर, (कासं)। राज्यसभा सांसद सतीश पूनियां रविवार को बाबा रामदेवजी की जन्मस्थली ऊंडू काश्मीर, बाड़मेर जाते हुए शेरगढ़ पहुंचे। यहां जाट समाज ने जाट न्याति नोहरा और वीर तेजाजी महाराज मंदिर परिसर में पूनियां का स्वागत किया। इस दौरान समाज के कई लोग और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ ने सांसद पूनियां को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इसके बाद सांसद सतीश पूनियां ने चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल और विधायक बाबूसिंह राठौड़ के साथ वीर तेजाजी महाराज मंदिर में पूजा की। उन्होंने क्षेत्र की खुशहाली के लिए प्रार्थना भी की। स्वागत कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने सांसद पूनियां को साफा और माला पहनाकर सम्मानित किया।

भीलवाड़ा में होटल-रेस्टोरेंट का निरीक्षण

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला कलैक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा प्रतिष्ठानों के निरीक्षण का अभियान निरंतर जारी है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि शनिवार को अभियान के तहत नेशनल हाइवे भीलवाड़ा-राजसमंद मार्ग पर स्थित विभिन्न होटल एवं रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया। टीम द्वारा कालिका होटल, जोगनिया रेस्टोरेंट, भरका देवी रेस्टोरेंट, हंस अंबिका नॉन वेज तथा श्री राम होटल, गेरूड़ी मंगरी का निरीक्षण कर खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कमियां पाए जाने पर दो होटल संचालकों को खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं में सुधार के लिए नोटिस जारी किए गए। संबंधित प्रतिष्ठानों को निर्धारित 14 दिवस में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में सुधार नहीं होने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

लिफ्ट देने के बहाने टैक्सी ड्राइवर ने छात्रा का अपहरण कर दुष्कर्म किया

पुलिस ने नाकाबंदी कर महज 12 घंटे में आरोपी को दबोचा लिया

चूरू, (निसं)। जिले के भालेरी थाना क्षेत्र से 14 वर्षीय छात्रा को लिफ्ट देने के बहाने कार में बैठाकर अपहरण कर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के करीब 12 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान 42 वर्षीय मंजूर अली के रूप में हुई है। आरोपी मंजूर अली टैक्सी ड्राइवर है, जिसने नशे की गोलियां लेकर दरिंदगी की इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने पीड़िता का तत्काल उपचार करवाया।

- **दुष्कर्म के बाद छात्रा को ठिकाने लगाने की तैयारी में था टैक्सी ड्राइवर**

एसपी निश्चय प्रसाद एम ने रविवार को प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि 12 सितंबर की सुबह भालेरी पुलिस को सूचना मिली थी कि एक कार में कोई व्यक्ति एक नाबालिक छात्रा को जबरन चूरू की ओर ले जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए जिलेभर में तत्काल नाकाबंदी करवाई गई। कोतवाली थाना पुलिस ने चूरू में प्रवेश से पहले ही कार को रोककर आरोपी मंजूर अली को नाबालिग सहित पकड़ लिया। एसपी ने बताया कि आरोपी दुष्कर्म के बाद उसे ठिकाने लगाने की फिराक में था, लेकिन समय रहते हुए पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल मुआयना करवाने के बाद उसका चिकित्सकीय उपचार करवाया और उसके बयान दर्ज किये। मोबाइल फॉरेंसिक यूनिट से भी साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने एससी एसटी एक्ट और पॉक्सो सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुसंधान अति. पुलिस अधीक्षक एसआईयूसीएडब्ल्यू चूरू डॉ. कृष्णा सामरिया के निर्देशन में शुरू किया गया। आरोपी मंजूर अली के निशानदेही पर घटनास्थल की तस्दीक के दौरान उसने पुलिस अभिरक्षा से भागने का प्रयास किया, भागते समय पत्थरों में गिरने पर उसके पैर में भी चोट आयी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए राजकीय अस्पताल तारानगर भेजा गया।

मोबाइल शॉप में हुई चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की ओगणा थाना पुलिस ने मोबाइल शॉप पर हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 55 स्मार्टफोन, 50 चार्जर, की-पैड और 17 हजार रुपए नकद बरामद किए गए हैं।

थानाधिकारी रामरूप मीणा ने बताया कि आरोपी मनसाराम उर्फ मनीष व सुरेश को गिरफ्तार किया है। दोनों ने मिलकर 4 सितंबर 2026 की रात को ग्राम पडावली कला में भेरूलाल कुम्हार की मोबाइल शॉप में गत दिनों अज्ञात बदमाशों ने चो री की वारदात को अंजाम दिया था। चोरों ने पीछे की दीवार में लोहे के हथियार से छेद किया।फिर गल्ले से नगदी, मोबाइल, रिपेयरिंग के लिए आए 55 स्मार्टफोन,50 चार्जर और 200 मोबाइल टफन ग्लास सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए थे।

तोड़फोड़ के विरोध में सरमथुरा के बाजार बंद रहे

सरमथुरा, (निसं)। शनिवार को टाइगर रिजर्व सेंचुरी के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान उपद्रवियों ने दुकानों और होटलों में तोड़फोड़ की। इसके विरोध में व्यापारियों ने बाजार बंद कर दिया। पुलिस प्रशासन की समझाइश और कार्रवाई के आश्वासन के बाद बाजार दोबारा खुल गया।

टाइगर रिजर्व सेंचुरी को लेकर सरमथुरा उपखंड के बसंतपुरा मोड़ पर बड़ा धरना प्रदर्शन चल रहा था। इसमें सपोटरा विधानसभा क्षेत्र सहित सैकड़ों गांवों के लोग शामिल हुए थे। सरमथुरा उपखंड क्षेत्र के कई गांवों के लोग भी धरने में मौजूद थे। शनिवार को सरमथुरा बंद था। शाम करीब 5 बजे प्रदर्शनकारियों की एक भीड़ सरमथुरा कस्बे की ओर निकल गई। जैसे ही वे कस्बे में घुसे, उन्होंने बंद दुकानों के सामने रखी मेज और लगे कैमरों को तोड़ दिया।

रामदेवरा में 642वें भादवा मेले का आग़ाज़

बाबा रामदेवजी की समाधि का विशेष श्रृंगार कर सोने का मुकुट धारण कराया

जैसलमेर/रामदेवरा, (निसं)। जय बाबा री... के जयघोष से शनिवार को लोकदेवता बाबा रामदेवजी की समाधि स्थली रामदेवरा भक्तिमय हो उठी। देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं के पहुंचने के साथ ही 642वें भादवा मेले का विधिवत आगाज हुआ। बाबा की समाधि का विशेष श्रृंगार कर सोने का मुकुट धारण कराया गया। मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगने लगी हैं और पूरा रामदेवरा आस्था के रंग में रंगा नजर आ रहा है।

मेले में बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए दर्शन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए करीब 150 पुजारी व्यवस्थाओं में जुटे हैं। श्रद्धालु कतारबद्ध होकर बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शन कर रहे हैं। मंदिर परिसर में लगातार बाबा के जयकारे गूंज रहे हैं।

भादवा मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है। मेला क्षेत्र में करीब 600 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। प्रमुख मार्गों, मंदिर परिसर और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर कैमरों के माध्यम से नजर रखी जा रही है। भादवा मेले में राजस्थान के साथ देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। श्रद्धालु बाबा रामदेवजी की समाधि पर शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना कर रहे हैं। मेले के आगामी दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है। रामदेवरा में मेले को लेकर दुकानदारों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों में भी उत्साह है। पूरे मेला क्षेत्र में धार्मिक आस्था के साथ मेले की रौनक दिखाई देने लगी है।

- **मेले में राजस्थान के साथ देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू**

मसूरिया बाबा के मन्दिर पर भक्तों की कतारें लगी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के मसूरिया बाबा के मन्दिर पर रविवार को बाबा रामदेव की बीज पर लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। बाबा रामदेव के दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह नजर आया। अनेक घरों में भी बाबा की पूजा अर्चना कर लोगों ने व्रत रखा। मंदिर परिसर में तड़के चार बजे 108 दीपों से महाआरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। आध्यात्मिक महत्व की इस महाआरती दर्शन के लिए भक्तजन आधी रात को ही लाइन में आ खड़े हुए थे। मां आरती के समय पूरा मसूरिया क्षेत्र बाबा के जयकारों से गूंज उठा। दोपहर करीब 11:15 बजे पारंपरिक रूप से ध्वजारोहण किया गया। रविवार होने के कारण आज सरकारी विभागों का अवकाश था इसके चलते शहरी लोगों की भी आज मेले में भारी भीड़ उमड़ी। एक अनमोल के अनुसार आज एक ही दिन में करीब 1 लाख श्रद्धा वालों ने मसूरी बाबा के दर्शन किए। सूर्यनगरी में हर तरफ बाबा के जयकारे गूंज रहे थै वहीं भक्ति संगीत की लहरिया भी माहौल को बाबा के रंग में रंगे हुए थी। मसूरिया में बड़ी संख्या में पैदल श्रद्धालुओं के झुंड नाचते-गाते बाबा के दरबार पहुंचे। मसूरिया स्थित गुरु बालीनाथजी की समाधि स्थली पर दिन भर मेला भरा गया। गौरतलब है कि हर साल बाबा रामेदव की चांदनी बीज (दूज) से लेकर दशमी तक यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं। शहरवासियों के अलावा अलग-अलग राज्यों और शहरों से भी लोग पैदल यात्रा कर यहां आते हैं। रविवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। इससे पूर्व सुबह 11 बजे ध्वजारोहण के साथ बाबा के मेले का आगाज किया गया।

उदयपुर में तीन हिस्ट्रीशीटरों के घर पर पुलिस की दबिश, आरोपी फरार

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में फायरिंग की बढ़ती वारदातों पर एक्शन लेते हुए अंबामाता थाना पुलिस ने शनिवार देर रात क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर्स के घरों में दबिश दी। आरोपी भनक लगते ही घर से फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने घर की तलाशी ली। अलमारी, बैग सहित अन्य जगह को चेक किया। साथ ही परिजनों को चेताया कि उनके पास अगर अवैध हथियार हैं, वे पुलिस को सौंप दें। नहीं तो कड़ा एक्शन होगा।

पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर हनीफ उर्फ छका, फरदीन उर्फ बुगी और सोहेल उर्फ पोया के घर पर अचानक पहुंचकर दबिश दी थी। इसके बाद हड़कंप मच गया। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर सोहेल उर्फ पोया के घर से एक बिना नंबर की बाइक जब्त की है। संभावना है कि बाइक का उपयोग किसी वारदात या फिर फरारी के लिए काम में लिया जाना था। इस दौरान अंबामाता थाना पुलिस ने एक अवैध पिस्टल और 1 जिंदा कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी हुकम सिंह शेखावत ने बताया कि आरोपी आदिल उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया है। मुखबिर से सूचना मिली थी कि आदिल नाम का युवक रिंग रोड पिछोला पर पिस्टल लेकर घूम रहा है। जिस पर टीम तुरंत मौके पर पहुंची। आदिल जाब्ते को देखते ही भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए उसे डिटेन किया। फिर उसकी तलाश ली तो 1 पिस्टल और 1 जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पूछताछ में सामने आया कि उसने यह हथियार खुद की सुरक्षा के लिए अपने सगे भाई अमन हुसैन से लिया था। साथ ही वह हथियार से अपना रुतबा और खौफ पैदा करना चाहता था। पुलिस ने आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज करते हुए आगे जांच शुरू कर दी है।

बॉर्डर पर तस्करों ने ड्रोन से करोड़ों की हेरोइन के पैकेट गिराए

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पुलिस और बीएसएफ ने ड्रोन से भेजी गई करीब 30 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की है। श्रीगंगानगर के रावला थाना क्षेत्र के 14 केएनडी गांव में खेत से 11 पैकेट में 5 किलो 615 ग्राम हेरोइन और अलग पैकेट में 508 ग्राम अफीम मिली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मादक पदार्थ पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए सीमा पार गिराए गए थे। कार्रवाई 12 सितंबर की रात में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान हुई।

बीएसएफ से मिली सूचना के आधार, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। बीएसएफ बीकानेर रेंज की टीम के निर्देशन में कार्रवाई की गई। बाद में श्रीगंगानगर पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद रावला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इस ऑपरेशन में सीआईडी और बीएसएफ की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार रावला थाना क्षेत्र के 14 केएनडी गांव निवासी संतराम बिश्नोई के खेत में सर्च अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान खेत में संदिग्ध पैकेट मिला।

अलवर में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन दोस्तों को कुचला, मौत

परिजनों का आरोप है कि रंजिश के चलते तीनों की हत्या की गई है, कार से कुचलने के बाद सिर पर पत्थर से वार किए गए

अलवर, (निसं)। तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन दोस्तों को रौंद दिया। तीनों की मौके पर मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक और कार नाले की तीन फीट ऊंची दीवार से टकरा गई, जिससे दीवार टूट गई। एक युवक उछलकर नाले में गिर गया। वहीं बाइक के परखच्चे उड़ गए।

घटना अरावली विहार थाना इलाके में काली मोरी स्थित मोती नगर में शनिवार रात 10:15 बजे की है। परिजनों का आरोप है कि रंजिश के चलते तीनों की हत्या की गई। कार से कुचलने के बाद सिर पर पत्थर से वार किए गए। रविवार सुबह आठ बजे से परिजन और स्थानीय लोग जिला हॉस्पिटल के बाहर बिजली घर चौराहे पर धरने पर बैठ गए और आरोपियों को गिरफ्तार कर फांसी देने की मांग की।

उनका कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती, तब तक धरने से नहीं हटेंगे, शव नहीं लेंगे। वहीं, धरने पर बैठी महिलाएं बिलख-बिलख कर रो पड़ीं। नौ घंटे बाद तीनों मृतकों के परिजनों और पुलिस प्रशासन में सहमति बनी।

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

पुलिस ने 72 घंटे में आरोपियों को पकड़ने का आश्वासन दिया है। इसके बाद तीनों मृतकों के परिजन शवों का पोस्टमॉर्टम करवाने को तैयार हुए।

थाना प्रभारी सुनील टांक ने बताया कि चोर डूंगरी निवासी जितेंद्र सिंह उर्फ छोटू (22) पुत्र बजरंग सिंह राजपूत, तहसीलदार कॉलोनी निवासी युवराज उर्फ युवी (21) पुत्र नेमीचंद सैनी और काला कुआं इलाके निवासी हिमांशु (22) पुत्र धर्मेंद्र शर्मा की मौत हुई है। राजेश कसाना ने बताया कि धर्मेंद्र शर्मा ने रिपोर्ट दी है कि उनके बेटे हिमांशु व उसके दो साथियों की कार से टक्कर मारकर हत्या की गई। उसके अनुसार हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

युवराज (मृतक) के पिता नेमीचंद सैनी ने आरोप लगाया कि यह सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि सोची-

- कार में चार से पांच युवक सवार थे, जो वारदात के तुरंत बाद गाड़ी को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए
- रविवार सुबह परिजन और स्थानीय लोग धरने पर बैठ गए और आरोपियों को गिरफ्तार कर फांसी देने की मांग की
- नौ घंटे बाद तीनों मृतकों के परिजनों और पुलिस प्रशासन में सहमति बनी, पुलिस ने 72 घंटे में आरोपियों को पकड़ने का आश्वासन दिया

समझी साजिश के तहत की गई हत्या है। युवराज का कॉलोनी के ही कुछ युवकों (सचिन मीणा व अन्य) से विवाद चल रहा था। जिस कार से बाइक को पीछे से टक्कर मारी गई, वह सचिन मीणा के नाम पर ही रजिस्टर्ड है। कार में 4 से 5 युवक सवार थे, जो वारदात के तुरंत बाद गाड़ी को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए।

मृतक युवराज के चाचा दिनेश सैनी ने बताया कि युवराज, जितेंद्र और हिमांशु शनिवार रात पुराना भूरासिद्ध मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के बाद अपने किसी दोस्त से मिलने जा रहे थे। काली मोरी के पास पहले उनको कार से कुचला गया। फिर उसके बाद सिर पर पत्थर से वार किए गए। मौके पर क्षत-विक्षत शव दूर-दूर मिले। एक शव नाले के अंदर पड़ा मिला। जिस कार ने टक्कर मारी, उसमें चोर डूंगरी निवासी सचिन मीणा पुत्र बल्लू, सागर, पलटा और आकाश थे। सचिन पर पहले भी मुकदमे दर्ज हैं। वह कुछ महीने पहले ही जेल से छूटकर आया था। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पाली के निकट दो ट्रेलरों में भिड़ंत, ड्राइवर जिंदा जला

पाली, (निसं)। पाली नगर के ट्रांसपोर्ट थाना क्षेत्र में 72 फुट बालाजी के पास दो ट्रेलरों के बीच टक्कर में एक ड्राइवर जिंदा जल गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया।

ट्रांसपोर्ट थाना अधिकारी हनुमत सिंह सिसोदिया ने बताया कि गुजरात क्षेत्र से टाइल्स से भरा ट्रेलर टोंक जिले के मालपुरा तहसील के अकहताडी गांव के कानाराम पुत्र रामकरण जयपुर की तरफ जा रहा था। हाइवे पर ट्रांसपोर्ट नगर के सामने ट्रेलर तकनीक खराबी के कारण अचानक रुक गया, ऐसे में दूसरा ड्राइवर ट्रेलर लेकर पीछे से टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि पीछे के ट्रेलर की केबिन टूट गई और आग लग गई और उसमें फंसकर ड्राइवर जिंदा जल गया। हादसे की सूचना मिलते ही थाना पुलिस का जाप्ता मौके पर पहुंचा और फायर

आग लगने से ट्रेलर के आगे का हिस्सा पूरी तरह जल गया।

ब्रिगेड को फोन किया। जब तक दमकल कर्मी पहुंचे, ड्राइवर जल गया। काफी मुश्किल के बाद पुलिस ने केबिन तोड़कर ड्राइवर को बाहर निकाला और बांगड़ अस्पताल भेजा जहां डॉक्टर ने जांच करने के बाद मृत घोषित कर दिया।

पाटन में सिलेंडर फटने से महिला झुलसी

पाटन, (निसं)। पाटन पुलिस थाने के पीछे रविवार शाम गैस सिलेंडर फटने से एक महिला झुलस गई। हादसे की तेज आवाज सुनकर पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे और घायल महिला को पुलिस वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला की हालत को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार पाटन निवासी मधु देवी (48) पत्नी बाबूलाल सैनी रविवार शाम अपने घर के किचन में गई थीं।

बताया जा रहा है कि जैसे ही उन्होंने किचन में लाइट ऑन की, अचानक गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया। तेज धमाके के कारण मधु देवी झुलस गईं। सिलेंडर फटने की जोरदार आवाज पाटन थाने में रोल कॉल कर रहे पुलिसकर्मियों को भी सुनाई दी।धमाके की आवाज सुनते ही पुलिसकर्मी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और घायल महिला को संभाला। थानाधिकारी बद्री प्रसाद मीणा ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस वाहन से महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने महिला का प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद आसपास के क्षेत्र में भी अफरा-तफरी का माहौल हो गया। पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाते हुए हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

बूंदी में घर के बंद कमरे में पति-पत्नी के शव मिले

फंदे से लटकी मिली पत्नी, फर्श पर पति का शव पड़ा हुआ था, दोनों हाथ की नसें कटी हुई थीं

बूंदी, (निसं)। शहर में घर के कमरे में पति-पत्नी के शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पत्नी फंदे से लटकी हुई थी, वहीं पति का शव फर्श पर पड़ा था। जिसके दोनों हाथ की नसें कटी हुई थी। घटना कोतवाली थाना इलाके के ब्रह्मपुरी में रविवार सुबह करीब 7:15 बजे की है। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। कमरा अंदर से बंद था। पुलिस गेट तोड़कर अंदर घुसी। दोनों शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए। पुलिस ने एफएसएल टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए। पुलिस प्रथम दृष्टया सामूहिक आत्महत्या का मामला मानकर चल रही है।

पति-पत्नी का फाइल फोटो

प्राप्त जानकारी के अनुसार घर में 2 कमरे हैं। पति-पत्नी फर्स्ट फ्लोर के कमरे में रहते थे। उनकी 9 महीने की बेटी ग्राउंड फ्लोर के कमरे में दादी के पास सो रही थी। दोनों की 2 साल पहले नाता प्रथा से शादी हुई थी। डीएसपी अनिल जोशी ने बताया कि हनीफ (37) और उसकी पत्नी रोशन (34) के शव कमरे से मिले हैं। शुरुआती जांच में घटनास्थल की परिस्थितियां आत्महत्या की ओर संकेत कर रही हैं। हालांकि, मृतकों के शरीर पर चोट के निशान भी मिले हैं, इसलिए पुलिस आत्महत्या व हत्या सहित सभी एंगल से जांच कर रही है।

पड़ौसी बुलाने गया तो अंदर से बंद था कमरा :- बच्ची सुबह करीब 7:15 बजे भूख के कारण नीचे वाले कमरे में रो रही थी। इस पर हनीफ की मां ने पड़ोसी को बुलाकर ऊपर के कमरे में भेजा। पड़ोसी ऊपर पहुंचा तो गेट बंद मिला। उसने कमरे का गेट बजाया। नहीं खोलने पर उसने खिड़की से झांका तो दोनों को फंदे पर लटका हुआ देखकर चिल्लाया। उसकी चीख सुनकर आसपास के लोग इकठ्ठा हो गए। इसके बाद करीब 7:30 बजे पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस करीब 8 बजे मौके पर पहुंची और कमरे का गेट तोड़कर दोनों शवों को बाहर निकाला। हनीफ के भतीजे अकील अंसारी ने बताया कि रोशन की मानसिक हालत ठीक नहीं थी। उसका इलाज चल रहा था। एक दिन पहले ही उसे हॉस्पिटल दिखाने गए थे। पड़ोसियों और परिजनों ने बताया कि पति-पत्नी में अक्सर झगड़ा होता रहता था। परिवार को आशंका है कि महिला ने पति पर हमला किया होगा। हनीफ ने करीब 2 साल पहले कैथून निवासी रोशन से नाता प्रथा से शादी की थी। हनीफ 4 भाइयों और 3 बहनों में सबसे छोटा था। वह सिलाई का काम करता था। पुलिस यह पता कर रही है कि घटना से पहले घर में क्या हालात थे। पति-पत्नी के बीच कोई झगड़ा हुआ था या नहीं। पुलिस परिजनों और पड़ोसियों से पूछताछ कर रही है। कोतवाली थाना प्रभारी रमेश आर्य ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला सामूहिक आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जुटाए गए सबूतों के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक की मौत

रूपवास/भरतपुर, (निसं)। रूपवास क्षेत्र के भरतपुर मार्ग पर खानुआ के निकट शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सड़क किनारे खराब होकर खड़े ट्रक में पीछे से बाइक घुस जाने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भरतपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गहनौली थानाधिकारी कृष्णवीर ने बताया कि दाउदपुर निवासी संजय पुत्र हरवीर बाइक से खानुआ की ओर से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान खानुआ और पूठिया का नगला के बीच सड़क किनारे खड़े एक खराब ट्रक में उसकी बाइक पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भरतपुर भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

होटल में पुलिस की दबिश

रतनगढ़, (निसं)। शहर में नेशनल हाईवे-11 स्थित एक होटल में संदिग्ध गतिविधियां संचालित होने की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए होटल संचालक सहित छह जनों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में पांच युवक शामिल हैं।

सीआई संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस को होटल में संदिग्ध गतिविधियां संचालित होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम सिविल ड्रेस में मौके पर पहुंची और होटल की निगरानी शुरू की। इसके बाद पुलिस ने होटल में दबिश दी, जहां पांच युवक और होटल संचालक मौजूद मिले।

सांभर के देवयानी सरोवर में एक माह से "वाटर एरेटर मशीन" खराब

"वाटर एरेटर मशीन" का काम पानी में हवा मिलाकर घुलित ऑक्सीजन बढ़ाना होता है, इससे मछलियों व जलीय जीवों को ऑक्सीजन मिलती है

सांभरझील, (निसं)। हिंदुस्तान सांभर साल्ट्स लिमिटेड का उपक्रम सांभर साल्ट्स लिमिटेड की ओर से लगभग तीन लाख की लागत से देवयानी सरोवर में हजारों की तादाद में मछलियों व जलीय जीवों के लिए ऑक्सीजन लेवल को बढ़ाने व आंशिक स्वच्छता के लिए लगाई गई 3 दिशाओं में वाटर एरेटर मशीन का एक माह से संचालन बंद पड़ा है।

गौरतलब है कि इसका काम पानी

- सांभर साल्ट्स की तरफ से इन मशीनों को स्थानीय निकाय विभाग के सुपुर्द किया गया था

में हवा मिलाकर घुलित ऑक्सीजन बढ़ाना होता है। इससे मछलियों और अन्य जलीय जीवों को ऑक्सीजन मिलती है और पानी की गुणवत्ता सुधारने में मदद मिलती है। इसे एरेशन मशीन भी बोला जाता है। सांभर साल्ट्स की तरफ से इन मशीनों को स्थानीय निकाय विभाग

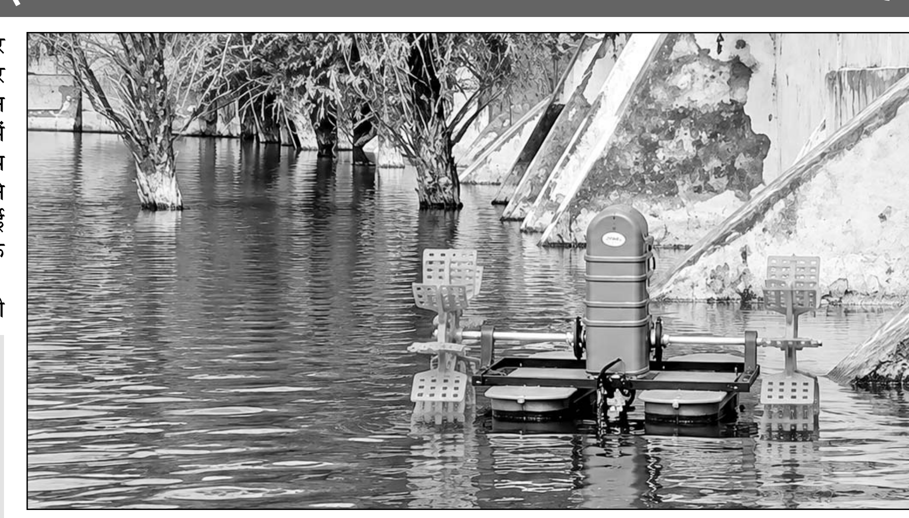

सोलर ऊर्जा से संचालित वाटर एरेटर मशीनों में से एक गंगा घाट के किनारे पर उल्टी पड़ी है।

के सुपुर्द इस उद्देश्य से किया गया था कि लोकल बॉडी होने के नाते वह इसके संचालन में अपना योगदान करेगी, भली भांति से इनकी देखरेख भी करेगी। सोलर ऊर्जा से संचालित होने वाली वाटर एरेटर मशीनों में से एक तो गंगा घाट के किनारे पर उल्टी पड़ी है। पंडित रतन शर्मा का कहना है कि नगर पालिका अपने दायित्व और कर्तव्य के प्रति पूरी तरह से विमुख है, अधिशाषी अधिकारी को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। साल्ट के अधिकारी दिलबाग सिंह का कहना है कि हमने हमारे स्तर पर इन मशीनों को लगवा कर पालिका को सुपुर्द किया था, अब तो उनकी ही जिम्मेदारी है।

खत्री का निधन

जैसलमेर। थार हेरिटेज म्यूजियम के संस्थापक व साहित्यकार लक्ष्मीनारायण खत्री का निधन हो गया। समाचार मिलते ही साहित्य, कला, संस्कृति एवं पर्यटन जगत में शोक की लहर छा गई।

इंस्टाग्राम चेटिंग के शक में पति ने पत्नी पर चाकू से हमला किया

पत्नी पर हमला करने के बाद पति ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना उपखंड के कैला देवी झील का बाड़ा क्षेत्र के जंगलों में इंस्टाग्राम चेटिंग के शक में एक पति ने अपनी ही पत्नी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी पति ने सालाबाद रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस और उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की।

मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी सुशील को अपनी पत्नी रजनी पर इंस्टाग्राम पर किसी से बातचीत करने का शक था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। सुशील अपनी पत्नी रजनी को कैला देवी झील का बाड़ा के जंगलों की तरफ ले गया, जहां उसने रजनी पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में रजनी की गर्दन और पेट पर गंभीर चोटें आई हैं। रजनी की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे, जिन्हें देखकर सुशील अपनी बाइक वहीं छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना के कुछ समय बाद सुशील ने सालाबाद रेलवे स्टेशन के पास आकर एक ट्रेन के आगे छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

आरपीएफ की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव की शिनाख्त सुशील के रूप में की। दोनों की शादी करीब 3 साल पहले हुई थी। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ देवेंद्र जाखड़ और सीआई रामगिलास गुर्जर पुलिस जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल रजनी का अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने सुशील के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

माण्डलगढ़ के काछोला में करोड़ों की भूमि के आवंटन को लेकर विवाद गहराया

माण्डलगढ़, (निसं)। भीलवाड़ा जिले के माण्डलगढ़ क्षेत्र में काछोला कस्बे में स्टेट हाइवे से सटी बेशकीमती करोड़ों की भूमि के आवंटन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत राज विभाग की ओर से उक्त भूमि को नियमों को दरकिनार कर बाहरी कॉलोनाइजर को आवंटित करने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है। वहीं दूसरी ओर, इस जमीन के नियम विरुद्ध आवंटन प्रक्रिया को लेकर काछोला की संघर्ष समिति द्वारा हाईकोर्ट में याचिका दाख़िल करा रखी है, लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते पंद्राहातराज विभाग के अफ़सर बाहरी व्यक्तियों को करोड़ों की जमीन को कौड़ियों में देने के लिए फाइल को तेजी से बढ़ा रहे हैं।

काछोला संघर्ष समिति और ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत की बेशकीमती भूमि की कीमत और भविष्य की उपयोगिता को देखते हुए स्थानीय स्तर पर लंबे समय से आपत्तियां उठाई जाती रही है। उसी भूमि के आवंटन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाना कई सवाल खड़े करता है। इस मामले को लेकर प्रशासन के समक्ष कई बार मांग रखी कि जब तक न्यायालय में मामला विचाराधीन है, तब तक भूमि आवंटन की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए, लेकिन फिर भी प्रक्रिया को जारी रखा हुआ है।

- बेशकीमती पंचायत की भूमि को कौड़ियों में बाहरी कॉलोनाइजर को आवंटन करने की तैयारी जोरों पर
- स्टेट हाइवे सड़क से सटी सरकारी भूमि के आवंटन पर रोक लगाने के लिए संघर्ष समिति हाईकोर्ट पहुंची

विवादित भूमि स्टेट हाइवे से सटी होने के कारण बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार भविष्य में इस भूमि का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं, सरकारी संस्थानों अथवा अन्य जनहित के कार्यों में किया जा सकता है। ऐसे में इसे किसी बाहरी व्यक्ति कॉलोनाइजर को आवंटित किए जाने की प्रक्रिया ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय जरूरतों और जनहित को प्राथमिकता देने के बजाय जमीन के व्यावसायिक इस्तेमाल की संभावनाओं को तरजीह दी जा रही है। मामले को लेकर गांव की संघर्ष समिति ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि जब विवादित भूमि को लेकर न्यायिक प्रक्रिया चल रही है, तो पंद्राहातराज विभाग के जिम्मेदारों को न्यायालय के अंतिम निर्णय तक यथास्थिति बनाए रखनी चाहिए। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि एक तरफ मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है और दूसरी तरफ आवंटन प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने की कोशिश क्यों की जा रही है?

माण्डलगढ़ पंचायत समिति के पूर्व सदस्य जगदीश चंद्र बैरवा, संघर्ष समिति काछोला प्रतिनिधि ओमनाथ योगी, दुर्गा शंकर आचार्य, कैलाश गगरानी श्यामलाल आचार्य ने संभागीय आयुक्त, जिला कलैक्टर, एसडीएम माण्डलगढ़, विकास अधिकारी माण्डलगढ़ को कई बार प्रेषित किए। पत्र में आरोप लगाया कि काछोला-धामनिया स्टेट हाइवे सड़क से सटी बेशकीमती आबादी भूमि थलकलां चौराहे के पास स्थित हैं। पंचायत की भूमि से सटी एक खातेदारी भूमि में कोटड़ी के एक कॉलोनाइजर ने आवासीय और व्यवसायिक भूखण्ड बनाकर विक्रय करने की योजना हैं। कॉलोनाइजर की भूमि में प्रवेश के लिए कोई रास्ता उपलब्ध नहीं होने से विगत 3 वर्ष से प्रस्तावित भूखण्ड विक्रय नहीं हो सके हैं।

संघर्ष समिति ने बताया कि कॉलोनाइजर को पंचायत भूमि आवंटित किए जाने को लेकर माण्डलगढ़ पंचायत समिति के तत्कालीन विकास अधिकारी ने पिछले वर्ष में तीन बार साधारण सभा बैठक बुलाई थी, लेकिन पंचायत समिति सदस्यों ने इसका विरोध किया और बैठकों का बहिष्कार भी किया था। इस बीच उक्त आबादी भूमि में 5 पट्टे के लिए कॉलोनाइजर से डीएलसी दर की राशि ग्राम पंचायत ने जमा कर रशीद जारी कर दी। पंचायत समिति सदस्यों का कार्यकाल समाप्त होने पर तत्कालीन माण्डलगढ़ विकास अधिकारी ने आबादी भूमि में पट्टे जारी करने की अनुशंसा फाइल को जिला परिषद को भेजा गया था और जिला परिषद से अजमेर सम्भागीय आयुक्त से फाइल अनुमोदन कराने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा हैं।

काछोला संघर्ष समिति प्रतिनिधि ओमनाथ योगी ने बताया पंचायत की तीन वर्ष पूर्व पंचायत की भूमि में जबरन रास्ता निकालने को लेकर कॉलोनाइजर और तत्कालीन सरपंच प्रह्लाद नट के बीच विवाद हुआ था और प्रशासन की मौजूदगी में पंचायत की भूमि पर चारदीवारी कर सुरक्षित किया गया था और ग्राम पंचायत द्वारा मालिकाना हक का बोर्ड भी लगाया था। उक्त भूमि के आवंटन होने की आशंका पर ओमनाथ योगी ने जोधपुर हाईकोर्ट में याचिका भी दायर कर रखी हैं। फिर भी राजनीतिक हस्तक्षेप और पंचायतराज के अफसरों से कॉलोनाइजर ने मिलीभगत कर गुपचुप तरीके से करोड़ों की भूमि को कौड़ियों में लेने के लिए संभागीय आयुक्त के यहाँ से स्वीकृति प्राप्त कर पट्टे जारी कराने की प्रक्रिया की जा रही हैं।

हाल ही में नव नियुक्त विकास अधिकारी ने आदेश क्रमांक 1114 दिनांक 01.09.2026 जारी कर फिर से एक नई जाँच कमेटी बनाई, कमेटी ने 03.09.2026 को मौके पर जाकर जाँच की। कमेटी में 2 सहायक विकास अधिकारी व एक अति. विकास अधिकारी को शामिल किया गया। कमेटी ने अपनी जाँच रिपोर्ट में श्रवण कुमार सोनी, ज्योति सोनी, आशा सोनी निवासी कोटड़ी से 30.03.2025 को 1.95 लाख, 1.98 लाख, 1.99 लाख राशि पंचायत कोष में जमा होने की बात बताई। कमेटी ने माना कि पंचायत की जमीन आराजी नं. 2046 पर हाईकोर्ट में केस क्रमांक 17684/2025 और कंटेम्प्ट 1765/2025 चल रहा है, जिसकी सुनवाई 07.09.2026 को नियत थी।लेकिन इसमें कोई स्थगन आदेश नहीं है और भूमि आवंटन फाइल पहले ही 06.08.2026 को जिला परिषद भीलवाड़ा सीईओ को भेज दी गई थी।

स्वाति झा, एसडीएम एवं प्रशासक, पंचायत समिति माण्डलगढ़ का कहना है कि काछोला पंचायत की आबादी भूमि को पंचायत समिति स्तर पर आवंटन प्रक्रिया की अनुशंसा करने की शिकायत मिली हैं, इस मामले में पंचायत समिति विकास अधिकारी जाँच के निर्देश दिए हैं, जाँच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

डूंगरपुर शहर में घर के अंदर घुसा लैपर्ड

कुत्तों पर झपटा लैपर्ड, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

डूंगरपुर, (निसं)। पुराने शहर के रिहायशी इलाके में शनिवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक लैपर्ड अचानक घर में घुस गया। घर में मौजूद कुत्तों को देखते ही लैपर्ड उन पर झपटा और हमला कर दिया। घर में घुसने से लेकर कुत्तों पर हमला करने तक की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज सामने आने के बाद आसपास के लोगों में दहशत और बढ़ गई।

लोगों ने बताया कि शनिवार शाम करीब 6 बजे फरासवाडा निवासी जुम्मा भाई के घर के पास स्थित बाड़ियों से लैपर्ड निकला। इसके बाद वह सीधे घर के पोर्च में दाखिल हो गया। घर में मौजूद कुत्तों

- लोगों ने वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरा लगाने, निगरानी बढ़ाने और लैपर्ड को सुरक्षित पकड़कर जंगल में छोड़ने की मांग की

पर नजर पड़ते ही लैपर्ड ने उन पर हमला कर दिया। वही कुत्ते भोंकने लगें। इसके बाद लैपर्ड भाग गया। लेकिन अचानक हुई इस घटना से घर के आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

भोईवाड़ा और फरवाड़ा क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लैपर्ड की मूवमेंट दिखाई दे रही हैं। रिहायशी इलाके में लगातार इसकी मौजूदगी से स्थानीय लोगों में डर का माहौल है। लोग शाम और रात के समय घरों से बाहर निकलने में भी डर रहे हैं। लोगों का कहना है कि वे बाड़ियों और आबादी क्षेत्र नहीं जा पा रहे है । लोगों का कहना है कि रिहायशी इलाके में लैपर्ड की लगातार मौजूदगी के बावजूद उसकी निगरानी और सुरक्षित रेस्क्यू के लिए प्रभावी कार्रवाई जरूरी है। लोगों ने वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरा लगाने, निगरानी बढ़ाने और लैपर्ड को सुरक्षित पकड़कर जंगल में छोड़ने की मांग की है।

जयपुर के 150 वार्ड खोलेंगे दिग्गजों के "राजनीतिक खाते"

सोमवार को नतीजों के साथ तय होगी किसका दबदबा बढ़ा, किसकी रणनीति पड़ी भारी और किसकी सियासी जमीन खिसकी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर निगम चुनाव में मतदान के बाद अब सोमवार को होने वाली मतगणना पर पूरे प्रदेश की नजर है। जयपुर के 150 वार्डों का फैसला राजधानी के नए नगर निगम बोर्ड की तस्वीर तो साफ करेगा ही, इसके साथ ही भाजपा और कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के राजनीतिक प्रभाव का भी आकलन होगा। चुनाव में दांव सिर्फ पार्षदों की जीत का नहीं है, बल्कि विधानसभा क्षेत्रों में अपनी पकड़ साबित करने का भी है।

24 लाख से अधिक मतदाताओं वाले जयपुर में 63.55 प्रतिशत मतदान हुआ है। अब वार्डवार परिणामों से पता चलेगा कि मतदाताओं ने स्थानीय मुद्दों, प्रत्याशियों और पार्टी के पक्ष में किस तरह जनादेश दिया। खास बात यह है कि परिणामों को मुख्यमंत्री से लेकर उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों और दोनों दलों के प्रदेश एवं जिला संगठन की रणनीति से जोड़कर देखा जाएगा।

ईवीएम में बंद जनादेश, नेताओं की खुली परीक्षा

नगर निगम चुनाव के दौरान टिकट वितरण सबसे बड़ा सियासी मुद्दा रहा। भाजपा और कांग्रेस दोनों में कई वार्डों में टिकट को लेकर विरोध हुआ। कुछ जगह बागियों ने अधिकृत प्रत्याशियों के सामने ताल ठोकी तो कहीं असंतुष्ट दावेदारों को मनाने के लिए वरिष्ठ नेताओं को मैदान में उतरना पड़ा।

मतदान के बाद दोनों दलों ने संभावित विजेता प्रत्याशियों को अपने खेमे में बनाए रखने की कवायद भी शुरू कर दी। ऐसे में अब नतीजे सिर्फ जीत-हार नहीं बताएंगे, बल्कि यह भी तय करेंगे कि टिकट बांटने से लेकर बागियों को साधने तक किस पार्टी का चुनावी मैनेजमेंट ज्यादा असरदार रहा।

भाजपा में सबसे बड़ा सवाल : सरकार-संगठन की पकड़ कितनी मजबूत?

भजनलाल शर्मा : सांगानेर के चुनाव परिणामों का संदेश पूरे प्रदेश में जाएगा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर का परिणाम भाजपा के लिए सबसे ज्यादा राजनीतिक मायने रखेगा। यहां पार्टी का प्रदर्शन सीधे मुख्यमंत्री की स्थानीय पकड़ और संगठनात्मक क्षमता के पैमाने पर देखा जाएगा। सांगानेर में भाजपा कितने वार्ड जीतती है, इसका असर मुख्यमंत्री की राजनीतिक छवि पर भी चर्चा का विषय बनेगा।

दीया कुमारी : विद्याधर नगर में प्रतिष्ठा की लडाई

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के विधानसभा क्षेत्र विद्याधर नगर में भाजपा के प्रदर्शन पर भी निगाह रहेगी। चुनाव प्रचार के दौरान उनकी सक्रियता रही। मतदान के दिन विरोध की घटना ने भी क्षेत्र को चर्चा में ला दिया था। अब नतीजे बताएंगे कि क्षेत्र में पार्टी के पक्ष में उनका प्रभाव कितना कायम है।

राज्यवर्धन सिंह : झोटवाड़ा में ताकत का टेस्ट

उद्योग मंत्री और झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के लिए भी नगर निगम चुनाव अहम हैं। झोटवाड़ा में भाजपा कितने वार्डों में जीत दर्ज करती है, इससे क्षेत्र में उनके संगठनात्मक नेटवर्क और कार्यकर्ताओं पर पकड़ का अंदाजा लगाया जाएगा।

सराफ : टिकट विवाद के बाद परिणाम पर नजर

मालवीय नगर में टिकट वितरण को लेकर उठे विवाद ने भाजपा की अंदरूनी राजनीति को सुर्खियों में रखा। वार्ड 76 को लेकर हुए घटनाक्रम के बाद अब परिणाम पर खास निगाह है। भाजपा यहां बेहतर प्रदर्शन करती है तो संगठन विवाद से बाहर निकलने में सफल माना जाएगा, वहीं कमजोर प्रदर्शन ने स्थानीय राजनीति में नई बहस को जन्म दे सकता है।

गोपाल शर्मा : सिविल लाइंस में गुटबाजी चुनौती

सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा के क्षेत्र में भी टिकट वितरण को लेकर चुनाव से पहले चर्चाएं रहीं। यहां के नतीजे बताएंगे कि पार्टी के भीतर अलग-अलग धड़ों को एकजुट रखने में नेतृत्व कितना सफल रहा और भाजपा का संगठन बूथ स्तर तक कितना प्रभावी रहा।

बालमुकुंदाचार्य : पुराने शहर का मूड दिखेगा

हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य के लिए परकोटा क्षेत्र के नतीजे खास महत्व रखते हैं। पुराने शहर में स्थानीय समीकरणों के बीच भाजपा का प्रदर्शन उनकी राजनीतिक पकड़ का महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा।

कांग्रेस के सामने 'वापसी' का सबसे बड़ा मौका

रफीक खान : आदर्शनगर में आधार बचाना चुनौती

आदर्श नगर विधायक रफीक खान के लिए निगम चुनाव पार्टी के पारंपरिक आधार को मजबूत करने की परीक्षा हैं। यदि कांग्रेस यहां बड़ी संख्या में वार्ड जीतती है तो इसे उनकी स्थानीय पकड़ के साथ-साथ पार्टी की वापसी के संकेत के रूप में देखा जाएगा।

अमीन कागजी : किशनपोल का पुराना समीकरण?

किशनपोल विधायक अमीन कागजी के क्षेत्र में कांग्रेस की स्थिति पर भी नजर रहेगी। पुराने शहर में कांग्रेस के पारंपरिक प्रभाव को बनाए रखना पार्टी के लिए चुनौती है। यहां के नतीजे यह तय करेंगे कि कांग्रेस का पुराना वोट बैंक किस हद तक उसके साथ खड़ा रहा।

प्रशांत शर्मा-पुष्पेंद्र भारद्वाज : स्थानीय मैनेजमेंट

जयपुर में कांग्रेस के टिकट चयन और चुनावी रणनीति में स्थानीय नेताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही। अब वार्डवार नतीजे यह बताएंगे कि स्थानीय नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों के बीच कितना बेहतर समन्वय बनाया।

डोटासरा के लिए जयपुर बनेगा राजनीतिक संदेश

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के लिए जयपुर के नतीजे केवल नगर निगम चुनाव का परिणाम नहीं होंगे। राजधानी में कांग्रेस का प्रदर्शन पार्टी के प्रदेश नेतृत्व की रणनीति का रिपोर्ट कार्ड भी माना जाएगा। कांग्रेस मजबूत स्थिति में आती है तो डोटासरा इसे भाजपा सरकार के खिलाफ शहरी जनमत के रूप में पेश कर सकते हैं। कमजोर प्रदर्शन होने पर टिकट वितरण, गुटबाजी और संगठन की सक्रियता पर सवाल उठेंगे।

सुनील शर्मा की होगी भी "अग्नि परीक्षा"

जयपुर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा की भूमिका भी परिणामों के बाद चर्चा में रहेगी। प्रत्याशी चयन, बागियों को साधने और चुनावी प्रबंधन में जिला संगठन की भूमिका रही। ऐसे में कांग्रेस कितने वार्डों में जीत दर्ज करती है, इससे जिला संगठन की कार्यक्षमता का भी आंकलन होगा।

150 वार्डों के बाद शुरू होगा असली "बोर्ड गेम"

मतगणना के बाद तस्वीर केवल भाजपा बनाम कांग्रेस की जीत तक सीमित नहीं रहेगी। किस दल के पास बहुमत के करीब आंकड़ा है, कितने निर्दलीय निर्णायक स्थिति में हैं और किन वार्डों में जीत का अंतर बेहद कम रहा-इन सभी सवालों के जवाब अगले सियासी समीकरण तय करेंगे। मेयर की कुर्सी तक पहुंचने से पहले दोनों दलों को पार्षदों का आंकड़ा जुटाना होगा। ऐसे में सोमवार की मतगणना जयपुर के लिए सिर्फ चुनाव परिणाम नहीं, बल्कि राजधानी की अगली राजनीतिक सत्ता का पहला अध्याय होगी।

पत्नी और 3 बेटियों की हत्या कर भागा राहुल झा रींगस से गिरफ्तार

वारदात के बाद राहुल जयपुर से भागकर खाटूश्यामजी पहुंचा था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। पत्नी और तीन बेटियों की हत्या के बाद फरार हुए राहुल झा (45) को करधनी थाना पुलिस ने रींगस से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तलाशते हुए शनिवार को पकड़ा। इसी दिन आरोपी की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

जयपुर पश्चिम डीसीपी प्रशांत किरण के अनुसार वारदात के बाद राहुल जयपुर से भागकर खाटूश्यामजी पहुंचा और दर्शन करने के बाद एक होटल में ठहरा। उसके पास खर्च के लिए रुपए नहीं थे। उसने होटल में अपनी अंगूठी बेचकर रुपए लेने की कोशिश की, लेकिन होटल संचालक ने अंगूठी के बदले 500 रुपए देने से भी इनकार कर दिया। इसके बाद वह होटल से निकलकर रींगस पहुंचा, जहां पुलिस ने उसे दबोच लिया। गौरतलब है कि पुलिस को शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे करधनी स्थित मकान में महिला और उसकी तीन बेटियों की हत्या की सूचना मिली थी। मौके पर गीता झा (40), बेटी नंदनी (22), राधिका (17) और गिरीश उर्फ गौरी (14) के खून से लथपथ शव मिले थे। गीता का शव मकान की पहली मंजिल के कमरे में, जबकि तीनों बेटियों के शव ग्राउंड फ्लोर के दो कमरों में मिले थे। पुलिस को घर से राहुल के खून से सने कपड़े और उसका मोबाइल मिला था, जो बंद था।

आरोपी राहुल झा

- प्रारंभिक पुलिस जांच में सामने आया कि राहुल कर्ज में डूबा हुआ था। पुलिस को शक है कि उसने पहले पत्नी और बेटियों को खाने में जहर दिया, सुबह सभी को जिंदा देखकर सभी को पत्थर से कुचलकर मार डाला।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि राहुल कर्ज में डूबा हुआ था। पुलिस को शक है कि उसने पहले पत्नी और बेटियों को खाने में जहर दिया। इसके बाद सुबह उठकर उसने सभी को देखा। उन्हें जिंदा देखकर उसने घर के बाहर रखी करीब डेढ़ फीट लंबी और करीब 10 किलो वजनी सीमेंट की पट्टी से पत्नी और बेटियों के सिर व चेहरे पर वार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद खून से सने कपड़े बदल लिए। जांच में यह भी सामने आया कि राहुल ने सुबह करीब 7 बजे दूध वाले से दूध लिया और अपने 85 वर्षीय पिता लक्ष्मीनाथ झा के लिए चाय बनाई।

इसके बाद पिता से बाहर जाने की बात कहकर घर से निकल गया। पुलिस टीमें तभी से सीसीटीवी फुटेज खंगालकर उसकी तलाश कर रही थीं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब आरोपी से वारदात के कारण और पूरी घटना के बारे में पूछताछ कर रही है।

विघ्नहर्ता गणपति और हिन्दी, दोनों भारतीय संस्कृति की शक्ति, संवेदना और संस्कार के प्रतीक : देवनानी

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गणेश चतुर्थी एवं हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्री गणेश भारतीय संस्कृति में बुद्धि, विवेक, ज्ञान, संयम और शुभारम्भ के प्रतीक हैं, वहीं हिन्दी हमारी भावनाओं, संस्कारों, विचारों और राष्ट्रीय एकता को अभिव्यक्ति देने वाली सशक्त भाषा है।

देवनानी ने कहा कि गणपति की आराधना से विघ्न तो दूर होते ही है साथ में जीवन में विवेक को सर्वोच्च स्थान देने की प्रेरणा भी मिलती है। भगवान गणेश हमें सिखाते हैं कि बडी से बडी चुनौती का समाधान शक्ति से पहले बुद्धि, धैर्य और संतुलित विचार से खोजा जाता है। गणेश चतुर्थी का पर्व समाज में सद्भाव, सेवा, संस्कार और सामूहिकता की भावना को सुदृढ़ करता है।

हिन्दी दिवस के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि हिन्दी भारत की आत्मा की सहज अभिव्यक्ति और जन-जन के संवाद की सशक्त भाषा है। हिन्दी ने देश की विविधताओं को जोडने और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हिन्दी के साथ-साथ सभी भारतीय भाषाएं हमारी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर हैं और उनका संरक्षण तथा संवर्धन हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

नहर के गणेशजी मंदिर में सजा मोदकों का दरबार

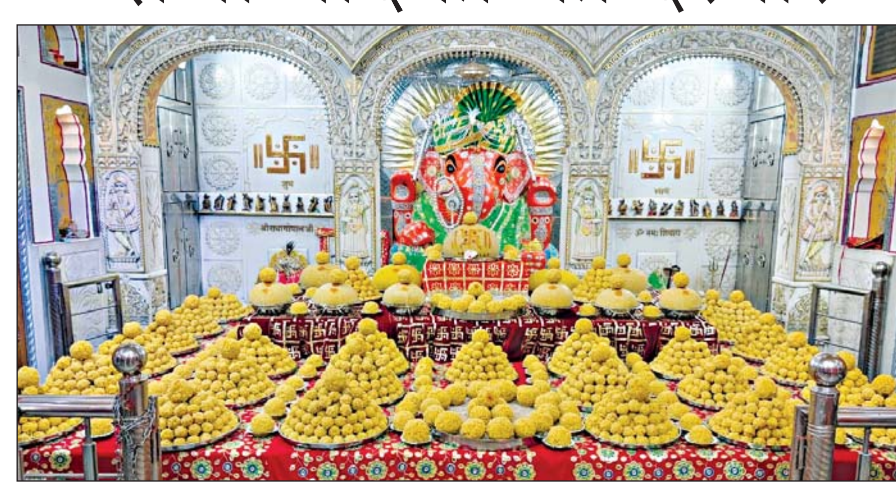

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित नगर के अतिप्राचीन दाहिनी सूंड दक्षिण मुखी श्री नहर के गणेश जी महाराज मंदिर में रविवार को सिंजारा उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। शाम 5 बजे से आयोजित उत्सव में गणपति जी को विशेष लहरिया पोशाक और साफा धारण करवाया गया। इसके बाद असंख्य मोदकों की आकर्षक झांकी सजाई गई।

मंदिर युवाचार्य पं. मानव शर्मा ने बताया कि मंदिर महंत पं. जय शर्मा के सान्निध्य में गणपति जी को हाथ से तैयार की गई विशेष लहरिया पोशाक एवं साफा धारण करवाया गया। इसके बाद भगवान गणेश को सिंजारे की मेहंदी अर्पित कर झांकी की आरती की गई।

शाम 5:30 बजे से मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को सुख-समृद्धि दायक नवीन चौले का सिंदूर और सौभाग्यदायक सिंजारे की मेहंदी वितरित की गई। श्रद्धालुओं ने इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। इस दौरान प्रेम भाया मंडल की ओर से भजनों का सरस गायन किया गया, जिससे मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। मंदिर में सोमवार को गणेश चतुर्थी का महापर्व मनाया जाएगा। इसकी शुरुआत सुबह 5 बजे मंगला आरती से होगी। वहीं मंगलवार को ऋषि पंचमी का पारंपरिक आयोजन किया जाएगा।

- सिंजारे की मेहंदी और सिंदूर बांटा, लहरिया पोशाक व साफे में सजे गणपति
- भजनों के साथ मनाया सिंजारा उत्सव, श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा

परकोटा गणेश मंदिर में 111 किलो मेहंदी बांटी

चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर में गणेश जन्मोत्सव के तहत धार्मिक आयोजनों की धूम जारी है। इसी कडी में सिंजारा मेहंदी उत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। महंत अमित शर्मा के सान्निध्य में आयोजित उत्सव के दौरान प्रथम पूज्य भगवान गणेश को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ मेहंदी अर्पित की गई। इसके बाद 111 किलो मेहंदी श्रद्धालुओं में प्रसाद के रूप में वितरित की गई।

विश्व हिन्दू परिषद की केंद्रीय बैठक सम्पन्न

जयपुर। विश्व हिन्दू परिषद के मंदिर एवं अर्चक पुरोहित संपर्क आयाम की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक का आयोजन जयपुर के सिल्वर इन में किया गया। बैठक में देशभर से आए आयाम से जुडे प्रमुख पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। बैठक के मुख्य वक्ता विश्व हिन्दू परिषद के अन्तर्राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. मिलिन्द परांडे रहे। उन्होंने मंदिरों, अर्चक एवं पुरोहित समाज की भूमिका, संगठनात्मक कार्यों तथा समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने के विषय पर मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक में केन्द्रीय संयुक्त महामंत्री वैंकेट कोटेश्वर, अखिल भारतीय मंदिर अर्चक पुरोहित प्रमुख अरुण नेटके, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री राजस्थान आनंद पाण्डे, क्षेत्रीय मंत्री सुरेश उपाध्याय, प्रांत अध्यक्ष सुभद्र पापड़ीवाल तथा प्रांत मंत्री राधेश्याम गौतम सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का क्षत-विक्षत शव

जयपुर। बिंदायका थाना इलाके में श्योसिंह पुरा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर रविवार को 30 वर्षीय युवक का क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर बिंदायका थाना पुलिस और फुलेरा आरपीएफ मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस के अनुसार मृतक के पास से ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। मृतक ने काले रंग की शर्ट और जींस पहन रखी थी। उसकी उम्र करीब 30 वर्ष बताई जा रही है। शव की शिनाख्त नहीं होने के कारण पुलिस हुलिए के आधार पर परिजनों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलो विनोद कुमार पारीक पुत्र श्री नथमल पारीक, उम्र 68 वर्ष एंव सरोज पारीक पत्नी विनोद कुमार पारीक उम्र 64 वर्ष, निवासी प्लाट नं. 248 ए, बालाजी विहार-2 कालवाड रोड, गोविन्दपुरा-झोटवाड़ा, जयपुर के पुत्र विशाल उम्र 35 वर्ष व पुत्रवधु रूपाली उम्र 35 वर्ष मेरे मुवक्किलो के कहने मे नही है। आए दिन मेरे मुवक्किलो के साथ लड़ाई-झगड़ा, गाली-गलौच, दुर्व्यवहार, मनमानी करते है एंव कोई भरण-पोषण/ घरखर्चा नही देते है, ना ही ईलाज करवाते है। इस कारण मेरे मुवक्किलो ने पुत्र विशाल, पुत्रवधु रूपाली को अपनी स्वअर्जित चल-अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है। आज से विशाल, रूपाली का मेरे मुवक्किलो की चल-अचल सम्पति से कोई संबंध, हक व अधिकार नही रहा है। विशाल, रूपाली के द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के लेनदेन, संव्यवहार व कृत्यो के लिए मेरे मुवक्किलो की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नही रहेगी। यदि कोई भी व्यक्ति / संस्था विशाल, रूपाली से कोई संव्यवहार/लेन-देन करते है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगें। अतः सूचित रहे।
(देवेन्द्र कुमार शर्मा) अधिवक्ता, मो.-8619818937

कार्यालय ग्राम पंचायत हिम्मतपुरा
पंचायत समिति तूंगा, जिला जयपुर
क्रमांक: ग्रा.पं./निविदा /2026-27/154
दिनांक 12/09/26
निविदा सूचना 2026-27
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत में विद्युत प्रकाश व्यवस्था हेतु स्ट्रीट लाईट निर्माण कार्य करने हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मो से निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म /शर्ते ऑनलाईन /कार्यालय में उपलब्ध है।
निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है। जिसका
NIB. No- PTG2627A0039
UBN. NO- PT62627WS0B00038
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत हिम्मतपुरा
पं.स.तूँगा (जयपुर)

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में सिंजारा की मेहंदी के लिए उमड़ा जनसैलाब

मेहंदी के प्रसाद के लिए कई घंटों कतार में लगे रहे श्रद्धालु, जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

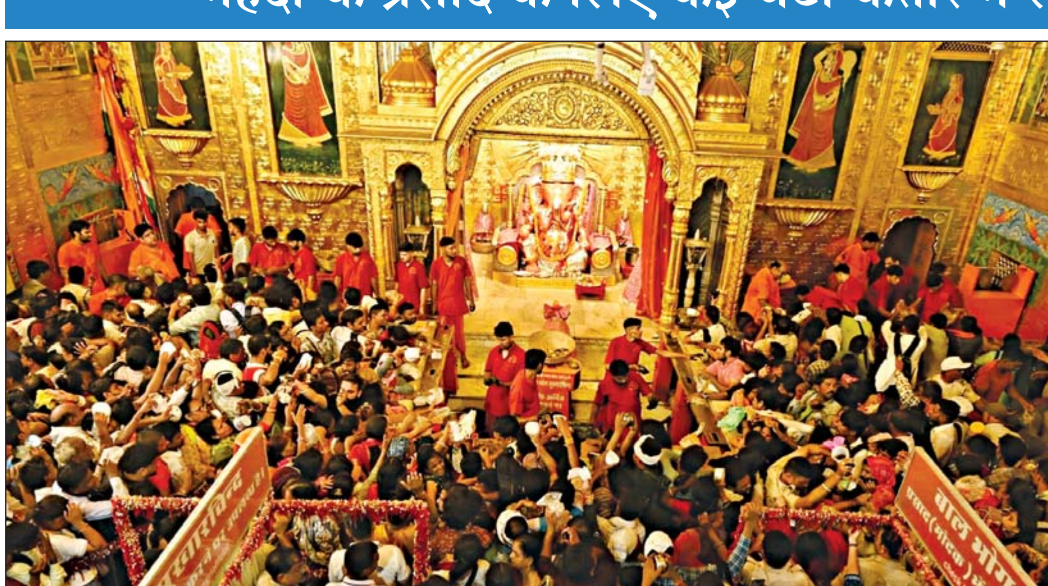

भगवान गणेश को अर्पित की जाने वाली मेहंदी लेने के लिए मोतीडूंगरी मंदिर में सिंजारा महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। इस दौरान मंदिर परिसर से लेकर जेएलएन रोड़ व आस-पास के क्षेत्र में पैर रखने तक की जगह नहीं बची।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। गणेश चतुर्थी से एक दिन पहले रविवार को मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में सिंजारा महोत्सव के दौरान भगवान गणेश को अर्पित की जाने वाली मेहंदी लेने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल रील्स में सिंजारा की मेहंदी को लेकर विवाह के संयोग बनने की मान्यता का दावा किए जाने के बाद जयपुर के अलावा दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों से श्रद्धालु जयपुर पहुंचे। कई लोग शनिवार रात से ही मंदिर के आसपास डेरा डाले हुए थे।

सुबह मंदिर खुलने के साथ भीड़ बढ़ती गई। मंदिर के बाहर कतारें एमडी रोड और जेएलएन मार्ग तक पहुंच गई। भीड़ के चलते गणेश चतुर्थी के लिए प्रस्तावित यातायात डायवर्जन भी एक दिन पहले लागू करना पड़ा। जेडीए सर्किल सहित आसपास के क्षेत्रों में बैरिकेडिंग की गई। मेहंदी लेने के लिए श्रद्धालुओं में कई जगह धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। पुलिसकर्मियों को भीड़ नियंत्रित करने में मशक्कत करनी पड़ी।

3500 किलो मेहंदी मंगवाई सोजत से

महंत परिवार के अभिषेक शर्मा ने बताया कि प्रथम पूज्य के दरबार में परिवार में मांगलिक कार्य के दौरान मनाए जाने वाले सिंजारे की तरह ही उत्सव मनाया जा रहा है। इसके लिए सोजत से करीब 3500 किलो मेहंदी मंगवाई गई है। भगवान गणेश को मेहंदी अर्पित करने के बाद इसे श्रद्धालुओं में प्रसाद के रूप में वितरित किया जाएगा। श्रद्धालु इसे घर ले जाकर शगुन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। मेहंदी प्रसाद का वितरण पहले रात 7.30 बजे करीब आठ स्थानों से किया जाना था, लेकिन भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने समय शाम 5 बजे से करने की घोषणा की। महिलाओं और कन्याओं के लिए भी अलग व्यवस्था रखी गई।

गणेशजी ने पहना स्वर्ण मुकुट और नौलखा हार

सिंजारा महोत्सव के दौरान भगवान गणेश का विशेष श्रृंगार किया गया। चांदी के सिंहासन पर विराजित गणेशजी को विशेष पोशाक, नौलखा हार और स्वर्ण मुकुट धारण कराया गया। यह स्वर्ण मुकुट साल में केवल गणेश चतुर्थी के अवसर पर धारण कराया जाता है। मोती, सोना, पन्ना और माणक से तैयार नौलखा हार महंत परिवार ने करीब तीन महीने में तैयार किया है।

आज गणेश जन्मोत्सव, रात 11.40 बजे तक दर्शन

गणेश चतुर्थी पर 14 सितंबर को भगवान गजानन का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। मंगला आरती सुबह 5 बजे होगी और शयन आरती रात 11.40 बजे होगी। विशेष पूजन सुबह 11.20 बजे, श्रृंगार आरती 11.30 बजे, भोग आरती दोपहर 2.15 बजे और संध्या आरती शाम 7 बजे होगी। भोग के दौरान दोपहर 1.30 से 2 बजे तक मंदिर के पट मंगल रहेंगे। इसके बाद श्रद्धालु पुनः दर्शन कर सकेंगे।

72 कैमरों से निगरानी, प्रवेश की 6 और निकास की 8 लाइनें

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मंदिर परिसर में छह डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी) और छह हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर (एचएचएमडी) लगाए जाएंगे। पूरे परिसर की निगरानी 72 नए सीसीटीवी कैमरों से होगी और इनकी रिकॉर्डिंग 30 दिन तक सुरक्षित रखी जाएगी। दर्शन के लिए प्रवेश की छह लाइनें और वापसी के लिए आठ लाइनें रहेंगी। एक लाइन पास धारकों के लिए होगी।

बुजुर्ग और दिव्यांगों के लिए 100 ई-रिक्शा

गणेश चतुर्थी पर श्रद्धालुओं के लिए एमडी रोड, जेएलएन मार्ग और तख्तेशाही रोड से मंदिर की ओर प्रवेश व्यवस्था रहेगी। बुजुर्गों और निःशक्तजनों की सुविधा के लिए चौबीसों घंटे 100 ई-रिक्शा संचालित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए चार इलेक्ट्रिक लो-फ्लोर बसें भी उपलब्ध रहेंगी। व्यवस्थाओं के लिए करीब 500 स्वयंसेवक तैनात किए जाएंगे।

जेडीए सर्किल से मंदिर तक बैरिकेडिंग

सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए जेडीए सर्किल से मंदिर तक तथा एमडी रोड पर भैरव पथ से बैरिकेडिंग की जाएगी। रिजर्व बैंक से मंदिर तक भी बैरिकेडिंग रहेगी। मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि दर्शन के दौरान कैमरा और अनावश्यक सामान साथ नहीं लाएं, ताकि प्रवेश और सुरक्षा जांच में परेशानी नहीं हो।

15 सितंबर को नगर भ्रमण से समापन

मोती डूंगरी गणेश मंदिर का नौ दिवसीय उत्सव 15 सितंबर को गणेशजी के नगर भ्रमण के साथ संपन्न होगा।

गणेश जी महाराज शाम को मोती डूंगरी मंदिर से रवाना होकर एमडी रोड, जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, गणगौरी बाजार और नाहरगढ़ रोड होते हुए गढ़ गणेश मंदिर पहुंचेंगे। नगर भ्रमण में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

मैंने अभी तक पाकिस्तान की टेस्ट टीम के पूर्णकालिक कोच बनने के बारे में गंभीरता से विचार नहीं किया है, लेकिन अगर ऐसा अवसर मिलता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी।

– माइक हेसन

पाक टीम के कोच, पाकिस्तान टेस्ट टीम के कोच बनने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

आर के श्रीवास्तव

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने संगठन के महानिदेशक कमांडर आरके श्रीवास्तव के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही उन्हें तत्काल प्रभाव से महानिदेशक के पद से जुड़े सभी दायित्व और अधिकारों का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश दिया गया है। कारण बताओ नोटिस में श्रीवास्तव पर कर्तव्य में लापरवाही और जानबूझकर निर्देशों की अवहेलना समेत कई आरोप लगाए गए हैं। इनमें विश्व कप से पहले बिना पूर्व अनुमति राष्ट्रीय टीम की जर्सी के रंगों में बदलाव का फैसला प्रमुख है।

क्या आप जानते हैं ?... एशियाई खेलों में भारत का रिकॉर्ड : एथलेटिक्स भारत के लिए सबसे ज्यादा पदक लाने वाला खेल रहा है, जिसमें देश ने सर्वाधिक स्वर्ण और कुल पदक हासिल किए हैं।

जापान पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल, प्रमोद भगत ने जीता स्वर्ण

टोक्यो, 13 सितंबर। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने जापान पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। स्टार खिलाड़ी प्रमोद भगत ने पुरुष एकल में स्वर्ण और पुरुष युगल में रजत पदक अपने नाम किया, जबकि सुकांत कदम ने अपने करियर के 100 पदक पूरे कर बड़ी उपलब्धि हासिल की। पुरुष एकल एसएल3 के फाइनल में प्रमोद ने हमवतन यू कुमार को सीधे गेम में 21-16, 21-08 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा पुरुष युगल एसएल3-एसयू5 में प्रमोद और सुकांत की जोड़ी को रजत से संतोष करना पड़ा। फाइनल में उन्हें इंडोनेशिया के हिकमत रामदानी और फ्रेडी सेतियावान ने मात दी। प्रमोद ने जीत के बाद कहा कि स्वर्ण और रजत के साथ टूर्नामेंट समाप्त करना उनके लिए बेहद खुशी की बात है। उन्होंने एकल फाइनल में शुरुआती दबाव के बावजूद धैर्य बनाए रखने और अपनी लय हासिल करने को जीत की कुंजी बताया।

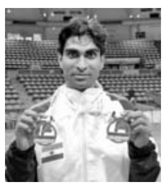

द. अफ्रीका ने नामीबिया को 8 विकेट से हराकर एकदिवसीय सीरीज पर 3-0 से कब्जा किया

नई दिल्ली, 13 सितंबर। दक्षिण अफ्रीका ने नामीबिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। तीसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने 157 रन के मामूली लक्ष्य को सिर्फ 22 ओवर के भीतर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ टीम ने घरेलू सत्र में प्रवेश से पहले अपना आत्मविश्वास बढ़ाया है, जबकि नामीबिया के लिए इस सीरीज ने कई कमजोरियों को उजागर किया है। दक्षिण अफ्रीका की जीत में कार्यवाहक कप्तान ब्योर्न फोर्टुइन की भूमिका सबसे अहम रही। उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 33 रन देकर चार विकेट लिए। फोर्टुइन के लिए यह दौरा व्यक्तिगत तौर पर भी यादगार रहा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय सीरीज का खिताब भी दिलाया था और उस प्रतियोगिता में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे।

टीम नेवी स्टैलियन्स गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी की चैम्पियन बनी

जयपुर, 13 सितम्बर। जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब में गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी के फाइनल के साथ मॉनसून पोलो सीज़न का रोमांचक समापन हुआ। एक बेहद कड़े मुकाबले में टीम नेवी स्टैलियन्स ने टीम कृष्णा को हराया। लेफ्टिनेंट कर्नल यतिंदर इस दिन के स्टार रहे, उन्होंने सटीकता और शानदार अंदाज़ में नेवी टीम की कमान संभाली। कैप्टन एपी सिंह के मज़बूत डिफेंस और रवींद्र मांग को दिए गए बेहतरीन पास की मदद से स्टैलियन्स टीम आगे बढ़ी। यतिंदर और रवींद्र दोनों ने हैट्रिक लगाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। टीम कृष्णा ने भी बहादुरी से मुकाबला किया; अश्विनी, मयंक और मेजर एआरएस वाराइच ने मिलकर कोशिश की, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। फ़ाइनल स्कोर 11-6 रहा और टीम नेवी स्टैलियन्स गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी की चैंपियन बनी। इसके साथ ही जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब मॉनसून पोलो सीजन का जोश से भरा और यादगार समापन हुआ।

जूनियर गर्ल्स राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए राजस्थान की 20 सदस्यीय टीम घोषित

जयपुर, 13 सितम्बर। राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि अखिल भारतीय फुटबाल संघ के तत्वाधान में आयोजित जूनियर गर्ल्स राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता अनन्तपुर, (आंध्र प्रदेश) में आयोजित हो रही है।

राजस्थान जूनियर बालिका - टीम का प्रशिक्षण शिविर कैंप 21 दिवसीय धौलपुर में लगाया गया जिसमे विभिन्न जिलों की 30 बालिकाओं ने भाग लिया। कठिन प्रशिक्षण के बाद आज 20 बालिकाओं का राजस्थान टीम में चयन किया गया जो निम्न प्रकार है।

टीम इस प्रकार है - कप्तान - प्रतिज्ञा, उप कप्तान - धन्नू, मानसी, मीना, शिल्पी, गीत, साक्षी, सविता, कृष्णा, मनीषा, नंदिनी, तारा, राधिका, दिव्यांशी, आलिया, छोटी, दिव्या, शिवानी, बिंदिया और मनस्वी। हेड कोच संगीता दास, कोच देवेन्द्र परमार, मैनेजर लक्की परमार, और फिजियो वंकिता टंडन, अनंतपुर जाएंगी।

इस अवसर पर जिला फुटबाल संघ धौलपुर अध्यक्ष गुरमीत मान, सचिव संदीप राणा, वी के एकेडमी से अरविंद शर्मा तथा खालसा क्लब से हरजीत संधु और पलविंदर बैंस मौजूद रहे और राजस्थान फुटबॉल संघ अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल, चेयरमैन डॉक्टर प्रहलाद और महिला विंग की चेयरपर्सन रोशनी टाक ने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

भारत ने चीन को 1-0 से हराकर जीता महिला जूनियर हॉकी एशिया कप, लगातार तीसरी बार बना चैम्पियन

मोकी (चीन), 13 सितंबर। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने रविवार को मेजबान चीन को 1-0 से हराकर एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने लगातार तीसरी बार महिला जूनियर एशिया कप का खिताब जीतकर खिताबी हैट्रिक पूरी की। साथ ही भारतीय टीम ने एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया।

भारत की जीत की नायिका सानिका चंद्रकांत माने रहीं, जिन्होंने मैच के 17वें मिनट में शानदार गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। उनका यह गोल अंत तक निर्णायक साबित हुआ। भारतीय टीम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने भी इनाम की घोषणा की है। टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 3 लाख रुपये, जबकि सपोर्ट स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1.5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

फाइनल मुकाबले की शुरुआत बेहद सतर्क अंदाज में हुई। दोनों टीमों पर दबाव साफ नजर आया। चीन की जूनियर महिला हॉकी टीम ने गेंद पर ज्यादा कब्जा रखते हुए भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस ने शानदार संयम दिखाया। पहले क्वार्टर में स्कोर 0-0 रहा। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही भारत ने बढ़त हासिल कर ली। 17वें मिनट में सानिका ने शानदार गोल कर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। चीन को बराबरी का सबसे बड़ा मौका मैच के एकमात्र पेनल्टी कॉर्नर पर मिला, लेकिन उसका प्रयास गोल में बदल नहीं सका। हाफ टाइम तक भारत 1-0 से आगे रहा।

तीसरे क्वार्टर में चीन ने बराबरी के लिए आक्रामक शुरुआत की और गोल करने का प्रयास किया, लेकिन गोल नहीं कर पाया। अंतिम क्वार्टर पूरी तरह भारतीय डिफेंस के नाम रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी सर्कल के आसपास बेहद अनुशासित और मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया। चीन ने लगातार बराबरी की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस को भेदने में नाकाम रहा। आखिरी सीटी बजते ही भारत ने 1-0 की शानदार जीत के साथ ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

भारत ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया। टीम ने एलीट पूल में तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराया और फाइनल में चीन को 1-0 से मात देकर खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

// टीम इंडिया का विजयी आगाज //

भारतीय टीम ने पहले टी-20 मैच में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। भारतीय टीम ने रविवार को पहले टी-20 मैच में अफगानिस्तान को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अजमतुल्लाह उमरजई की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 156 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने अभिषेक शर्मा की तूफानी फिफ्टी की बदौलत सात विकेट से मैच अपने नाम किया। अभिषेक ने 32 गेंद में 82 रन बनाए। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

अफगानिस्तान ने रविवार को भारत के खिलाफ पहले टी20 मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 156 रन बनाए। टीम के लिए अजमतुल्लाह उमरजई ने सर्वाधिक 64 रन बनाए। भारत के लिए अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट लिए। शिवम दुबे ने अपने आखिरी ओवर में 21 रन खर्च किए। जिसकी बदौलत अफगानिस्तान 150 के पार पहुंचने में सफल रहा। इसके जवाब में भारत को तीसरे ओवर में पहला झटका लगा। संजू सैमसन 8 गेंद में 10 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक शर्मा ने 32 गेंद में 82 रन बनाए। उन्होंने सात चौके और इतने ही छक्के लगाए। ईशान किशन ने 33 गेंद में 42 रन का योगदान दिया। बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम को पहले ही ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज के रूप में पहला झटका लगा। वह खाता नहीं खोल सके। चौथे ओवर में कप्तान इब्राहिम जादरान रन आउट होकर पवेलियन लौटे। सेदिकुल्लाह अटल 13 गेंद में 13 रन ही बना पाए। उन्हें अर्शदीप सिंह ने कैच आउट करवाया। वरुण चक्रवर्ती ने दरविश रसूली को क्लीन बोल्ड किया। अर्शदीप ने नबी को आउट करके भारत को छठा झटका दिया। नबी ने 27 गेंद में 33 रन बनाए। राशिद खान 10 गेंद में एक रन ही बना पाए। नूर खाता नहीं खोल सके।

भारत-अफगानिस्तान टी-20 मैच में पहली बार गूंजा वंदे मातरम, क्रिकेट मैदान पर बना ऐतिहासिक क्षण

नई दिल्ली, 13 सितंबर। भारत और अफगानिस्तान के बीच नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में रविवार को भारतीय क्रिकेट में एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पहली बार राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का आधिकारिक रूप से गायन किया गया। टॉस के बाद पहले राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की प्रस्तुति हुई और उसके बाद राष्ट्रगान जन गण मन गाया गया। इसके साथ ही क्रिकेट के मैदान पर राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान की प्रस्तुति का यह पहला अवसर बन गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों के तहत वंदे मातरम् के सभी छह अंतरों वाली आधिकारिक प्रस्तुति की गई। राष्ट्रगीत की प्रस्तुति करीब तीन मिनट 10 सेकंड की रही, जबकि राष्ट्रगान करीब 52 सेकंड का था। दोनों की प्रस्तुति में कुल करीब चार मिनट दो सेकंड का समय लगा। गृह मंत्रालय ने राष्ट्रगीत के 150वें वर्ष के समारोहों के तहत 06 फरवरी को वंदे मातरम् के गायन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए थे। इनमें तीन मिनट 10 सेकंड की आधिकारिक प्रस्तुति निर्धारित की गई है।

भारत ने 8वीं बार जीता एशिया कप का खिताब, फाइनल में श्रीलंका को रौंदा

दुबई, 13 सितम्बर। भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को हराकर आठवीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। भारत ने दुबई में खेले गए इस मुकाबले में श्रीलंका को 72 रनों से हराया। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही और ग्रुप चरण से लेकर फाइनल तक टीम ने दमदार प्रदर्शन किया।भारत ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाए। भारत के लिए शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतक जड़े। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई।

शुरुआती झटके के बाद संभला श्रीलंका

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। क्रांति गौड़ ने इमिशा दुलानी को बोल्ड कर श्रीलंका को पहला झटका दिया। दुलानी चार रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद कप्तान चामरी अट्टापट्टू और विश्मी गुणारत्ने ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को दीप्ति ने अट्टापट्टू को आउट कर तोड़ा। चामरी 32 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 36 रन बनाए।

मंधाना-शेफाली का दिखा दम

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी हुई। शेफाली वर्मा ने इस दौरान टी20 करियर का 21वां अर्धशतक जड़ा। इस साझेदारी को चामुदी प्रबोदा ने शेफाली को आउट कर तोड़ा। शेफाली 39 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 68 रन बनाकर आउट हुईं। इसके कुछ देर बाद मंधाना भी अपना विकेट गंवा बैठीं और 39 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 59 रन बनाकर आउट हुईं।

महिला एशिया कप में भारत का दबदबा

भारतीय महिला टीम का एशिया कप में दबदबा बरकरार है। भारतीय टीम वनडे हो या टी20 इस टूर्नामेंट के हर प्रारूप में हमेशा खिताबी मुकाबले तक पहुंची है। भारत ने सर्वाधिक आठ बार खिताब अपने नाम किया है। भारत ने 2004, 2005, 2006, 2008 में वनडे प्रारूप और 2012, 2016, 2022 और 2026 में टी20 प्रारूप में एशिया कप अपने नाम किया है।

बैडमिंटन एशियन जूनियर चैम्पियनशिप

तन्वी ने जीता अंडर-17 का खिताब, फाइनल में हमवतन शायना को हराया

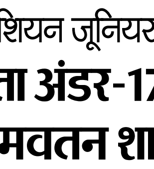

चेंगदू (चीन), 13 सितंबर। भारत की 15 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पात्री ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के अंडर-17 सिंगल्स का खिताब अपने नाम कर लिया। ऑल-इंडियन फाइनल में तन्वी ने हमवतन शायना मणिमुथु को 11-15, 15-10, 15-12 से मात दी। ओडिशा की तन्वी के लिए यह जीत 2026 के शानदार सीजन में एक और बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने इससे पहले पॉलीट्रॉन पोंटियानक इंटरनेशनल चैलेंज बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल का खिताब जीता था। साल की शुरुआत में युवा खिलाड़ी ने बेंगलुरु में आयोजित ऑल इंडिया जूनियर अंडर-19 बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट में भी खिताब अपने नाम किया था। अब उन्होंने 2024 में जीते अंडर-15 एशियन खिताब के बाद अंडर-17 का खिताब अपनी झोली में डाल लिया है। तन्वी ने क्वार्टर फाइनल में चीन की लिन हेंग मेन को लगातार दो गेम में 15-8, 15-8 से मात दी। सेमीफाइनल में कड़ी चुनौती मिली, लेकिन निर्णायक गेम में संयम बनाए रखते हुए उन्होंने चीन की यू यिंग गुई को 15-9, 11-15, 15-11 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

पाक टेस्ट क्रिकेट के साथ नाइंसाफी कर रहा : कार्तिक

नई दिल्ली, 13 सितंबर। भारत के पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने पाकिस्तान की टेस्ट टीम की आलोचना की है। उन्होंने कहा- पाकिस्तान की टीम टेस्ट क्रिकेट के साथ नाइंसाफी कर रही है। उन्होंने स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत के दौरान यह बात कही। पाकिस्तान को इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस पर कार्तिक ने पाकिस्तानी को बहुत साधारण टीम बताया। साथ ही उन्होंने कहा- 'पाकिस्तान क्रिकेट में इस समय कप्तानी, कोच और सिलेक्शन सब कुछ बेहद अस्थिर नजर आ रहा है।' कार्तिक ने टेस्ट सीरीज का एनालिसिस करते हुए कहा- 'जब मैंने यह टेस्ट सीरीज देखी, तो लगा कि पाकिस्तान टीम बेहद साधारण है। पहले दो टेस्ट मैचों में वे दोनों पारियों को मिलाकर कुल 90 ओवर भी नहीं टिक सके।

सबालेंका को अमेरिकी ओपन टेनिस में हराकर रायबाकिना बनी चैम्पियन

नई दिल्ली, 13 सितम्बर। एरिना सबालेंका ने अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरा करने का महत्वपूर्ण मौका गंवाने के बाद कोर्ट पर ही अपना गुस्सा उतारा। पिछले दो बार की चैंपियन सबालेंका ने गुस्से में गेंद को दर्शकों की तरफ मारा जिसके लिए उन्हें चेतावनी भी दी गई। उन्होंने खुद पर चिल्लाते हुए अपना पहला रैकेट जमीन पर पटका और फिर मैच खत्म होने के बाद दूसरे रैकेट को पूरी तरह से तोड़ दिया। सबालेंका को शनिवार को महिला एकल के फाइनल में एलेना रायबाकिना से 6-4, 5-7, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। इससे उनका लगातार तीन बार अमेरिकी ओपन जीतने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी बनने का सपना चकनाचूर हो गया। सबालेंका ने दो घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में खुद की गलतियों से जूझते हुए काफी निराशा व्यक्त की। सबालेंका ने कहा, "मैं अपना सारा गुस्सा और निराशा को कोर्ट पर ही निकालना चाहती थी। ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हारने पर और लगातार तीसरी बार खिताब जीतने से नाकाम रहने पर अपनी भावनाओं पर काबू रखना बहुत मुश्किल होता है।"

एशियन-गेम्स से हटाई गई दिव्यांशी ने नया वीडियो जारी किया, बोली-

खेल मंत्रालय से बात हुई, अब ठीक हूं

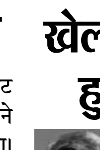

नई दिल्ली, 13 सितंबर। एशियन गेम्स की भारतीय वुशु टीम से आखिरी समय में बाहर की गईं दिव्यांशी चौधरी ने नया वीडियो जारी किया है। इसमें उन्होंने बताया कि खेल मंत्रालय के सेक्रेटरी ने पटियाला में उनसे मुलाकात की। दिव्यांशी ने कहा कि अब वह ठीक हैं। दो दिन पहले कहा था- यह मेरा आखिरी वीडियो हो सकता है 11 सितंबर को दिव्यांशी ने बताया था कि एशियन गेम्स के महिला 60 किग्रा वर्ग में उनकी जगह नाओरेम रोशिबिना देवी को भेजा जा रहा है। इसके बाद दिव्यांशी ने करीब 9 मिनट का वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में वह रोते हुए चयन प्रक्रिया पर सवाल उठा रही थीं। उन्होंने कहा था कि उन्हें गलत तरीके से टीम से बाहर किया गया है। वीडियो के आखिर में उन्होंने अपने माता-पिता से माफी मांगी और सुसाइड की बात कही थी। उन्होंने घर की छत की ओर कैमरा करते हुए इसे अपना आखिरी वीडियो बताया था।

शिफान खान के ऑलराउंड खेल से संस्कार स्कूल ने जीता फादर रेमंड कोएल्हो डायमंड जुबली कप

जयपुर, 13 सितम्बर। स्थानीय गणपति नगर रेलवे क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए फादर रेमंड कोएल्हो डायमंड जुबली कप के फाइनल मुकाबले में संस्कार स्कूल ने रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल को 9 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 126 रन बनाए। टीम की ओर से रोहन चौधरी ने 38 रन तथा मयंक कुमावत ने नाबाद 35 रन बनाए। संस्कार स्कूल की ओर से शिफान खान ने 2 विकेट हासिल किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी संस्कार स्कूल की टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मात्र 7.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाकर मुकाबला 9 विकेट से जीत लिया। संस्कार स्कूल की जीत में शिफान खान ने नाबाद 65 रन तथा आर्यमन शर्मा ने नाबाद 35 रन की शानदार पारियां खेलीं। रमन स्कूल की ओर से रोहन चौधरी को एक विकेट मिला।

पुरस्कार - मैन ऑफ द मैच: शिफान खान, **बेस्ट बल्लेबाज:** शिफान खान - 406 रन, **बेस्ट गेंदबाज:** अमन तुरपानी - 14 विकेट, **मैन ऑफ द सीरीज:** शिफान खान - 406 रन एवं 7 विकेट। फाइनल में संस्कार स्कूल के शानदार प्रदर्शन के साथ फादर रेमंड कोएल्हो डायमंड जुबली क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल समापन हुआ। टूर्नामेंट का पुरस्कार वितरण समारोह फादर रेमंड कोएल्हो के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित किया जाएगा।

पुरस्कार वितरण समारोह में राजस्थान के विभिन्न जोन के बिशप एवं फादर्स, फादर रेमंड कोएल्हो,आर्मी के जनरल मेजर करम सिंह, सेंट एंसलम पिंक सिटी मालवीय स्कूल के प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

आज फाइनल मुकाबले के टॉस के दौरान उत्तर पश्चिम रेलवे के पूर्व क्रिकेट कोच शब्बीर हुसैन, रमन स्कूल के डायरेक्टर नरवोत्तम सिंह चौहान तथा संस्कार स्कूल के स्पोर्ट्स एवं फिजिकल एजुकेशन टीचर शशि सोनी मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय अंडर-16 प्रतियोगिता में अलवर, टोंक, जैसलमेर, बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, डूंगरपुर, जोधपुर, चूरू, भरतपुर, धौलपुर जीते

जयपुर, 13 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता के आज खेले गए मैचों का परिणाम :- तविष शर्मा, केदार चौधरी, आदित्यराज बड़सरा, दैविक सोमानी ने शतक लगाया। आंजनेय शर्मा, शौर्य खोखर के पांच विकेट लिये। दौसा - भरतपुर मैच (भरतपुर जीती), जालोर - टोंक मैच (टोंक जीती), जैसलमेर - पाली मैच (जैसलमेर जीती), बांसवाड़ा - अजमेर मैच (बांसवाड़ा जीती), भीलवाड़ा - करौली मैच (भीलवाड़ा जीती), अलवर - बाड़मेर मैच (अलवर जीती), हनुमानगढ़ - धौलपुर मैच (धौलपुर जीती) डीएलएस मेथड से लक्ष्य 39.1 ओवर में 116 रन), डूंगरपुर - चित्तोड़ मैच (डूंगरपुर सुपर ओवर में जीती), सीकर - जोधपुर मैच (जोधपुर जीती) वीजेडी मेथड से लक्ष्य 39 ओवर 221 रन), चूरू - बारां (चूरू जीती)।

श्रीगंगानगर में राजस्थान स्टेट सब-जूनियर तीरंदाजी चैम्पियनशिप का समापन

श्रीगंगानगर, 13 सितंबर। राजस्थान तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में श्रीगंगानगर स्थित भामाशाह सुशील कुमार बिहानी क्रिकेट अकादमी के क्रिकेट मैदान पर आयोजित राजस्थान स्टेट सब-जूनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप 2026 का रविवार को भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन सब-जूनियर वर्ग में रिकर्व, कंपाउंड एवं इंडियन राउंड की व्यक्तिगत स्पर्धाओं के पदक मुकाबले आयोजित किए गए।

आज के व्यक्तिगत मुकाबलों के परिणाम

कंपाउंड बालक - वसु यादव - अलवर, करण - हनुमानगढ़, यश शर्मा - जोधपुर, **कंपाउंड बालिका -** कुमकुम - एनजे चैरिटेबल फाउंडेशन, मनिका बिश्नोई - हनुमानगढ़, यागिनी - हनुमानगढ़, **रिकर्व बालक -** मोहित वैष्णव - जोधपुर, विवेक कुमावत - जयपुर, आयुष गोयल - डीएसपीईएसएस, **रिकर्व बालिका -** धृति शर्मा - जयपुर, सृष्टि आहरी - उदयपुर, खुशबू जावा - डीएसपीईएसएस, **इंडियन राउंड बालक -** महेंद्र मीणा - प्रतापगढ़, मोहित - श्रीगंगानगर, युवराज वर्मा - जयपुर, **इंडियन राउंड बालिका -** प्रतिभा कंडारा - बीकानेर,निधि गाट - बीकानेर, सुहाना - श्रीगंगानगर।

यूएस ओपन 2026 : शेल्टन इतिहास रचने से एक कदम दूर, फाइनल में ज्वेरेव से होगी खिताबी जंग

नई दिल्ली, 13 सितंबर। बेन शेल्टन अब यूएस ओपन 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रचने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। अमेरिकी टेनिस स्टार शेल्टन का फाइनल में सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। अगर शेल्टन यह मुकाबला जीतते हैं, तो वह 23 साल बाद यूएस ओपन पुरुष एकल का खिताब जीतने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बन जाएंगे। फाइनल मुकाबले आज देर रात 11:30 बजे से खेला जाएगा। शेल्टन ने सेमीफाइनल में हमवतन फ्रांसेस टियाफो को हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी उनके बेहद करीब है और शेल्टन इस मौके को लेकर पूरी तरह उत्साहित हैं। जियोस्टार की ओर से साझा किए गए एक इंटरव्यू में शेल्टन ने फाइनल को लेकर कहा कि मैं पूरी तरह तैयार हूं। मैं कोर्ट पर अपना सब कुछ झोंक दूंगा। जीतूं या हारूं, मुझे अपने प्रदर्शन और अब तक किए गए सफर पर गर्व रहेगा। लेकिन यही मेरा सपना है। मैं इसी के लिए खेल रहा हूं।

सेवा संकल्प अभियान से मोदी की जनहितैषी योजनाओं को आमजन तक पहुँचाएंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सेवा संकल्प अभियान पर प्रेस वार्ता को संबोधित किया

जयपुर, सितंबर। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन 17 सितंबर से राष्ट्रव्यापी सेवा संकल्प अभियान चलाएगी। सेवा संकल्प अभियान को लेकर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का राजस्थान से विशेष लगाव रहा है। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते उन्होंने बिना मांगे राजस्थान को नर्मदा का पानी देने का कार्य किया था।
- प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यह अभियान संगठन और सरकार के स्तर पर बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक मनाया जाएगा।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 25 साल सेवा, सुशासन और जनकल्याण के तौर पर दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाते है। ऐसे में भाजपा देश-प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान चलाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अभियान के तहत 17 सितंबर से लेकर 17 अक्टूबर तक विविध प्रकल्पों के माध्यम से आमजन तक मोदी की जनहितैषी योजनाओं को पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजस्थान से विशेष लगाव रहा है, गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए भी बिना मांग के उन्होंने राजस्थान को नर्मदा का पानी देने का कार्य किया था। नर्मदा का पानी ही नहीं, मोदी जी ने राजस्थान को समय और आवश्यकता से अधिक दिया। ऐसे में हम उनका जन्मदिन सेवा संकल्प अभियान के तौर पर वृहद स्तर पर मनाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू होने वाले "सेवा संकल्प" अभियान को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री भजललाल शर्मा ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान का आगाज 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम से किया जाएगा। इस दिन शाम को 7 बजे सभी एक दीया जाएंगे। इसके बाद, मेरे सपनों का भारत-चित्र सेवा, नमो सेवा अनकही कहानियां, आंगन मिलन सेवा, सेवा की कहानी, सेवा ज्योति कलश यात्रा, वडनगर वाराणसी सेवा यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, सेवा के रंग-राष्ट्र के संग, सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज और सुशासन सेवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जांएगे।

प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के, गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक के 25 सालों के राजनीतिक सेवा कार्यों को भाजपा जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक माह का राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान संगठन और सरकार के स्तर पर प्रदेश से लेकर बूथ तक मनाया जाएगा। इसमें भाजपा के प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता से लेकर सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधिगण अपनी सहभागिता निभाएंगे।

केजरीवाल ने विधानसभा चुनाव में गोवा फॉरवर्ड पार्टी के साथ गठबंधन बनाया

गोवा, 13 सितंबर। गोवा में आम आदमी पार्टी (आप) और गोवा फॉरवर्ड पार्टी एक साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इस गठबंधन का ऐलान किया। केजरीवाल ने बताया कि गठबंधन का नाम "गोवा फर्स्ट" रखा गया है।

केजरीवाल ने कहा कि इस गठबंधन का मकसद वोटरों को भाजपा

- उन्होंने कहा कि यह गठबंधन गोवा की जनता को असली विकल्प उपलब्ध कराएगा

और कांग्रेस के अलावा एक विकल्प देना है। उन्होंने दोनों पार्टियों पर आरोप लगाया कि वे चुनावों के दौरान तो लड़ती हैं, लेकिन सरकार बनाने के लिए बंद कमरों में मिलकर काम करती हैं। केजरीवाल ने कहा, "गोवा फॉरवर्ड पार्टी और आम आदमी पार्टी ने मिलकर गोवा फर्स्ट बनाया है, जो गोवा के लोगों को एक असली विकल्प देगा।"

केजरीवाल ने कहा कि यह गठबंधन इसलिए ज़रूरी हो गया क्योंकि गोवा के लोग सालों से राजनीतिक हालात देख रहे हैं और उन्हें एहसास हुआ है कि उनके पास कोई असली विकल्प नहीं था। उन्हें या तो कांग्रेस को वोट देना पड़ा या भाजपा को, जबकि इन दोनों पार्टियों के बीच एक तरह की मिलीभगत रही है। लोग एक विकल्प चाहते हैं। जो लोग भाजपा और कांग्रेस को वोट नहीं देना चाहते वे इस गठबंधन को वोट दे सकते हैं।

उन्होंने कहा, "जब भाजपा सरकार में आधे से ज़्यादा लोग कांग्रेसी हों, तो यह साफ़ है कि यह न तो भाजपा की सरकार है और न ही कांग्रेस की। यह पैसे और माफिया की सरकार है, जहां प्राथमिकता गोवा फर्स्ट नहीं, बल्कि पॉकेट फर्स्ट है।"

'कोचिंग इंस्टीट्यूट हटवाने के लिए दुबारा सुप्रीम कोर्ट गए तो जान से हाथ धोना पड़ेगा'

गोपालपुरा बाईपास स्थित कोचिंग भवन के मालिक रघुवीर सिंह डागुर के खिलाफ शिप्रा पथ थाने में मामला दर्ज

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 13 सितंबर । राजधानी जयपुर के गोपालपुरा बाईपास से कोचिंग संस्थानों को हटाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में चल रही कानूनी लड़ाई के बीच, 10-बी स्कीम विकास समिति के महासचिव गोपाल कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष वीरेंद्र अग्रवाल और मामले की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजदीपक रस्तोगी को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में रघुवीर सिंह डागुर के खिलाफ शिप्रापथ थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की जांच उपनिरीक्षक संदीप बसेरा को सौंपी गई है।

- 10-बी विकास समिति के महासचिव गोपाल अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि, "डागुर ने फोन पर गालियां देते हुए धमकाया कि अगर सुप्रीम कोर्ट से गोपालपुरा बाईपास से कोचिंग सैंटर्स हटवाने का केस विड्रॉ नहीं किया तो उन्हें और समिति अध्यक्ष वीरेन्द्र अग्रवाल और वरिष्ठ अधिवक्ता राजदीपक रस्तोगी को जान से मरवा देंगे"

एफ.आई.आर. में गोपाल कुमार अग्रवाल ने बताया कि 10-बी स्कीम विकास समिति की ओर से गोपालपुरा रोड से कोचिंग संस्थानों को हटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में मामला प्रस्तुत किया गया था। गत 4 अगस्त 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई कर आदेश पारित किया। सुप्रीम कोर्ट ने जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) प्रशासन को शपथ पत्र पेश करके यह बताने के लिए कहा था कि गोपालपुरा बाईपास पर किन कारणों से अवैध कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं और उन्हें प्रताप नगर स्थित कोचिंग हब में शिफ्ट क्यों नहीं किया गया? सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बाद 10 सितंबर को जेडीए ने यहां कार्रवाई शुरू की। जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने सुप्रीम कोर्ट में शपथ पत्र देकर बताया कि गोपालपुरा बाईपास पर बनी इमारतों में कोचिंग संस्थान अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं। कुछ कोचिंग सेंटर सील किए जा चुके हैं और शेष को भी सील कर हटाने की कार्रवाई की जानी है।

एफ.आई.आर. में गोपाल अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि, एलेन कोचिंग इंस्टीट्यूट जिस भवन में संचालित हो रहा है, उसके स्वामी रघुवीर सिंह डागुर ने गोपाल अग्रवाल को फोन कर भद्दी गालियां देते हुए धमकाया। आरोप है कि डागुर ने कहा कि अगली तारीख पर सुप्रीम कोर्ट से केस वापस नहीं लिया तो गोपाल अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल और राजदीपक रस्तोगी को जान से मरवा दिया जाएगा। धमकी में कथित तौर पर डागुर ने अपनी राजनीतिक पहुंच और पूर्व अतिरिक्त इनकम टैक्स कमिश्नर होने का हवाला देते हुए बड़े बदमाशों से संपर्क होने की बात भी कही। शिकायत में आरोप है कि डागुर ने यह भी धमकी दी कि तीनों को इस तरह मरवाया जाएगा कि उनके परिजन भी पहचान नहीं पाएंगे। गोपाल अग्रवाल ने 11 सितंबर को पुलिस महानिदेशक, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और मुख्य सचिव को ई-मेल के जरिए भी शिकायत दी थी। इसके बाद शिप्रापथ थाने में मामला दर्ज किया गया। गोपाल अग्रवाल ने स्वयं, वीरेंद्र अग्रवाल, राजदीपक रस्तोगी और अपने परिवारजनों को पुलिस सुरक्षा मुहैया कराने की मांग भी की है।

एनडीए शासित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऑपरेशन सिंदूर जैसे ऑपरेशन्स ने आतंकवाद के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस की नीति स्थापित की है। साथ ही अलग-अलग क्षेत्रों में सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।

इस दौरा अमित शाह ने घोषणा की कि भारतीय जनता पार्टी, उसके सहयोगी दलों, समग्र एनडीए परिवार, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों और देश की जनता के सहयोग से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक देशव्यापी सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। अमित शाह ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है।

पूर्वी दिल्ली में लकड़ी के अवैध गोदाम में आग

पूर्वी दिल्ली, 13 सितंबर। दल्लूपुरा गांव में अनियोजित क्षेत्र में रविवार दोपहर को 800 गज में बने लकड़ी के अवैध गोदाम में भीषण आग लग गई। दस कर्मचारियों ने वक्त रहते बाहर भागकर अपनी जान बचाई। गोदाम में एक के बाद एक रखे चार एलपीजी सिलैण्डर फटने से आग और भीषण हो गई।

आनन फानन में आसपास के घरों से डेढ़ हजार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। आग से सैकड़ों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। आग ज्यादा न भड़के इसलिए लोगों ने अपने घरों से एलीपीजी सिलैण्डर निकाल लिए। आग का धुआं नोएडा व साहिबाबाद में पांच किलोमीटर दूर से नजर आ रहा था।

गोदाम में लकड़ी व पीवीसी और केमिकल होने की वजह से आग काबू में नहीं आ पा रही है। दमकल की 30 गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुटी हुई हैं। धुएं की वजह से लोगों का सांस लेना दुर्भर हो गया, आंखों में जलन हो रही। दल्लूपुरा गांव में 800 गज में छह माह से टीन शेड में एक लकड़ी का अवैध गोदाम चल रहा था। दमकल ने के लोगों ने बताया कि रविवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। गोदाम में करीब दस कर्मचारी काम करते हैं, वहीं पर रहते हैं

- चार एलपीजी सिलैंडर फटने से आग और भड़की, 1500 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया।

और खाना भी बनाते हैं। गोदाम में लकड़ी, पीवीसी व थिनर केमिकल रखा हुआ था।

दमकल वालों का कहना है कि आग पर काबू पाने के बाद सर्च ऑपरेशन चलाकर देखा जाएगा कि गोदाम में कोई था तो नहीं। आग बुझाने के दौरान दमकल के स्टेशन अफसर बेहोश हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

सांभर लेक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

माह 10 हजार रुपए के हिसाब से कुल 50 हजार रुपए रिश्वत मांगना पाया गया।

रविवार को ट्रैप कार्रवाई के दौरान राममिलन मीणा, पुत्र राधेश्याम मीणा को उसके थानाधिकारी कक्ष में परिवादी से 50 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने नाइज़ीरिया, द.अफ्रिका व बुरुंडी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

इन बैठकों में व्यापार, रक्षा, स्वास्थ्य, बहुपक्षीय मंचों पर ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर सहमति बनी

नई दिल्ली, 13 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान अफ्रीकी महाद्वीप के तीन प्रमुख नेता, नाइजीरिया के उपराष्ट्रपति काशिम शेट्टिमा मुस्तफा, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष व बुरुंडी के राष्ट्रपति एवारेस्टे नदाइशिमिये के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों में व्यापार, निवेश, रक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग तथा ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को मजबूती से उठाने पर सहमति बनी। साथ ही भारत-अफ्रीकी संघ साझेदारी को नई गति देने और चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन (आईएएफएस-) के जल्द आयोजन पर भी चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नाईजीरिया के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

- दक्षिण अफ्रीका के चीतों के भारत में सफल पुर्नवास के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण अफ्रीका को इंटरनैशनल बिग कैट अलांयस (आईबीसीए) में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

कर रहे उपराष्ट्रपति काशिम शेट्टिमा मुस्तफा के साथ वार्ता में व्यापार एवं निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, ऊर्जा साझेदारी, कृषि, स्वास्थ्य और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने पर जोर दिया।

वहीं, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के साथ बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और ऐतिहासिक संघर्षों व सांस्कृतिक निकटता पर आधारित संबंधों को आगे बढ़ ाने पर सहमति जताई। दक्षिण अफ्रीका से भारत में चीतों के सफल पुनर्वास के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण अफ्रीका को इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

इसके अलावा, अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष एवं बुरुंडी के राष्ट्रपति एवारेस्टे नदाइशिमिये के साथ बैठक में वर्ष 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्यता दिलाने की ऐतिहासिक पहल को याद किया गया। दोनों नेताओं ने भारत-अफ्रीकी संघ साझेदारी को ग्लोबल साउथ का प्रमुख स्तंभ बताते हुए परस्पर सुविधाजनक तिथि पर चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन (आईएएफएस-) के शीघ्र आयोजन पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने इबोला प्रकोप से निपटने में एयू के नेतृत्व की सराहना की, जबकि एयू अध्यक्ष ने प्रकोप की रोकथाम के लिए अफ्रीका सीडीसी को भारत द्वारा दी गई चिकित्सा सहायता के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही भारत-बुरुंडी संबंधों के तहत आर्थिक सहयोग, कृषि आधुनिकीकरण, स्वास्थ्य और क्षमता निर्माण की समीक्षा की गई।

टीएमसी के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालांकि टीएमसी ने बहुमत हासिल कर सरकार बनाई थी और बाद में ममता बनर्जी भवानीपुर सीट पर उपचुनाव जीतकर मुख्यमंत्री बनी थीं।

गौरतलब है कि ममता बनर्जी और नंदीग्राम का पुराना और गहरा नाता रहा है। साल 2011 में वामदलों की सरकार को सत्ता से बेदखल करने से पहले, ममता बनर्जी ने यहीं से कृषि भूमि अधिग्रहण के खिलाफ एक बड़ा ऐतिहासिक आंदोलन शुरू किया था। हालांकि, 2021 के विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें यहां हरा दिया था।

राहुल गांधी मलेशिया के प्रधानमंत्री से मिले

नई दिल्ली, 13 सितंबर। ब्रिक्स समिट के बीच रविवार को एक तस्वीर और सामने आई, जिसने सभी का ध्यान खींचा है। यह तस्वीर है मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की। ब्रिक्स समिट के लिए दिल्ली आए मलेशियाई पीएम इब्राहिम ने रविवार सुबह-सुबह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से खास मुलाकात की।

मलेशिया के प्रधानमंत्री की कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से यह मुलाकात इसलिए खास है क्योंकि उनकी मीटिंग ब्रेकफास्ट टेबल पर हुई। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका

- ब्रेकफास्ट मीटिंग में राहुल के साथ प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं।

गांधी वाड्रा भी वहां मौजूद थीं। उन्होंने रविवार सुबह-सुबह साथ में नाश्ता किया।

माना जा रहा कि ब्रेकफास्ट के साथ ही अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा भी हुई। खास बात यह रही कि सुबह के नाश्ते पर राहुल गांधी और प्रियंका से मलेशियाई प्रधानमंत्री की इस मुलाकात के दौरान, कई अधिकारी भी वहां मौजूद रहे।

श्रीगंगानगर में सीमा पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसान के खेत से संदिग्ध पैकेट बरामद किए गए। इनमें करीब 5 किलो 600 ग्राम हेरोइन और 500 ग्राम अफीम होने की जानकारी सामने आई।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार खेत से मिले पैकेट रस्सी से बंधे हुए थे। इस तरह की पैकिंग को देखते हुए जांच एजेंसियां ड्रोन के माध्यम से सीमा पार से पैकेट भारतीय क्षेत्र में गिराए जाने के पहलू की जांच कर रही हैं। हालांकि अभी तक यह आधिकारिक रूप से पुष्टी नहीं हुई है कि बरामद खेप वास्तव में ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से लाई गई थी।जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि खेप को भारतीय क्षेत्र में कहां गिराया गया और इसे लेने के लिए कौन आने वाला था। इसके साथ ही संभावित ड्रोन रूट, खेप गिराए जाने के समय और स्थान तथा भारतीय क्षेत्र में सक्रिय संभावित हैंडलर्स के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

एक बार तो पनीर पर टिके ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यंजन परोसे गए। ब्रिक्स डिनर में भी खाने पीने का अंदाज़ कुछ ऐसा ही था।

इसलिए इसे भारतीय कूटनीति में किसी नई खान-पान की नीति का सबूत नहीं कहा जा सकता। अवसर, थीम और मेहमानों के अनुसार मेन्यू बदलते रहते हैं।

दूसरे देश भी ऐसा ही करते हैं। 2023 में जब मोदी अमेरिका गए थे, तब वाइट हाउस ने पूरी तरह पौधों पर आधारित (प्लांट बेस्ड) स्टेट डिनर का आयोजन किया था, जबकि संयुक्त अरब अमीरात ने उनके सम्मान में पूरी तरह शाकाहारी भोज दिया था। कूटनीतिक मेहमाननवाज़ी का मतलब अक्सर मेहमान की पसंद के हिसाब से खाना तैयार करना होता है।

और शी का न आना? इसके बारे में जो जानकारी मिली है, वह सोशल मीडिया पर चल रही कहानी जितनी नाटकीय नहीं है। मामले से परिचित लोगों ने बताया कि लंबी उड़ान और पहले दिन के व्यस्त कार्यक्रमों, जिसमें पहले दिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय बातचीत भी शामिल थी, के बाद वो थक गए थे। पुतिन और अन्य नेता डिनर में शामिल हुए।

- एक और चर्चा सामने आई कि भारत का खान-पान केवल शुद्ध पनीर व साग सब्जी वाला ही नहीं, अवध के कबाब, कश्मीरी रोगन जोश, बंगाली मछली, गोवा का सी फूड, चेट्टीनाड की मटन डिशें और केरल का समुद्री तट का भोजन की भोज परंपरा का पुराना जाना-माना हिस्सा है। अतः केवल पनीर व बाजरे पर आधारित भोजन को विदेशी मेहमान को परोसना उचित नहीं है।
- बहरहाल राष्ट्रपति शी के अनुपस्थित होने का कारण काफी साधारण ही है। लंबी फ्लाइट के बाद शी दिल्ली पहुँचे थे तथा दिन भर ब्रिक्स के कार्यक्रमों में शरीक हुए तथा उसके बाद प्र.मंत्री से लंबी वार्ता, अतः औपचारिक भोज से अनुपस्थित रहे।

दूसरे शब्दों में, "पनीर की बड़ी साजिश" वाली बाद शायद रसोई के बाहर गढ़ी गई थी।

फिर भी यह घटना भारत-चीन संबंधों के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बातें बताती है। क्योंकि, सीमा विवाद, रणनीतिक अविश्वास और आपसी प्रतिस्पर्धी हितों के कारण दोनों देशों के संबंध जटिल बने हुए हैं। ऐसे में कूटनीति से जुड़ी किसी सामान्य-सी बात का भी भू-राजनीतिक मतलब निकाला जा सकता है। शी की गैर-मौजूदगी को पूरी तरह शाकाहारी मेन्यू के साथ जोड़कर इंटरनेट ने तुरंत एक कहानी बना ली।

यह बात भारत-चीन संबंधों की स्थिति के बारे में उतना ही बताती है, जितना सोशल मीडिया के बारे में।

आखिरकार, कूटनीति में भोजन कभी सिर्फ भोजन नहीं होता। यह मेहमाननवाज़ी, पहचान, संस्कृति और कभी-कभी राजनीति का संदेश भी देता है। कोई देश अपने मेहमानों को क्या परोसता है, यह उस संदेश का हिस्सा बन सकता है, जो वह देना चाहता है।

इसलिए भारत को अपने शाकाहारी मेन्यू को लेकर रक्षात्मक होने की जरूरत नहीं है। लेकिन उसे यह दिखावा भी नहीं करना चाहिए कि शाकाहारी भोजन ही पूरी भारतीय खान-पान परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है। भारत की असली पाक-कला की ताकत उसकी विविधता में है - गुजरात और राजस्थान की शाकाहारी परंपराओं से लेकर कश्मीर और पूर्वोत्तर के मांसाहारी व्यंजनों तक, और भारत के विशाल समुद्री तट के समुद्री भोजन से लेकर दक्षिण भारत के विस्तृत शाकाहारी व्यंजनों तक।

शायद सबसे असली भारतीय कूटनीतिक मेन्यू वही होगा, जो इनमें से किसी एक को चुनने से इनकार करे।

जहां तक शी जिनपिंग का सवाल है, सबसे सुरक्षित और आसान नतीजा यही है: वे डिनर में शामिल नहीं हुए, लेकिन इस बात का कोई सबूत नहीं है कि उन्होंने पनीर की वजह से ऐसा किया।

हालांकि, सोशल मीडिया ने पहले ही कुछ और तय कर लिया था। और इस तरह, कम से कम एक शाम के लिए, भारत-चीन रिश्ते का मुद्दा "लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल", व्यापार या रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं था। बल्कि यह, सच और कल्पना के बीच की रेखा के बारे में था, और साथ में पनीर का भरपूर मज़ा भी था।

यूक्रेन में यात्री ट्रेन पर रूस का ड्रोन हमला

कीव, 13 सितंबर। यूक्रेन ने दावा किया है कि रविवार को कीव से वारसॉ जा रही एक यात्री ट्रेन के इंजन को रूसी ड्रोन ने निशाना बनाया। यह हमला यूक्रेन-पोलैंड सीमा से महज करीब दो किलोमीटर दूर वोलिन क्षेत्र में हुआ। घटना में किसी यात्री के घायल होने की

- खतरे की चेतावनी मिलने के कारण ट्रेन में सवार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

सूचना नहीं है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रिय सिबिहा ने घटना को यूरोपीय संघ और नाटो की सीमा के बेहद करीब रूस की कार्रवाई बताते हुए यूरोपीय देशों से मॉस्को पर प्रतिबंध और कड़े करने की अपील की। यूक्रेन की सरकारी रेलवे कंपनी उक्रजालिज्नित्स्या ने ट्रेन पर हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि निगरानी दल ने चालक दल को पहले ही ड्रोन के खतरे की चेतावनी दे दी थी। इसके कारण ट्रेन में सवार लोगों को सुरक्षित निकालने में मदद मिली। ट्रेन में कुल 208 लोग सवार थे।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री से चीन के साथ वार्ता पर चार सवाल पूछे

सांसद जयराम रमेश ने चीन के साथ द्विपक्षीय वार्ता के तौर-तरीके की निंदा की

नई दिल्ली, 13 सितंबर। कांग्रेस ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की द्विपक्षीय वार्ता के तौर-तरीकों की निंदा करते हुए देश की क्षेत्रीय अखंडता से समझौता करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने सीमा सुरक्षा, गलवान के बाद दिए गए बयानों, लद्दाख-अरुणाचल में रणनीतिक नुकसान और 112 अरब डॉलर के रिकॉर्ड व्यापार घाटे को लेकर प्रधानमंत्री से चार सवाल पूछते हुए स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

कांग्रेस महासचिव (संचार) एवं सांसद जयराम रमेश ने रविवार को जारी आधिकारिक वक्तव्य में कहा कि चीन के साथ भारत के संबंधों का सामान्य होना अलग बात है लेकिन सरकार की ओर से जो देखने को मिला है वह सोच-समझकर किया गया आत्मसमर्पण है। उन्होंने सवाल किया कि क्या 19 जून 2020 को चीन को दी गई क्लीन चिट

- जयराम रमेश ने कहा कि ब्रह्मपुत्र नदी के ग्रेट बैंड पर चीन द्वारा कराए जा रहे 60 हजार मेगावाट के मेडोग मेगा-डैम के निर्माण से पूरे पूर्वोत्तर की जल सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो रहा है।

ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत की स्थिति को कमजोर नहीं किया।

उन्होंने कहा कि लद्दाख और अब अरुणाचल प्रदेश में चीन को क्षेत्रीय बढ़त हासिल करने की अनुमति क्यों दी गई। पूर्वी लद्दाख के बड़े हिस्सों में भारत के पारंपरिक पेट्रोलिंग और मवेशी चराने के अधिकारों को छोड़ दिया गया है। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में चीनी अतिक्रमण, पेट्रोलिंग पॉइंट्स तक पहुंच खत्म होने और नए गतिरोध की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। इसके अलावा चीन शहरों के नाम बदल रहा है और ब्रह्मपुत्र नदी के ग्रेट बैंड पर 60,000 मेगावाट के मेडोग मेगा-डैम का निर्माण कर पूरे पूर्वोत्तर की जल सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा है।

रमेश ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा रिकॉर्ड 112.6 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जिसने देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को भारी नुकसान पहुंचाया है। देश में महत्वपूर्ण कच्चे माल, मैन्युफैक्चरिंग उपकरणों और इंटरमीडिएट गुड्स के लिए चीन पर निर्भरता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908